राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 विदेशों में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में गौतम अडानी, दुबई में बनाई नई कंपनी

ईरान ने किया कबूलः इजराइल ने 3 प्रांतों मेंसैन्य ठिकाने को बनाया निशाना 12

वर्ष : 12 | अंक : 193 | पटना, रविवार, 27 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

औषधीय जड़ी-बूटियों को बचाने की जरूरत :मुर्मू

रायपुर/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औषधीय गुणों वाली जड़ी-बूटियों और पेड़-पौधों के बारे में ग्रामीणों और आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर जोर दिया है, जिससे ऐसे ज्ञान को विलुप्त होने से बचाया जा सके। नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि चिकित्सकों को अपने पेशे का कुछ कार्यकाल ग्रामीण क्षेत्रों को समर्पित करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने देश से मलेरिया, फाइलेरिया और तपेदिक

जैसी संक्रामक बीमारियों को खत्म करने के लिए सरकारी प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। राष्ट्रपति ने कहा,छत्तीसगढ़ में जड़ी-बूटियों और औषधीय पेड़-पौधों का खजाना है। ग्रामीणों और आदिवासी भाई-बहनों को औषधीय महत्व की जड़ी-बूटियों और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी है। ऐसे ज्ञान का दस्तावेजीकरण उन्हें विलुप्त होने से बचाने के लिए जरूरी है। वनवासियों के ज्ञान के आधार पर शोध को बढ़ावा देकर ऐसी जानकारी का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जा सकता है। इस कदम से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2024 में भारत के खान-पान को अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक टिकाऊ माना गया है। राष्ट्रपति ने कहा,यह हमारी पारंपरिक जीवन शैली के महत्व को रेखांकित करता है, जो हमें आयुर्वेद से मिलती है। उन्होंने कहा कि मलेरिया, फाइलेरिया और तपेदिक जैसी संक्रामक बीमारियां अब भी देश से पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं तथा भारत सरकार इन बीमारियों को खत्म करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी समुदायों में सिकल सेल एनीमिया एक बड़ी समस्या है तथा भारत सरकार राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया मिशन के तहत इस पर काबू पाने की कोशिश कर रही है।

वकीलों को युवाओं को उचित वेतन देना सीखना चाहिएः चंद्रचूड़

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि वकीलों को उनके चैंबर में सीखने आने वाले युवाओं को उचित वेतन और पारिश्रमिक देना सीखना चाहिए। आकाशवाणी को दिए साक्षात्कार में चंद्रचूड़ ने कहा कि कानून का पेशा एक मुश्किल पेशा होता है, जहां प्रारंभिक वर्षों में रखी गई नींव से युवा वकील अपने पूरे करियर में अच्छी स्थिति में रहते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, किसी भी पेशे में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। शुरूआत में, कानून के पेशे में पहले महीने के अंत में आपको जो राशि मिलती है, वह बहुत अधिक

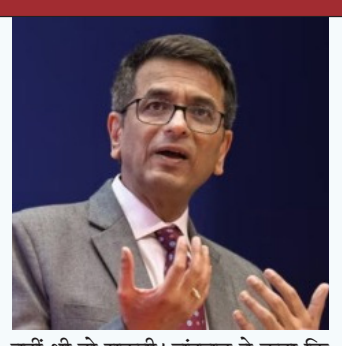

नहीं भी हो सकती। चंद्रचूड़ ने कहा कि इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि पहली बार काम करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए कि वे लगन से काम करें, कड़ी मेहनत करें और जो वे करते हैं, उसके प्रति ईमानदार रहें। उन्होंने कहा, इसी तरह, हमारे तौर-तरीकों में भी बदलाव होना चाहिए। उदाहरण के लिए, वकीलों को यह सीखना होगा कि उनके चैंबर में आने वाले युवा वकीलों को उचित वेतन, पारिश्रमिक और भत्ते कैसे दिए जाएं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, युवा उनके चैंबर में सीखने के लिए आते हैं। उनके पास देने के लिए भी बहुत कुछ होता है, इसलिए यह आत्मसात करने, साझा करने और मार्गदर्शन की दोतरफा प्रक्रिया है, जो हमें युवा वकीलों को प्रदान करनी है।

संक्षिप्त खबरें

मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा की बिगड़ी तबीयत

पटना। पिछले एक सप्ताह से दिल्ली एम्स में भर्ती पद्मभूषण से सम्मानित लोक गायिका शारदा सिन्हा की तबीयत बिगड़ गई है। शनिवार सुबह उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। हाल ही में उनके पति का ब्रेन हैमरेज से निधन हुआ था। उसके बाद वह खुद बीमार हो गई हैं। पिछले एक सप्ताह से उनको खाने-पीने में काफी समस्याएं आ रही थी, जिसके बाद उनको दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के मुताबिक आज सुबह उनकी स्थिति काफी बिगड़ गई। हालांकि, अभी उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई बुलेटिन जारी नहीं किया गया है। बिहार के सुपौल जिले के हुलास में जन्मी शारदा सिन्हा लोकगीत और शास्त्रीय संगीत की मशहूर गायिका हैं। शारदा सिन्हा मुख्य तौर पर मैथिली और भोजपुरी गीतों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने विवाह गीत और छठ गीत गाए हैं, जो बेहद लोकप्रिय हैं। संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें 2018 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

मध्यप्रदेश : दो सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत

बड़वानी/छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के बड़वानी और छिंदवाड़ा जिलों में दो सड़क दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बड़वानी जिले में पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छिंदवाड़ा जिले में दो लोगों की मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि बड़वानी जिले के सेंधवा कस्बे में शनिवार रात करीब एक बजे एक ट्रक गाय से टकराने के बाद पैदल चल रहे लोगों पर पलट गया, जिससे चार लोग कुचल गए। सेंधवा के थाना प्रभारी बलजीत सिंह बिसेन ने बताया कि ये लोग काम के बाद कारखाने से घर जा रहे थे, तभी महाराष्ट्र से पंजाब लाल मिर्च लेकर जा रहा ट्रक पलट गया और उन पर गिर गया। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रिगनिया मेहता , उनके बेटे जितेंद्र , बबलू मेहता और श्यामलाल मेहता के रूप में हुई है।

छठ महापर्व : मुख्यमंत्री ने तैयारियों को लेकर गंगा घाटों का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो : नीतीश

मुख्य निर्देश :

- सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये छठ घाटों का करें निर्माण
- छठ घाटों पर सुरक्षा के रखें पुख्ता इंतजाम
- सुरक्षा के दृष्टिकोण से मजबूत बैरिकेडिंग कराएं
- श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए सुगम ट्रैफिक व्यवस्था कराएं
- छठ घाटों पर साफ-सफाई की भी पूरी व्यवस्था रखें
- छठ घाटों पर शौचालय व टॉयलेट का भी इंतजाम कराएं

प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के महापर्व छठ 2024 के मद्देनजर छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टीमर द्वारा नासरीगंज घाट से कंगन घाट तक के विभिन्न गंगा घाटों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने घाटों की सफाई, सुरक्षा एवं स्वच्छता के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में कोई परेशानी न हो, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। छठ व्रतियों की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखें। छठ व्रतियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये छठ घाटों का निर्माण करें। गंगा नदी के जलस्तर एवं प्रवाह को देखते हुये छठ घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखें। छठ घाटों के पास सुरक्षा के दृष्टिकोण से मजबूत बैरिकेडिंग करायें। घाटों के पहुँच पथ एवं गंगा नदी किनारे की सड़कों के पास भी छठ व्रतियों के सुचारू आवागमन हेतु बैरिकेडिंग करायें। यह भी सुनिश्चित करें कि छठ व्रतियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनको हर प्रकार की सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि छठ घाटों पर साइनेज (संकेतक चिह्न) का प्रयोग कर छठ व्रतियों को वहां पर की जा रही व्यवस्थाओं, आने-जाने आदि के बारे की जानकारी दी जाए। छठ पूजा के दौरान माइकिंग के माध्यम से छठ घाटों पर की गई व्यवस्थाओं एवं अन्य सूचनाओं के संबंध में छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को लगातार जानकारी दी जाए। छठ घाटों तक छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के पहुंचने के लिए सुगम ट्रैफिक व्यवस्था कराएं ताकि छठ व्रतियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। छठ घाटों पर शौचालय व टॉयलेट का भी इंतजाम कराएं ताकि वहां आनेवाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। छठ घाटों पर साफ-सफाई की भी पूरी व्यवस्था रखें।

अच्छे ढंग से की जा रही हैं सारी व्यवस्थाएं

छठ घाटों का निरीक्षण करने के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व की तैयारियों को देखने हम बराबर छठ घाट आते हैं। आज भी छठ घाटों का निरीक्षण करने यहां आये हैं। छठ व्रतियों के लिए सारा इंतजाम अच्छे से किया जा रहा है ताकि उन्हें पूजा करने में कोई कठिनाई न हो। छठ व्रतियों को घाट किनारे पूजा करने के लिए सारी सुविधायें उपलब्ध कराई जा रही है। सारी व्यवस्थायें अच्छे ढंग से की जा रही हैं।

ये रहें मौजूद :

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, ऊर्जा विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, अपर पुलिस महानिदेशक (स्पेशल ब्रांच) सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (विधि व्यवस्था) संजय सिंह, पथ निर्माण विभाग के सचिव बी कार्तिकेय धनजी, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त मयंक बरबड़े, जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक, पटना नगर निगम के आयुक्त श्री अनिमेश परासर, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेन्द्र प्रसाद सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर काली मंदिर के सौन्दर्यीकरण कार्य का किया अनावरण

सीएम ने महारानी स्थान मंदिर में की पूजा अर्चना

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जिला के बख्तियारपुर स्थित काली मंदिर (महारानी स्थान) के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय है कि इस प्रसिद्ध काली मंदिर की स्थापना लगभग दो सौ वर्ष पहले हुई थी। मंदिर का पौराणिक नाम महारानी स्थान, बख्तियारपुर है। मंदिर में काली मां की मूर्ति के साथ-साथ मां दुर्गा के नौ रूपों की मूर्ति स्थापित है तथा अन्य देवी देवताओं की मूर्ति भी एक ही मंदिर में स्थापित है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं द्वारा करीब दो वर्ष में इस पौराणिक मंदिर का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्गीकरण कार्य कराया गया है। इसके तहत मंदिर की संरचना का मजबूतीकरण, पत्थर एवं टाईल्स का कार्य, गेट का निर्माण, पेंटिंग, लाईटिंग इत्यादि कार्य कराये गये हैं। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर काली मंदिर से सटे राधा-कृष्ण मंदिर में भी पूजा-अर्चना की।

भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए क्रांतिकारी बदलाव की आवश्यकता : इसरो प्रमुख

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथन ने कहा है कि भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए क्रांतिकारी बदलाव से गुजरना होगा। उन्होंने आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नति और उत्पाद विकास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में अभिनव कार्य करने के लिए अरबपति कारोबारी एलन मस्क की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मस्क की उपलब्धियों ने इसरो समेत वैश्विक प्रयासों को प्रेरित किया है। सोमनाथन ने शनिवार को दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के 13वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, यदि भारत तीसरी, दूसरी या पहली सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखता है, तो क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। विकास केवल व्यापार और संसाधनों से नहीं होगा। हमें प्रौद्योगिकी में मूल्य सृजित करने की आवश्यकता है जो उत्पाद विकास को ताकत प्रदान करे। मस्क के बारे में इसरो प्रमुख ने कहा, एलन मस्क अपने रॉकेट से सभी का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। यूरोप से लेकर रूस और चीन तक हर कोई देख रहा है कि वह क्या कर रहे हैं। वह एक महान व्यक्ति हैं और शानदार काम कर रहे हैं और हम सभी उनकी उपलब्धियों से प्रेरित हैं। इसरो प्रमुख ने अंतरिक्ष में भारत की हालिया प्रगति पर भी प्रकाश डाला, जिसमें देश के सफल चंद्र अभियानों का उल्लेख किया गया। उन्होंने हालांकि बताया कि गति बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास और नवाचार आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, हम एक ऐसे स्तर पर पहुंच गए हैं जहां हम पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए हमें अपनी प्रौद्योगिकी का निर्माण और सुधार करना होगा। हमें प्रणोदन और भौतिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। सोमनाथन ने कहा, सरकार ने अंतरिक्ष में निजी निवेश और भागीदारी के महत्व को पहचाना है। इससे विकास की गति में तेजी आएगी, लागत कम होगी और हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के रिश्तों में हुआ सुधार: जयशंकर

- विदेश मंत्री ने पुणे में कूटनीतिक कोशिशों पर प्रकाश डाला

पुणे/एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार संभालने के बाद से पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

पुणे स्थित फ्लेम यूनिवर्सिटी में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कूटनीतिक कोशिशों पर प्रकाश डाला, जिससे उन देशों के साथ संबंध मजबूत हुए, जो ऐतिहासिक रूप से भारत के साथ कम जुड़े थे। इनमें एक उदाहरण संयुक्त अरब अमीरात का है, जहां 2015 में पीएम मोदी ने यात्रा की थी यह दिवंगत इंदिरा गांधी के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहला दौरा था। जयशंकर ने कहा कि यूएई की निकटता के बावजूद, उससे जुड़ने के लिए बहुत कम प्रयास किए गए। विदेश मंत्री के मुताबिक भारत का अपने पड़ोसियों के साथ एक जटिल इतिहास रहा है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने देशों को नई दिल्ली के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने को प्रेरित किया है, खासकर चीन के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर। जयशंकर ने कहा, देश अपने रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि कई पड़ोसी देशों ने अपने फायदे के लिए चीन की ओर रुख किया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की उभरती हुई आर्थिक शक्ति है और आने वाले वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सैनिकों की वापसी है और दूसरा मुद्दा तनाव कम करना है। उन्होंने कहा, अगर मैं इसे थोड़ा पीछे ले जाऊं, तो 2020 से सीमा पर स्थिति खराब रही, जिसका चीन के साथ रिश्तों पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ा। सितंबर 2020 से हम समाधान खोजने के तरीके पर चीनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। समाधान के विभिन्न पहलू हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सैनिकों की वापसी है, क्योंकि सैनिक एक-दूसरे के बहुत करीब हैं और किसी घटना की संभावना काफी है। इसलिए यह मुद्दों का पहला सेट है। विदेश मंत्री ने कहा, इसके बाद तनाव कम करना है। फिर एक बड़ा मुद्दा यह है कि आप सीमा का प्रबंधन कैसे करते हैं और सीमाओं पर कैसे बातचीत करते हैं। अभी चीन में जो कुछ भी हो रहा है, वह पहले चरण के कारण हो रहा है, जो कि पीछे हटने का फेज है। हम भारत-चीन सीमा पर गश्त के मुद्दों पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे थे।

12 साल बाद घर में टेस्ट सीरीज हारा भारत

न्यूजीलैंड सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की

नई दिल्ली/एजेंसी। न्यूजीलैंड ने पुणे टेस्ट जीतने के साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बंगलूरू में खेला गया पहला मुकाबला कीवी टीम ने आठ विकेट से अपने नाम किया था। भारतीय टीम से वापसी की काफी उम्मीदें थीं, लेकिन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ऐसा करने में नाकाम रही। टीम इंडिया अपने ही बुने जाल में फंस गई। पहले मैच में जहां टीम इंडिया कीवी तेज गेंदबाजों के आगे धराशाई हुई, तो दूसरे टेस्ट में स्पिनर्स ने भारतीय बल्लेबाजों की बोलती बंद कर दी। पुणे में जीत के लिए मिले 359 रन के लक्ष्य के जवाब में टीम इंडिया अपनी दूसरी पारी में 245 रन पर सिमट गई और साथ ही सीरीज भी गंवा दी।

भारतीय टीम अपने घर में 12 साल बाद कोई टेस्ट सीरीज हारी है। इसी के साथ घरेलू जमीन पर लगातार 17 टेस्ट सीरीज जीतने के बाद जीत का यह सिलसिला टूट गया। पिछली बार

टीम इंडिया को 2012-13 में इंग्लैंड ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराया था। उसके बाद भारत ने लगातार 18 सीरीज जीतीं। हालांकि, न्यूजीलैंड ने अब टीम इंडिया को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि कीवी टीम भारतीय सरजमीं पर इतना प्रभावशाली प्रदर्शन करेगी। पहला टेस्ट जीतने के साथ ही न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारत में कोई टेस्ट मैच जीता था। अब उसने पहली बार भारत में कोई टेस्ट सीरीज अपने नाम की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 1955 में खेला गया था और 69 साल के दोनों देशों के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार न्यूजीलैंड की टीम ने भारतीय सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीती है। मैच की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 259 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 156 रन पर समाप्त हो गई थी। 103 रन के साथ न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बनाए और कुल मिलाकर 358 रन की बढ़त हासिल की थी। 359 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया के लिए यशस्वी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए और रवींद्र जडेजा ने 42 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई बल्लेबाज 25+ का आंकड़ा नहीं छू सका। रोहित शर्मा आठ रन, शुभमन गिल 23 रन, विराट कोहली 17 रन, ऋषभ पंत खाता खोले बिना, वॉशिंगटन सुंदर 21 रन और सरफराज खान नौ रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने पहली पारी में सात विकेट और दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर नये यात्री टर्मिनल का आज उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर नवनिर्मित यात्री टर्मिनल भवन और मैत्री द्वार का उद्घाटन करेंगे। पेट्रापोल क्रॉसिंग दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा भू पत्तन है तथा भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार और वाणिज्य के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्री रविवार को पश्चिम बंगाल में भू पत्तन पेट्रापोल पर नवनिर्मित यात्री टर्मिनल भवन और मैत्री द्वार का उद्घाटन करेंगे। पेट्रापोल (भारत)-बेनापोल (बांग्लादेश), व्यापार और यात्री आवाजाही दोनों के मामले में भारत-बांग्लादेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमि सीमा क्रॉसिंग में से एक है। भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि मार्ग से लगभग 70 प्रतिशत (मूल्य के हिसाब से) व्यापार इसी भू पत्तन के जरिये होता है, जो गृह मंत्रालय की एक शाखा, भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के प्रशासनिक नियंत्रण में है। पेट्रापोल भू पत्तन भारत का आठवां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय आव्रजन बंदरगाह भी है तथा भारत और बांग्लादेश के बीच सालाना 23.5 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही की सुविधा प्रदान करता है।

सूचना फर्जी धमकियों की बढ़ती संख्या के बीच सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी किया परामर्श

फर्जी बम धमकियां: सोशल मीडिया मंचों को गलत सूचनाएं हटाने का परामर्श जारी

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। विमानन कंपनियों को उनके विमानों को बम से उड़ाने की मिलने वाली फर्जी धमकियों की बढ़ती संख्या के बीच सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंचों से कहा है कि वे उचित सावधानी बरतें और सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत निर्धारित कठोर समयसीमा के भीतर गलत सूचना को तुरंत हटा दें या उस तक पहुंच को बाधित करें। केंद्र सरकार ने यह भी कहा कि इस तरह की गलत सूचना को हटाने या उस तक पहुंच को बाधित करने के अलावा सोशल मीडिया मध्यस्थों का भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत अतिरिक्त दायित्व है कि वे अपने मंच के किसी भी उपयोगकर्ता की ओर से किए गए किसी भी अपराध की अनिवार्य रूप से शिकायत करें। इनमें भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता या सुरक्षा को खतरा पहुंचाने के इरादे से किए गए अपराध भी शामिल हैं। सरकार ने जारी परामर्श में सोशल मीडिया मध्यस्थों से कहा कि आईटी नियमों के तहत वे अपने पास मौजूद सूचनाएं उपलब्ध कराने तथा जांच एजेंसियों को 72 घंटे तक की निर्धारित समय सीमा के भीतर सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य हैं। यह कदम इसलिए अहम है क्योंकि पिछले 12 दिनों में भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 275 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की फर्जी धमकियां मिली हैं। अधिकतर धमकियां सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से दी गईं। शुक्रवार को ही भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 25 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। आईटी मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है, ह्यहउपरोक्त के अलावा आईटी नियम 2021 मध्यस्थों को अपने पास मौजूद जानकारी को साझा करने के लिए बाध्य करता है, या जांच या सुरक्षात्मक अथवा साइबर सुरक्षा गतिविधियों के लिए कानूनी रूप से अधिकृत सरकारी एजेंसी को सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य करता है। परामर्श में कहा गया है कि, स्थिति की गंभीर प्रकृति पर विचार करते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय याद दिलाता है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित सभी मध्यस्थों को अपने मंचों पर फर्जी बम धमकियों सहित ऐसे दुर्भावनापूर्ण कृत्यों को रोकने के लिए उचित प्रयास करने चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

नकली नमक बेचते के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार भारी मात्रा में नमक बरामद

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार को पेठिया बाजार में धल्लड़े से टाटा कंपनी का नकली नमक तैयार कर बेचने के मामले में स्थानीय पुलिस ने एक व्यक्ती को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से भारी मात्रा में नमक का पैकेट बरामद किया है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि टाटा कम्पनी के जांच पदाधिकारी के द्वारा थाना को सूचना दिया गया कि दानापुर थाना अन्तर्गत पेठिया बाजार में टाटा कम्पनी का एक किलो का नमक का नकली पैकेट तैयार कर बेचा जा रहा है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुये पेठिया बजार में छापेमारी की गई।जहां बीबीगंज, दलवार रोड निवासी अनिकेत कुमार को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से भारी मात्रा में बोरे में रखा टाटा कंपनी का नकली नमक व खाली पैकेट,व पैकेट सील करने का मशीन एवं सादा नमक का बोरा बरामद किया गया है। उन्होने कहा कि गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ करने के बाद न्याय हिरासत मे भेज की तैयारी की जा रही है

घाट किनारे गिरे पीपल वृक्ष को हटाया गया

फतुहा। बीते शुक्रवार की अंक में खबर छपने के बाद असर यह हुआ कि शनिवार को नगर निकाय ने आखिरकार कटैयाघाट पर गिरे पेड़ को काटकर हटाने का काम शुरू कर दिया। विदित हो कि बीते आठ अक्तूबर को दुर्गा पूजा के दौरान शाम को 150 साल पुरानी पीपल का पेड़ टुटकर गिर गया था। यह पेड़ कटैयाघाट के सीढ़ियों पर ही गिर गयी थी। इसके बाद कटैयाघाट पर आने जाने का रास्ता अवरुद्ध हो गया था। आगामी छठ पर्व को देखते हुए गिरे पेड़ को हटाए जाने की मांग की गयी ताकि छठ पूजा के दौरान घाट पर श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। इसे देखते हुए नगर परिषद ने वन विभाग के डीएफओ को लिखित सूचना दी। लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी पेड़ काटकर हटाए जाने का मामला वन विभाग और नगर परिषद के बीच झुलता रहा। जब शुक्रवार के अंक में यह खबर छपी तो तत्काल वन विभाग ने नगर परिषद को पेड़ हटाए जाने का आदेश दे दिया। शनिवार को गिरे पेड़ को काटकर हटा दिए जाने की मुहिम शुरू हो गयी।

देशी शराब के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

फतुहा। शनिवार को पचरुखिया पुलिस ने एक सीएनजी ऑटो पर लोड बीस लीटर देसी शराब के साथ दो धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह छापेमारी चकसूरत गांव के पास पीरमुहानी पर किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ऑटो को जब्त कर लिया है। गिरफ्तार धंधेबाज चकसूरत गांव का ही रहने वाला बबलू कुमार व रविश कुमार है। दोनों ऑटो के ड्राइविंग सीट के नीचे शराब को छुपाकर कहीं ले जाने की तैयारी कर रहा था। पचरुखिया एसएचओ मिथिलेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों धंधेबाज को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

परीक्षा की संभावित तिथि तय होने से पारा मेडिकल छात्रों में खुशी

पटना सिटी, लंबे समय से छात्रों की परीक्षा नहीं होने के कारण से पारा मेडिकल छात्रों को भविष्य अंधकारमय लग रहा था। कारण कि इस वर्ष स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां होनी हैं। ऐसे में छात्रों को काफी उम्मीद थी। परीक्षा की तिथि प्रकाशन होने के कारण बिहार के पारा मेडिकल छात्रों में खुशी है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत गठित कमेटी द्वारा इन छात्रों का परीक्षा होना है। इसे लेकर पारा मेडिकल छात्रा संघ का प्रतिनिधिमंडल परीक्षा नियंत्रक विशेश्वर प्रसाद से बातचीत की। उन्होंने आश्वासन दिया कि 30 नवंबर के बाद आप सभी छात्रों की परीक्षा ले ली जाएगी। इसके बाबत फॉर्म भरने के लिए तिथि का भी निर्धारण कर दिया गया है। इस कारण से छात्रों में खुशी है। पारा मेडिकल छात्र संघ के अध्यक्ष विशाल कुमार ने पारा मेडिकल छात्र संघ की ओर से परीक्षा नियंत्रक को विशेष धन्यवाद एवं आभार जताया है।

प्रदूषण विभाग की टीम ने कारखाना में की जांच-पड़ताल

पटना सिटी (प्राकि)। मालसलामी थाना क्षेत्र के नुरुद्दीनगंज में चल रहे तीन नमकीन फैक्ट्री की जांच-पड़ताल प्रदूषण विभाग की टीम ने की। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर जांच को पहुंची टीम के वहां पहुंचने से अफरा-तफरी की स्थिति मच गयी। टीम में शामिल लोगों ने बताया कि घनी आबादी में संचालित हो रहे कारखाना को हटाने के लिए नोटिस निर्गत किया जाएगा। इसके बाद भी फैक्ट्री को नहीं हटाया जाएगा, तब इसके खिलाफ कार्रवाई होगी। टीम के पदाधिकारी ने कहा कि मानक के अनुकूल फैक्ट्री का संचालन हो, इसके लिए जरूरी जांच भी की जाएगी।

इंडियन चेस्ट सोसाइटी बिहार चैप्टर ने पटना में किया बिपकॉन - 2024 का आयोजन

पल्मोनरी चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा बिपकॉन - 2024 : मंगल पांडेय

प्रात :किरण संवाददाता

पटना : इंडियन चेस्ट सोसाइटी, बिहार चैप्टर द्वारा स्थानीय ज्ञान भवन में दो दिवसीय सातवें राष्ट्रीय सम्मेलन बिपकॉन - 2024 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के चेस्ट रोग विशेषज्ञों ने एकजुट होकर पल्मोनरी चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने को लेकर चर्चा की। कार्यक्रम आयोजन समिति के डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, डॉ. दीपेंद्र कुमार राय, डॉ. पवन कुमार अग्रवाल, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. आशीष डी सिन्हा, डॉ. वैभव शंकर, डॉ. प्रवीण कुमार शाही व डॉ. प्रणय विनोद ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय, विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्यजीत कुमार सिंह, डॉ. प्रो. विजय प्रकाश, डॉ. बिभा सिंह, डॉ. रश्मि सिंह, सोसाइटी संरक्षक डॉ. कमलेश तिवारी, डॉ. ए एस सिंह व डॉ. डी पी सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर देशभर से 500 से अधिक चिकित्सक शामिल हुए। आयोजन समिति के डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, डॉ. दीपेंद्र कुमार राय, डॉ. पवन कुमार अग्रवाल, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. आशीष डी सिन्हा, डॉ. वैभव शंकर, डॉ. प्रवीण कुमार शाही व डॉ. प्रणय विनोद ने संयुक्त रूप से बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत देशभर से आए हुए 12 से अधिक वक्ता 15 से अधिक साइंटिफिक सेशन और 8 से अधिक कार्यशाला के माध्यम से चिकित्सकों को नई चिकित्सा पद्धति और तकनीक से अवगत कराएंगे। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में डॉ. नितेश गुप्ता द्वारा ईबस के ऊपर आरंभिक भाषण दिया गया जबकि बिग अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल के डॉ. श्याम कृष्णन द्वारा ईबस टीबीएनए का लाइव प्रसारण किया गया। उन्होंने कहा कि ब्रोंकोस्कोपी, थोरैकोस्कोपी, स्लीप मेडिसिन थेरेपी, फेफड़े के अल्ट्रासाउंड इको के उपयोग पर विभिन्न कौशल विकास और प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आज चर्चा हुई है जो सम्मेलन में शामिल हुए चिकित्सकों के लिए विशेष रूपों से फायदेमंद साबित होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि यह न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है कि हमारे राज्य में इतने वरिष्ठ और विशेषज्ञ चिकित्सक और वैज्ञानिक एकत्र हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पल्मोनरी चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा। ऐसे सम्मेलन न केवल चिकित्सकों और वैज्ञानिकों को नवीनतम शोध और तकनीकों से अवगत कराते हैं, बल्कि उन्हें उन उपचारों और तरीकों पर भी चर्चा करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यहां जो ज्ञान और अनुभव साझा किए जाएंगे, वे पल्मोनरी चिकित्सा के इलाज में नए आयाम गढ़ेंगे। मुझे विश्वास है कि बिपकॉन - 2024 सम्मेलन न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने चलाया बुद्ध स्मृति पार्क और कुम्हरार संग्रहालय पटना 4.0 स्वच्छता कार्यक्रम

प्रात :किरण संवाददाता

पटना । भारत पर्यटन पटना कार्यालय, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने बुद्ध स्मृति पार्क और कुम्हरार संग्रहालय पटना में शनिवार को एक विशेष अभियान 4.0 स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह आयोजन युवा टूरिज्म क्लब और टूरिज्म स्टेकहोल्डर्स ऑफ बिहार के सहयोग से पटना में आयोजित किया गया । इस पहल का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और इन सुंदर पर्यटन स्थलों का आकर्षण बढ़ाना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सफाई, पर्यटक स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियाँ कीं और प्राकृतिक आवासों के संरक्षण, टिकाऊ पर्यटन और सामुदायिक भागीदारी के महत्व के बारे में लोगो में जागरूकता पैदा की।

इसके अलावा इस कार्यक्रम के दौरान, देखो अपना देश अभियान के प्रचार के तहत, छात्रों ने कुम्हरार संग्रहालय का दौरा किया और प्राचीन मूर्तियों को देखा जिससे वे प्राचीन भारत की समृद्ध कला और संस्कृति से अवगत हुए। इस तरह यह कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

सद्गुरु कबीर ने पढ़ाया सत्य, अहिंसा और एकता का पाठ- महंत ब्रजेश मुनि

प्रात :किरण संवाददाता

फतुहा। मीठापुर स्थित कबीर पंथी आश्रम कबीर साई मंदिर में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महंत ब्रजेश मुनि महाराज ने सद्गुरु कबीर साहेब का उपदेश बताते हुए कहा कि... जीव मत मारो बापुरा, सबका एकै प्राण. हत्या कबहूं न छूटि हैं, जो कोटिन सुनो पुराण। सद्गुरु कबीर ने संपूर्ण समाज को सत्य, अहिंसा, एकता, आध्यात्मिकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा यदि तू उद्धार चाहता है तो जीवों पर दया कर आतम पूजा को आत्मा में धारण करने का मार्ग बताया। सद्गुरु भक्ति के समान कोई दूसरी भक्ति नहीं है। परमात्मा को बनाये हुए चीजों को बिगाड़ने से कठोर दंड मिलता है। सभी शास्त्रों में जीव हत्या पाप कहा गया है। सद्गुरु कबीर साहेब की वाणी जीव हिंसा नहीं करने का संकल्प दिलाता है। इस अवसर राघोपुर के पूर्व विधायक सतीश कुमार, समाजसेवी डॉ. धर्मेंद्र कुमार, पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मुकुल जी, सेवानिवृत पुलिस अधिकारी विजय सिन्हा, समाजसेवी वीर कविंद्र, अमरेन्द्र कुमार, रामभजन जी, प्रभातजी, रामनुजजी, राजेश जी, रविन्द्र जी, संत विवेक मुनि उपस्थित थे। इसी कड़ी में भक्ति मती, प्रधान रुबी देवी, दुलारी देवी, उषा देवी, चनेश्वर, कमलेश , आदि ने कबीर साई के भजन गाकर वातावरण को भक्ति मय बनाए।

पालीगंज में मुखियापति को गोली मारने वाला शूटर नोएडा से हुआ गिरफ्तार

प्रात :किरण संवाददाता

पालीगंज के सिगोड़ी बाजार मे कुछ दूरी पर मुखियापति को गोली मारने वाला शूटर को एसटीएफ तथा सिगोड़ी थाने की पुलिस दिल्ली के नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। जिसकी जानकारी शनिवार को पालीगंज डीएसपी प्रीतम कुमार ने प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से मुखातिब होते हुए पालीगंज डीएसपी प्रीतम कुमार ने बताया कि बीते 27 अगस्त पालीगंज प्रखण्ड के सिगोड़ी थाना अंतर्गत सिगोड़ी बाजार में घर से कुछ दूरी पर स्थानीय मुखिया सुबैदा खातून के पति मो. शहजाद आलम को गर्दन में गोली मारकर जख्मी कर दिया गया था। जिसकी प्राथमिकी मुखिया सुबैदा खातून ने अज्ञात के खिलाफ सिगोड़ी थाने में दर्ज कराई थी। जिसपर कार्यवाई करते हुए सिगोड़ी पुलिस ने मानवीय तथा तकनीकी अनुसंधान कर पूर्व में ही 30 अगस्त को एक अपराधी अफरोज आलम को गिरफ्तार कर जेल भेजी थी। उसी के बयान के आधार पर नौबतपुर निवासी कमसुद्दीन अंसारी के 22 वर्षीय पुत्र फैजल उर्फ किट्टू उर्फ फैजल नियाजी को अभियुक्त बनाया गया था। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही थी। वही किट्टू उर्फ नियाजी पर 25 हजार रुपये इनाम की भी घोषणा कराई गई थी। इस दौरान पता चला कि अभियुक्त फैजल उर्फ किट्टू दिल्ली के नोएडा में रह रहा है। जिसके बाद यूपी पुलिस तथा एसटीएफ की मदद से किट्टू उर्फ नियाजी को दिल्ली स्थित नोएडा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान किट्टू उर्फ नियाजी ने बताया कि सिगोड़ी निवासी किट्टू के मामा सवाब अनवर उर्फ सोनू के कहने पर मुखियापति सहजाद आलम किट्टू को दो बार जेल भेजवाया था और किट्टू के बहन को आंगन बाड़ी में नौकरी नही होने दिया था। जिससे नाराज किट्टू ने नौबतपुर थाना के परसा गांव निवासी अखिलेश कुमार के पुत्र अमन राज से हथियार लेकर सिगोड़ी आया था। जहां रेकी कर मुखियापति मो. शहजाद आलम को गोली मारा था। वही घटना को अंजाम देने के बाद किट्टू उर्फ फैजल नियाजी ने अमन के आदमी के साथ पटना भाग निकला था। जहां से यह दिल्ली चला गया था। किट्टू उर्फ फैजल नियाजी उज्वल सिंह गिरोह का शूटर है जिसके खिलाफ नौबतपुर थाने में चार तथा बिहटा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज है। वही अन्य अपराधियो की तलाश जारी है।

पालीगंज एसडीपीओ ने खोए मोबाइलों को बरामद कर स्वामियों को सौंपा

प्रात :किरण संवाददाता

पालीगंज में खोए हुए सात मोबाइलों को बरामद कर अभियान मुस्कान के तहत शनिवार को पालीगंज एसडीपीओ ने वास्तविक स्वामीत्वों की पहचान कर सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार पटना जिले के पालीगंज एसडीपीओ प्रीतम कुमार ने गुम हुए मोबाइलों में से सात मोबाइल को बरामद कर लिया। उसके बाद उन्होंने उन मोबाइल मालिको को अपने कार्यालय बुलाया तथा उनकी पहचान कर वास्तविक मालिको के बीच शनिवार को सौंप दिया है। उन मोबाइल मालिको में पालीगंज थाने के सिकंदरपुर गांव निवासी राजमणि देवी, पालीगंज थाने के लक्खापुर गांव निवासी मनीष रंजन, पालीगंज थाने के निरखपुर टोला गांव निवासी गुड्डू कुमार, पालीगंज थाने के धरहरा गांव निवासी मुन्ना कुमार, सिंगोड़ी थाने के सोहन बिगहा गांव निवासी नवलेश कुमार, विक्रम थाने के अख्तियारपुर गांव निवासी आकाश कुमार तथा नौबतपुर थाने के टरवां गांव निवासी सुधीर कुमार शामिल है। उन मोबाइल मालिको को कहना है कि पालीगंज एसडीपीओ के प्रयास से ही मुझे अपना मोबाइल मिल पाया है।

स्काउट्स एण्ड गाइड्स के बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत शनिवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के पाँच दिवसीय सातवीं जिला रैली का समापन हुआ। ई सी रेलवे सीनियर सेकंडरी स्कूल में आयोजित इस रैली के दौरान स्काउट्स गाइड्स के बच्चों द्वारा एक से बढ़ कर एक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। जिसे देख कर दर्शक झूम उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से कार्यक्रम स्थल गूंज उठा। रैली के दौरान कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री शिव कुमार प्रसाद, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, ई सी रेलवे हाजीपुर एवं विशिष्ट अतिथि श्री जयंत चौधरी, मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर रेल मंडल और श्रीमती शालिनी चौधरी, अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन, दानापुर ने कार्यक्रमों की खूब सराहना की साथ ही इस बेहतर और सफल आयोजन के लिए स्काउट गाइड के जिला आयुक्त सह वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी, दानापुर श्री अशोक कुमार सहित आयोजन समिति की भूरी भूरी प्रशंसा की और बधाई दी। इस पांच दिवसीय जिला रैली में कुल छः ग्रुप ने हिस्सा लिया। जिसमें आर्यभट्ट ओपेन ग्रुप, शिवाजी ओपेन ग्रुप, सरोजिनी नायडू ओपन ग्रुप, मदर टेरेसा ओपेन ग्रुप, इंदिरा गांधी ओपेन ग्रुप एवं ई सी रेलवे सीनियर सेकेंडरी ग्रुप शामिल थे। इस रैली में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें फिजिकल डिस्प्ले, फोक डांस, मार्च पास्ट, कैम्प क्राफ्ट, वॉल पेंटिंग, रंगोली एवं फूड प्लाजा आदि प्रतियोगिताएं शामिल थी। जिसमें आर्यभट्ट ओपेन ग्रुप ओवर ऑल चैंपियन बना जबकि रनरअप सरोजिनी नायडू ओपेन ग्रुप रहा। रैली में कार्यक्रम में दानापुर रेल मंडल के सभी शाखा अधिकारी एवं महिला कल्याण संगठन की सभी सदस्याएं मौजूद थीं। इस जिला रैली में स्काउट्स एंड गाइड्स के करीब ढाई सौ सदस्यों ने हिस्सा लिया। कैम्प फायर कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन जिला आयुक्त स्काउट सह सीनियर कार्मिक अधिकारी अशोक कुमार ने किया।

पिछली बैठक का निर्णय लागू नहीं, फिर मीटिंग बुलाने की हो रही चर्चा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में राजनीति पूरी तरह से हावी है। महासचिव इंद्रजीत सिंह पर लगातार पत्र के द्वारा हमला किया जा रहा है। इसके पीछे बड़ा कारण है कि उन्होंने पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह संरक्षक तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के यहां शपथ पत्र देकर वस्तुस्थिति को रखने का काम किया है। इधर वह पिछले तीन-चार दिनों से पटना साहिब कार्यालय में बैठ कर कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं। अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही का दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ पटना साहिब में कॉरिडोर बनाने व पटना साहिब स्टेशन के विकास और कुछ ट्रेनों के ठहराव को लेकर बातचीत के बाद लौटना हुआ है। इसके बाद अध्यक्ष और महासचिव के बीच मुद्दों को लेकर बातचीत हुई है। इधर कमेटी के पूर्व महासचिव और सदस्य महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन ने अध्यक्ष और महासचिव को एक पत्र शनिवार को जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर 15 सितंबर, 24 को कमेटी की बैठक हुई थी। उसमें बहुमत से लिए गए निर्णय को लागू करने के लिए अब तक पत्र निर्गत नहीं किया गया है। इससे हट कर आप दोनों के द्वारा फिर प्रबंधक कमेटी की अगली बैठक बुलाने के लिए विचार-विमर्श किया जा रहा है। इसके लिए महासचिव के द्वारा अध्यक्ष से लिखित रूप में पत्र लिख कर सलाह मांगने की सूचना भी मिली है। यह कहीं से न्यायसंगत नहीं है। यह इस कारण भी कि उक्त संपन्न बैठक में जो निर्णय लिए गए हैं, उसे लागू करने के लिए पत्र निर्गत करने के बाद ही कमेटी की होने वाली अगली बैठक में उस पर विचार-विमर्श कर संपुष्टि होगी। वहीं श्री ढिल्लन ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि 10 से 12 नवंबर, 2024 को गुरुद्वारा श्री शीतल कुंड, राजगीर में श्री गुरु नानकदेव जी का प्रकाश पर्व मनाए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

भगवती लक्ष्मी व काली की प्रतिमा का दो-तीन दिनों में करें विसर्जन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सुल्तानगंज और खाजेकलां थाना परिसर में शांति समिति एवं भगवती काली, श्री लक्ष्मी पूजा समिति के लोगों के साथ बैठक शनिवार को की गई। इसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष अजय कुमार व प्रभात रंजन सक्सेना ने की। बैठक में पूजा समिति को कहा गया कि पूजा समिति जल्द से जल्द थाना में लाइसेंस के लिए आवेदन जमा करें और लाइसेंस ले लें। लाइसेंस में दिए गए समय और रूट के अनुसार मूर्ति का विर्सजन गंगा घाट पर शांतिपूर्ण तरीके से करेंगे। मूर्ति विर्सजन में अस्त्र-शस्त्र लेकर चलना और आपत्तिजनक व उत्तेजक नारा लगाना मना है। विर्सजन जुलूस में डीजे साउंड बजाना मना है। इसे जाने पर साउंड सिस्टम को जब्त कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैंड बाजा वाले को निर्देश दिया गया कि बैंड के ठेला पर दो साउंड बाक्स ही लगाना होगा। सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के आठ घाट पर छठ पूजा का कार्यक्रम किया जाएगा। इसमें लॉ कालेज से पत्थरी घाट तक बेरेकेडिंग, चेंजिग रूम, गोताखोर, चिकित्सा कैम्प के साथ सभी घाटों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती रहेगी। बैठक में वार्ड पार्षद बैजू लाल दास, गणेश कुमार, मधुरंजन कुमार चुन्नी, रमेश रजक, अनिल यादव, विश्वनाथ पाण्डेय, मो इरशाद, आलोक बालम, मो फैसल आदि उपस्थित रहे। खाजेकलां थाना में थाना बेचने कहा कि थाना क्षेत्र में जितने भी प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी वह रास्ते का अतिक्रमण नहीं करें विधि व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। छठ पूजा आस्था का पर्व है, इसमें हर किसी को सहयोग किया जाना चाहिए। दिवाली पर स्थापित भगवती काली वह श्री लक्ष्मी की प्रतिमाओं का विसर्जन पूजा के दो-तीन दिनों के अंदर कर दिया जाए। बैठक में सभी पूजा समितियां को लाइसेंस के लिए आवेदन करने से लेकर सरकार और जिला प्रशासन के द्वारा जारी गाइडलाइन का अनुपालन करने की बात कही गई। बैठक में मोहम्मद जावेद, सुजीत कुमार कसेरा, संजय कुमार अलबेला, मो पिंकू, फिरोज हसन, विशाल तिवारी, कन्हाई पटेल, शारीफ रंगरेज, अशोक केसरी के साथ साथ कई लोग शामिल थे।

छठ पूजा में जगमग होगा गायघाट

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

गायघाट दिनकर पूजनोत्सव के आयोजन को लेकर गायघाट स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में समिति के अध्यक्ष डॉ अजय प्रकाश की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक की गई। दिनकर पूजनोत्सव के संयोजक डॉ अजय ने बताया कि नहाय खाय से लेकर पारण तक छठ व्रतियों की सुविधा के लिए समिति के सदस्यों द्वारा सहयोग किया जाएगा। गायघाट के निकट मंच बनाया जाएगा, जहां से हर तरह की सूचना के साथ-साथ विधि-व्यवस्था एवं पूजन सामग्री वितरण की भी व्यवस्था की जाएगी। उद्घाटन नहाय-खाय के दिन कार्यक्रम आयोजित कर किया जाएगा। गायघाट में श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ को देखते हुए इस बार सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई है। कार्यकर्ता एवं वॉलिंटियर की टीम छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा में उपस्थित रहेंगे। साथ ही चार दिनों के इस अनुष्ठान में कलाकारों द्वारा भजन की प्रस्तुति भी होगी। रोशनी से गायघाट जगमग होगा एवं छठ पूजा विषय पर छठ मैया की महिमा नामक लिटरेचर भी वितरित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से अमित कुमार, अमित पांडेय, विनय कुमार, राजेंद्र यादव, मुकेश कुमार मंटू, सीताराम महतो, राजेश पांडेय, सचिंद्र पाठक, दिलीप कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

दहेज को ले ब्याहता की हत्या कर शव गायब करने की जतायी आशंका

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मालसलामी थाना क्षेत्र के पूर्वी नंदगोला के रहने वाले स्व विजय कुमार राय की पत्नी सुनीता देवी ने दहेज के लिए बेटी की हत्या कर शव को गायब किए जाने की आशंका जताते हुए थाना में सूचना दी है। करीब 25 साल की सुमन कुमारी की हत्या कर उसके शव को गायब किए जाने की आशंका जताई गई है। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि ससुराल पक्ष के लोग घर में ताला लगाकर फरार हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सुमन कुमारी की मां सुनीता देवी ने थाना को दिए आवेदन में कहा है कि पीरदमरिया के रहने वाले राम इकबाल राय के पुत्र विनय कुमार राय से बेटी की शादी वर्ष 2021 में किया था। उसे वक्त सामर्थ्य के अनुसार करीब एक लाख रुपया, मोटरसाइकिल, जेवर और अन्य सामान दिया गया था। शादी के कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक-ठाक रहा। इसके बाद दामाद विनय राय व ससुराल पक्ष के लोग हाल के दिनों में दहेज के लिए उनकी बेटी को प्रताड़ित कर धमकी भी दे रहे थे। इसकी सूचना बेटी ने दी थी। 24 अक्टूबर की सुबह दामाद ने मोबाइल पर कॉल कर कहा कि आपकी बेटी घर पर नहीं है। इस सूचना के मिलने के बाद परिवार के लोग बेटी को खोजने और देखने के लिए ससुराल पहुंचे। जब यहां आए, तो देखा कि घर में ताला बंद है। सभी फरार हैं। जब दामाद को कॉल किया, तो वह बोला कि सुमन को लेकर आ रहे हैं। इसके बाद उसका भी मोबाइल लगातार स्विच ऑफ बता रहा है। लापता सुमन की मां सुनीता देवी ने आशंका जताई है कि उसकी बेटी की हत्या कर लाश को गायब कर दिया गया है। इसमें दामाद सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। थानाध्यक्ष का कहना है कि पुलिस उसके घर छानबीन के लिए गई थी, मगर ससुराल पक्ष के लोग फरार हैं।

26 अक्टूबर से 8 नवंबर तक प्लेटफार्म व बस स्टैंड पर महाअभियान के तहत बनेगा आसानी से कार्ड

दीपावली एवं छठ महापर्व के अवसर पर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए लगा स्टॉल : मंगल

प्रत्येक जिला के प्रमुख छठ घाटों पर एवं पंचायतों में चलेगा जन - जागरुकता

- अब तक लगभग 1 करोड़ 50 लाख परिवारों एवं 3 करोड़ 57 लाख व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड निर्गत
- सरकार ने निःशुल्क इलाज के लिए किए 1730 करोड रुपए व्यय

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

दीपावली एवं छठ महापर्व के अवसर पर पात्र लाभार्थियों (यात्रियों) हेतु पटना जंक्शन पर अधिष्ठापित आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी - पीएमजेएवाई) एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (एमएम- जेएवाई) जागरूकता स्टॉल का उद्घाटन शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने किया। यह विशेष स्टॉल बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति (स्वास्थ्य विभाग, बिहार) द्वारा लगाया गया है, जो 26 अक्टूबर से 8 नवंबर 2024 तक आम जनता की सेवा में उपलब्ध रहेगा। कार्यक्रम में बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी शशांक शेखर सिन्हा ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस जागरूकता स्टॉल का उद्देश्य छठ महापर्व के दौरान पटना जंक्शन पर आने वाले पात्र लाभार्थियों को एबी - पीएमजेएवाई एवं एमएम-जेएवाई की जानकारी देना है। साथ ही पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने की भी सुविधा उपलब्ध है। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर राज्य में एबी - पीएमजेएवाई एवं एमएम- जेएवाई से संबंधित जन जागरूकता एवं प्रचार प्रसार की गतिविधियां निरंतर चलायी जा रही है। ताकि पात्र लाभार्थियों एवं जन सामान्य तक योजना एवं इसके लाभों की जानकारी पहुंचे एवं जरूरतमंद पात्र लाभार्थी ससमय योजना का लाभ आसानी से उठाएं। राज्य में छठ महापर्व के दौरान अधिकाधिक पात्र लाभार्थी परिवार के साथ त्योहार मनाने बिहार आते हैं। उसी क्रम में पटना के प्रमुख रेलवे स्टेशन, पटना जंक्शन, राजेंद्र नगर टर्मिनल, पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन, दानापुर रेलवे स्टेशन, बैरिया बस स्टैंड पर जागरूकता स्टॉल का अधिष्ठापन कर आयुष्मान कार्ड निर्माण शुरू हो गया।

छठ घाटों एवं पंचायतों में 04 से 08 नवंबर लगाएं जाएंगे स्टॉल :

प्रत्येक जिला के प्रमुख छठ घाटों पर एवं पंचायतों में 04 नवंबर से 08 नवंबर तक आयुष्मान कार्ड निर्माण हेतु प्रतिदिन 5 समर्पित कैंप/स्टॉल लगाएं जाएंगे। प्रतिदिन प्रति कैंप 500 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड निर्माण हेतु जिला को निर्देश दिया गया है। सभी प्रखंडों/पंचायतों में माइकिंग द्वारा जागरुकता किया जा रहा है। पटना के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर योजना से संबंधित विज्ञापन का प्रसारण भी किया जा रहा है। श्री पांडेय ने बताया कि अब तक लगभग 1 करोड़ 50 लाख परिवारों एवं 3 करोड़ 57 लाख व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड निर्गत किया जा चुका है। राज्य में इस योजना अंतर्गत 586 सरकारी एवं 435 गैर सरकारी अस्पताल (कुल 1021 अस्पताल) सूचीबद्ध किए जा चुके हैं। राज्य अंतर्गत एवं देश के अन्य सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों के माध्यम से इस योजना के अन्तर्गत इलाज के लिए अब तक लगभग 13.95 लाख मरीजों के हॉस्पिटल एडमिशन हुए हैं। जिस पर 1730 करोड रुपए खर्च हुए हैं। लाभार्थियों को बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध अस्पतालों के नेटवर्क को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य के 1.79 करोड़ परिवार का आयुष्मान कार्ड बनाना है। देशभर में 29 हजार अस्पताल आयुष्मान योजना से सूचीबद्ध हैं। जहां लोग जाकर आयुष्मान कार्ड से अपना इलाज निःशुल्क कर सकते हैं। साल 2024 में 2.70 करोड़ कार्ड बनाए गए हैं। इस अवसर पर बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के सीईओ शशांक शेखर सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव अमिताभ सिंह, शैलेश चन्द्र दिवाकर, प्रशासी पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, आलोक कुमार सिंह, वित नियंत्रक, आलोक रंजन, निदेशक ऑपरेशन, रितेश कुमार मिश्र, राज्य प्रबंधक - कैपेसिटी बिल्डिंग एवं प्रचार-प्रसार तथा बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के अन्य सभी निदेशक, सभी राज्य स्तरीय प्रबंधक, विधि परामर्शी और सलाहकार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने दनियावां बाइपास आरओबी का किया उद्घाटन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना जिला के दनियावां में राष्ट्रीय उच्च पथ-30ए (फतुहां-हरनौत बाढ़) पथ परियोजना अंतर्गत दनियावां बाइपास आरओबी के शिलापट्ट का अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने दनियावां आरओबी का निरीक्षण किया और कहा कि इस आरओबी के बन जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। रेलवे गुमटी के कारण पहले यहां अक्सर जाम की समस्या हुआ करती थी। अब इसके शुरू हो जाने से वाहनों का परिचालन सुचारू रुप से होगा। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय उच्च पथ-30 ए (फतुहा हरनौत बाढ़ पथ) फतुहा से प्रारंभ होकर दनियावां, जैतीपुर मोड़, हरनौत, सकसोहरा होते हुए बाढ़ तक जाती है। इसकी कुल लम्बाई 71.77 किमी है। वर्तमान में 1.17 किमी दनियावां बाइपास का निर्माण रेलवे द्वारा प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए नए आरओबी को समाहित करते हुए पूर्ण कर लिया गया है। दनियावां बाइपास के निर्माण का मुख्य उद्देश्य दनियावां बाजार में स्थित रेलवे फाटक के कारण लगने वाले ट्रैफिक जाम से निराकरण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना है। इस पथ पर आवागमन प्रारंभ होने से पटना जिला तथा नालंदा जिला के बीच बेहतर संपर्कता हो जाएगी। यह पथ 36.474 किमी पटना जिला तथा 35.30 किमी नालंदा जिला में स्थित है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव बी कार्तिकेय धनजी, आयुक्त पटना प्रमंडल मयंक बरवड़े, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक, जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्र और राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रही काम : दिलीप

राजद एवं कांग्रेस के कई कार्यकर्त्ता भाजपा में हुए शामिल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार भूमि सुधार और राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल शनिवार को विधानसभा उपचुनाव के प्रचार अभियान के क्रम में रामगढ़ प्रखंड के बड़ौरा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने देवाधिदेव महादेव के मन्दिर पहुंचकर दर्शन किया और समस्त बिहार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। चुनाव प्रचार के दौरान वे रामगढ़ प्रखंड के बड़ौरा गाँव मे वरिष्ठ नेता परशुराम तिवारी के पैतृक निवास पर स्थानीय लोगों से स्नेहिल मुलाकात की। इस दौरान जनता-जनार्दन ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनका पूरा समर्थन भाजपा के साथ है। इस दौरे के क्रम में भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने राजद एवं कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस क्रम में परशुराम तिवारी ने भी सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी में आये लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है। देश सहित बिहार में बड़े-बड़े हाईवे बन रहे हैं, एयरपोर्ट बन रहे हैं, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, स्कूल कॉलेज बन रहे हैं। तो इसके साथ ही उद्योग और रोजगार को लेकर भी अनेक कार्य आगे बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार के इस काम में साथ देने के लिए स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायत और नागरिकों को भी अपनी भूमिका पर विचार करना होगा। उन्होंने लोगों से रामगढ़ उपचुनाव में एनडीए के प्रत्याशी को विजयी बनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि देश के साथ बिहार को विकसित बनाने के लिए एनडीए की सरकार जरूरी हैं। उन्होंने भाजपा की सदस्यता लेने वालों का पार्टी में स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि आपके आने से भाजपा का झंडा और बुलंद होगा।

बदलो बिहार न्याय यात्रा एक बड़े जनांदोलन में हुई तब्दील: दीपंकर

बिहार के बच्चे मांगते स्कूल, भाजपा बांटती है त्रिशुल

पटना। विगत 16 अक्टूबर को नवादा से शुरू हुई बदलो बिहार न्याय यात्रा शनिवार को पटना पहुंच गई। 11 दिन पैदल चलकर पटना पहुंचने के पश्चात माले महासचिव का दीपंकर भट्टाचार्य ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बदलो बिहार न्याय यात्रा एक बड़े जनांदोलन में तब्दील हो रही है। नवादा के कृष्णानगर, जहां दलितों की झोपड़ियां जलाई गई थी, वहां से यात्रा की शुरूआत हुई थी। हिसुआ, वजीरगंज, मानपुर, गया, टिकारी, कुर्था, किंजर, जहानाबाद, मसौढ़ी, नौबतपुर, फुलवारी होते हुए यह यात्रा 250 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करके आज पटना पहुंची है। संवाददाता सम्मेलन में उनके अलावा पदयात्री सह काराकाट सांसद राजाराम सिंह, मिथिला जोन में यात्रा का नेतृत्व कर रहे धीरेन्द्र झा, मगध जोन के प्रभारी अमर, एमएलसी शशि यादव, अरवल विधायक महानंद सिंह, विधायक दल के उपनेता सत्यदेव राम, पालीगंज विधायक संदीप सौरभ, गोपाल रविदास, रामबलि सिंह यादव, जेएनयूएसयू के अध्यक्ष धनंजय आदि उपस्थित थे। मगध जोन की यात्रा के अलावा मिथिला में बेनीपट्टी से विभूतिपुर, चंपारण के भितहरवा से मुजफ्फरपुर, सारण में कटैया से छपरा, सांसद राजाराम सिंह के नेतृत्व में सासाराम से विक्रमगंज, बक्सर में मलई बराज तक आदि यात्राएं भी निकलीं। मगध जोन की सहायक यात्रा के रूप में पालीगंज विधायक संदीप सौरभ के नेतृत्व में बिहारशरीफ से जहानाबाद और फिर पालीगंज से दुल्हिनबाजार तथा अरवल विधायक महानंद सिंह के नेतृत्व में बाथे से कुर्था तक यात्राएं निकाली गईं। इस प्रकार कुल 25 यात्राएं निकली। मुजफ्फरपुर, बांका, पूर्णिया, वैशाली, जमुई, मधेपुरा, सहरसा, भागलपुर आदि जिलों में जिला स्तर पर यात्राओं का आयोजन हुआ। का दीपंकर ने आगे कहा कि यात्रा के दौरान हमें समाज के हर हिस्से और हर पीढ़ी का व्यापक समर्थन व सहयोग मिला। स्कूली छात्राओं से लेकर 70 वर्ष के बुजर्ग यात्रा के हिस्सेदार बने। नीतीश सरकार के सारे वादे झूठे साबित हुए हैं। बिहार में बदलाव जनता की आकांक्षा है। यह यात्रा एक जनांदोलन में तब्दील होती जा रही है। बिहार में जो पिछले 11 दिन रहे, हम सबके लिए बेहद यादगार हैं। जगह-जगह इंडिया गठबंधन के नेताओं-कार्यकताओं का भी समर्थन मिला। इस यात्रा से एक नई उम्मीद पैदा हुई है। पदयात्रा के दौरान भूमि सर्वे की आड़ में बेदखली की मार झेल रहे गरीब-गुरबों, स्मार्ट मीटर से त्रस्त व्यापक आबादी, 1500 रु। का मानदेय भी सरकार द्वारा छीन लेने के खिलाफ आंदोलित जीविका कार्यकताओं सहित सभी किस्म के स्कीम वर्करों, छात्र-नौजवानों व अल्पसंख्यक समुदाय का हमें समर्थन मिला। हमने स्पष्ट रूप से कहा कि जबतक सभी गरीबों को आवासीय जमीन का पर्चा नहीं मिल जाता भूमि सर्वे पर रोक लगे। यात्रा के दौरान यह और भी स्पष्ट रूप से स्थापित हुआ। महागठबंधन की सरकार में आशा कार्यकताओं के लिए तय 2500 रु। मानदेय का समझौता अभी तक शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी यात्रा के दौरान देखा कि बिहार के बच्चे स्कूल की मांग कर रहे थे, लेकिन भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह त्रिशुल बांटने की बात कह रहे हैं। झारखंड विधानसभा व बिहार में हो रहे उपुचनाव को लेकर भाजपा पूरे राज्य में उन्माद-उत्पात भड़काना चाहती है, लेकिन बिहार की जनता जागरूक है। वह भाजपाइयों की साजिश को नाकामायाब बनाएगी। भाजपा की यात्रा संविधान व हिन्दुस्तान के खिलाफ है।

गिरिराज सिंह का मंसूबा नहीं होगा पूरा : भाकपा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर केंद्रीय मंत्री निकाल रहे यात्रा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। का पाण्डेय ने कहा है कि धर्म की आड़ में राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश बंद हो। त्रिशूल भी एक तरह का हथियार है। गिरिराज सिंह पर्व-त्योहार के समय में जान बूझकर तनाव पैदा कर रहे हैं, लेकिन उनका मंसूबा पूरा नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इशारे पर गिरिराज सिंह ने बिहार में हिन्दू स्वाभिमान यात्रा की शुरूआत की है। यात्रा के पहले चरण में गिरिराज सिंह जहां-जहां गए वहां पर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई। गिरिराज सिंह की पूरी कोशिश दंगा भड़काने की रही है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि अगले साल 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यात्रा निकाली गई है। लेकिन बिहार में भाजपा की साजिश कामयाब नहीं होगी और बिहार विधानसभा उप चुनाव के साथ अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव में भी एनडीए की करारी हार होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह पर कार्रवाई करें और उनकी अगले चरण की यात्रा पर रोक लगाई जाए।

शराबबंदी पर अंनर्गल प्रलाप एक राजनीतिक प्रयोग है : जदयू

कहा- नेता प्रतिपक्ष को एनसीआरबी का डाटा जरूर देख लेना चाहिए

पटना। जदयू प्रवक्ताओं ने एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को कठघरे में खड़ा किया है। शनिवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सह विधानपार्षद नीरज कुमार, प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा एवं हिमराज राम ने प्रेसवार्ता को संबोधित कर राजद पर जमकर हमला बोला। प्रवक्ताओं ने कहा कि बिहार को बदनाम करने के लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव से ठीक पूर्व शराब बनाने वाली कम्पनियों से इलेक्ट्रॉल बॉन्ड के रूप में 46.64 करोड़ रुपये लेने का महापाप किया है। शराबबंदी के विषय में उनका अंनर्गल प्रलाप महज संयोग नहीं बल्कि एक राजनीतिक प्रयोग है। आगे उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से होने वाली मौत पर राजनीतिक टीका-टिप्पणी करने से पहले नेता प्रतिपक्ष को एनसीआरबी का डाटा जरूर देख लेना चाहिए। राबड़ी देवी शासनकाल 1999-2005 में जहरीली शराब से होने वाली मौत की आंकड़ों के अनुसार पूरे देश में बिहार का स्थान छठा था। वहीं, नीतीश सरकार में जब शराबबंदी लागू नहीं थी तो बिहार आठवें स्थान पर था लेकिन शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार तेरहवें स्थान पर आ गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 से 2005 तक राजद के शासनकाल में जहरीली शराब से कुल 456 लोगों की मौत हुई थी। प्रवक्ताओं ने कहा कि पड़ोसी राज्य झारखंड में 542 लोगों की जहरीली शराब से मौत हुई और वहाँ की मौजूदा सरकार में राजद भी शामिल है लेकिन इस विषय पर उनकी जुबान खामोश क्यों है? प्रवक्ताओं ने एनएफएचएस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2004 - 05 में बिहार में शराब दुकानों की संख्या 3 हजार थी जबकि शराब से राजस्व की प्राप्ति 295 करोड़ होती थी। वहीं, 2014 - 15 में शराब दुकानों की संख्या 6 हजार हो गई, परंतु राजस्व की प्राप्ति 4 हजार करोड़ रुपये की हुई। साथ ही उन्होंने राजद की तत्कालीन सरकार पर भी राजस्व की हेराफेरी का आरोप लगाया। प्रवक्ताओं ने कहा कि नीतीश सरकार में नीतीश कुमार के शासनकाल के दौरान शराब के दुकानों की संख्या 3 हजार से बढ़कर 6 हजार जरूर हुई है परन्तु यह भी सच है कि 2006 से 2015 के बीच बिहार में शरब पीने वाले पुरुषों का अनुपात 34.09 फीसदी से घटकर 28.09 फीसदी हो गया और यह भी सच है कि 1997 से 2005 के बीच राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान बिहार में शराब का सेवन करने वाले पुरुषों का अनुपात 22.04 फीसदी से बढ़कर 34.09 फीसदी हो गई थी।

लॉ एंड ऑर्डर में बिहार हाशिए पर : तेजस्वी

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शनिवार को राज्य सरकार पर हमला तेजस्वी ने कहा कि, 20 साल से से बिहार में सबसे ज्यादा शराब में शराब की दुकान खोली गई है। जहरीली शराब से मारे जा रहे हैं। हो या मुजफ्फरपुर हो हर जगह लेकिन सीएम नीतीश या उनके पार्टी की गई है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, है, लेकिन सरकार जो है कार्रवाई नहीं कि माफियाओं और कारोबारियों को संरक्षण बिहार संभल नहीं रहा है। तो पूरी तरीके से लॉ एंड ऑर्डर देखें तो बिहार पूरी तरीके से हाशिए पर है। राज्य सरकार पर हमलावर हैं। इसी कड़ी में बोला है। मीडिया से बातचीत के दौरान लगातार ये लोग राज कर रहे हैं। तब की दुकान खुली है। पंचायत पंचायत अब शराबबंदी हुई है तो लगातार लोग छपरा हो, महाराजगंज हो, गोपालगंज जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं। के द्वारा एक बार भी संवेदना नहीं वक्त मरने वाले बिहार के लोग है, गरीब लोग कर रही है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया दे रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनसे अब

तेजस्वी ने जदयू प्रवक्ता को भेजा लीगल नोटिस

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने सैलरी घोटाला का आरोप लगाए जाने को लेकर जदयू के विधान पार्षद नीरज कुमार को लीगल नोटिस भेजा है। शनिवार को उन्होंने अपने कानूनी सलाहकार के माध्यम से यह नोटिस भेजा। आठ पेज के इस लीगल नोटिस में नेता प्रतिपक्ष ने नीरज कुमार के आरोपों को पूरी तरह से झूठा और बेबुनियाद बताया गया है। उन्होंने मानहानि किए जाने पर 12 करोड़ 10 लाख रुपये क्षतिपूर्ति के तौर पर 10 दिनों के अंदर मांगा है, अन्यथा नीरज कुमार के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दाखिल कर कानूनी प्रक्रिय शुरू की जाएगी। लीगल नोटिस में न केवल तेजस्वी प्रसाद यादव बल्कि उनके पिता लालू प्रसाद के खिलाफ भी गलतबयानी करने का आरोप लगाया गया है। उक्त जानकारी राजद प्रवक्ता अरूण यादव ने शनिवार को दी है। दरअसल, कुछ दिन पहले जदयू एमएलसी और प्रवक्ता नीरज कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाए थे, कि तेजस्वी यादव के पिता लालू यादव ने चारा घोटाला किया और वो सैलरी घोटाला कर रहे हैं। आमदनी अठन्नी है, और खर्चा रुपया है। तेजस्वी यादव के 2015 विधानसभा चुनाव के शपथ पत्र का हवाला देते हुए नीरज कुमार ने कहा था कि उनकी सालाना कमाई 5 लाख 8 हजार 19 रुपए है। हलफनामे में अलग- अलग लोगों को 1 करोड़ से ज्यादा ऋण देने की भी बात थी।

वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी वार्षिक आय घटकर 1 लाख 41 हजार हो गई। जिसका मतलब ये कि तेजस्वी 11 हजार 812 रुपया 50 पैसा प्रति महीने कमाते हैं। जबकि एक विधायक का हर माह बेसिक वेतन ही 40 हजार होता है। नीरज कुमार ने कहा कि ऐसे में सवाल ये कि 11 हजार रुपया प्रति माह कमाने वाला व्यक्ति चार्टर प्लेन में अपनी जन्मदिन की पॉर्टी कैसे मना सकता है? साथ ही वह हमेशा विदेश भी कैसे घूम लेता है? यह फामूर्ला बिहार के लोगों को भी तेजस्वी यादव को बताना चाहिए। जदयू एमएलसी ने आरोप लगाया था कि जब तेजस्वी विधायक बनकर नेता प्रतिपक्ष रहते हैं, तो आमदनी कम हो जाती है। और जब वो सिर्फ विधायक रहते हैं, तो कमाई बढ़ जाती है। दस्तावेज दिखाते हुए तेजस्वी से जवाब भी मांगा था, और चुनौती दी थी कि अगर मेरे यह आंकड़े गलत हैं, तो तेजस्वी मुझ पर केस कर दें। फिलहाल राजद ने जदयू के इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है। और अब तेजस्वी ने नीरज कुमार को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है।

समय के बदलते माहौल में कराटे प्रशिक्षण जरूरी: रणबीर

पटना। पूर्व विधान परिषद वरिष्ठ भाजपा नेता प्रोफेसर रणबीर नंदन ने कहा कि बदलते कालखंड में बच्चों के लिए कराटे प्रशिक्षण जरूरी है इसके माध्यम से बच्चे कानून विरोधी लोगों से लोहा ले सकते हैं। उन्होंने कहा इन बच्चों को देखकर उनका अपना बचपन याद आता है वे भी अपने स्टूडेंट लाइफ में फुटबॉलर और वॉलीबॉलर रहे हैं। डॉ नंदन शनिवार को दीघा घाट में 22वीं ऑल बिहार स्टेट इंटर स्कूल कराटे चैम्पियनशिप 2024 में दीघा घाट स्थित अदितिज पब्लिक हाई स्कूल के बच्चों ने 22 मेडल जीतकर बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित कर रहे थे। इस चम्पियनशिप प्रतियोगिता में इस स्कूल का स्थान रनर अप रहा। डॉ रणबीर ने इन सफल बच्चों को अपनी ओर से 11000 रुपये की सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा की उनकी कामना होगी कि यह बच्चे इसी तरह से सफल होकर आगे देश के लिए भी कराटे का मैच खेलें। उन्होंने कहा कि बच्चों को भारत के साथ-साथ पढ़ाई पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि आपके आगे का जीवन सुखमय हो और यह बच्चे अपने परिवार का नाम रोशन कर सकें। डॉ नंदन ने कहा की किसी भी बच्चों की सफलता में उसके अभिभावक, शिक्षक, सहकर्मी का विशेष योगदान होता है और इन बच्चों के शिक्षक, अभिभावक एवं सहकर्मी को भी इन बच्चों की सफलता पर खुशी हुई होगी। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल सुषमा सिंह ने बताया कि यह चैम्पियनशिप प्रतियोगिता अनिशाबाद के डी वाई पाटिल स्कूल में आयोजित हुई थी। स्कूल के बच्चों ने तीन स्वर्ण पदक, 11 रजत पदक व 8 कास्य पदक हासिल किये।

बांकेबाजार की महिलाओं द्वारा मशरूम उत्पादन में नया तरीका : संजय

महिलाएं नित्य नये तरीके से मशरूम का कर रही उत्पादन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

गया जिलान्तर्गत बांकेबाजार की महिलाएं नित्य नये तरीके से मशरूम का उत्पादन कर रही हैं। इसके तहत अब ऑएस्टर मशरूम के लिए बार बार पॉलीथीन का उपयोग न कर एक बार में एक प्लास्टिक बाल्टी क्रय कर उसमें ही अच्छा उत्पादन प्राप्त कर रही हैं।

मशरूम उत्पादन की विधि :

प्लास्टिक बाल्टी में पांच किलो गर्म पानी से उपचारित भूसा रखकर उसमें मशरूम बीज छिड़क देते हैं। एक बार में एक बाल्टी से पांच से सात किलो मशरूम उत्पादित हो जाता है। इसे तोड़कर पुनः बाल्टी में भूसा रेफिलिंग करते हैं। महिलाएं इससे अच्छी आय प्राप्त कर रही हैं तथा प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग से बच रही हैं।

मशरूम उत्पादन के लाभ :

गर्म पानी से भूसा उपचारित होने के कारण इससे उत्पादित मशरूम जैविक होते हैं। कुछ बड़े मशरूम उद्यमी इन बाल्टियों को अपने प्लांट में भी त्मपिससपदह की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। इनमें माईसेलियम आये रहने के कारण मात्र सात दिनों में ही इससे मशरूम तैयार हो जाता है।

मशरूम उत्पादन में देश में पहले स्थान पर :

कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि बिहार मशरूम उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। मशरूम उत्पादन में महिलाओं का योगदान सराहनीय है। मशरूम उत्पादन न केवल किसान परिवार के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत है, बल्कि यह फसल अवशेष प्रबंधन में भी सहायक है।

मशरूम उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं :

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग उद्यान निदेशालय के माध्यम से वाणिज्यक मशरूम उत्पादन इकाई के स्थापना के लिए 50 प्रतिशत अथवा 10 लाख रुपए प्रति इकाई, मशरूम स्पॉन निर्माण के लिए 7.50 लाख रुपए प्रति इकाई तथा मशरूम कम्पोस्ट इकाई के स्थापना के लिए 10 लाख रुपए अनुदान की व्यवस्था की गई है। साथ ही, झोपड़ी में मशरूम उत्पादन के लिए 89.75 हजार रुपए की व्यवस्था की गई है। साथ ही, मशरूम किट के लिए 54 रुपए प्रति इकाई (90 प्रतिशत) का प्रावधान किया गया है।

कविता-कहानियों से समाज को शक्ति और प्रेरणा मिलती है : पूर्व राज्यपाल

साहित्य सम्मेलन में कवि कमल किशोर वर्मा कमल की तीन पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कविता-कहानियाँ पाठकों का केवल मनोरंजन ही नहीं करती, समाज को शक्ति और प्रेरणा भी देती है। समाज के निर्माण में साहित्य की सबसे प्रमुख भूमिका है। इसीलिए समाज का सबसे प्रतिष्ठित व्यक्ति कवि-साहित्यकार ही है, जो समाज को दिशा देता है। यह बातें शनिवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित पुस्तक-लोकार्पण समारोह का उद्घाटन करते हुए, त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कही। उन्होंने सुचर्चित कवि कमल किशोर वर्मा कमल की तीन पुस्तकों, यात्रा-साहित्य का सफरनामा, सदन से दूरदर्शन तक तथा राह अभी बाकी है का लोकार्पण भी किया तथा लेखक को शुभकामनाएँ दी। उत्तरप्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री रहे हिन्दी की प्रतिष्ठित संस्था हिन्दी साहित्य भारती के अध्यक्ष डा रवींद्र शुक्ल ने मुख्य-अतिथि के रूप में अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य समाज का दर्पण नहीं होता, जैसा कि लोग अक्सर कहा करते हैं। दर्पण तो व्यक्ति की विपरीत छवि दिखाती है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि लोकार्पित पुस्तकों के लेखक श्री कमल ने, जो एक प्रतिभा-संपन्न कवि भी हैं, इन पुस्तकों में अपनी जीवनानुभूति को बहुत ही प्रांजल रूप से अभिव्यक्ति दी है। पुस्तक राह अभी बाकी है कमल जी की कविताओं का संग्रह है और अन्य दोनों पुस्तकें यात्रा-वृतांत हैं। गद्य और पद्य में समान रूप से इनका सामर्थ्य बढ़ा है और संप्रेषण-क्षमता भी बढ़ी है। कहा जा सकता है कि तीनों पुस्तकें हिन्दी साहित्य को समृद्ध करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाली सिद्ध होंगी। कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए पुस्तकों के लेखक श्री कमल ने कहा कि तीनों पुस्तकों की अधिकांश रचनाएँ कोरोना-काल में सिद्ध हुई। यात्रा साहित्य का सफरनामा, भारत में यात्रा-साहित्य के उद्भव को सार्वजनीन कारने की प्रेरणा से लिखी गयी है। उन्होंने अपने काव्य-संग्रह से प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ भी किया। कार्यक्रम का आरंभ कवि की विदुषी पत्नी डा संगीता वर्मा द्वारा सरस्वती की वंदना से हुआ। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, जयंत किशोर वर्मा और डा पुष्पा जमुआर, बाँके बिहारी साव तथा राजेश रौशन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र ने वाणी-वंदना से किया। वरिष्ठ कवि मधुरेश नारायण, आचार्य विजय गुंजन, डा एम के मधु, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, सिद्धेश्वर, डा पुष्पा जमुआर, जयप्रकाश पुजारी, ई अशोक कुमार, अनुपमा सिंह आदि कवियों और कवयित्रियों ने अपनी सुमधुर रचनाओं के पाठ के साथ लेखक को शुभकामनाएँ दीं। मंच का संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन सम्मेलन के अर्थ मंत्री प्रो सुशील कुमार झा ने किया। दूरदर्शन के पूर्व कार्यक्रम प्रमुख और साहित्यकार डा ओम् प्रकाश जमुआर, कमल नयन श्रीवास्तव, डा मनोज गोवर्धनपुरी, निर्मला सिंह, मीरा प्रकाश, संदीप कुमार, सत्य प्रकाश दलाल, अंजनी कुमार सिन्हा, प्रवीर पंकज, मदन मोहन ठाकुर आदि बड़ी संख्या में साहित्य-सेवी, हिन्दी-प्रेमी और प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मानदेय भुगतान नहीं होने पर नल जल अनुरक्षक ने बीडीयो से की शिकायत

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के महम्मदपुर सकड़ा वार्ड 11 के नल जल अनुरक्षक अमरजीत कुमार ने वेतन भुगतान नहीं होने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर शिकायत की है। बताया है कि मेरे पिता निजी जमीन देकर नल जल का बोरिंग गरवाया और मुझे अनुरक्षक पद पर चयनित किया गया। तब से अब तक में अनुरक्षक के पद पर काम कर रहा हूं। विभाग द्वारा कई बार अनुरक्षक का वेतन दिया गया। लेकिन मुझे आज तक वेतन नहीं मिला है। इसकी शिकायत स्थानीय मुखिया और पंचायत सचिव को भी किया लेकिन हमें पेमेंट नहीं दिया गया।

पुत्र की डूबने से हुई मौत का पिता ने दर्ज कराया प्राथमिकी

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के मंदा निवासी अशर्फी साह के पुत्र जितेश साह ने अपने 14 वर्षीय पुत्र रामदेव साह की डूबने से हुई मौत की प्राथमिकी दर्ज कराया है। बताया कि मेरा पुत्र 22 अक्टूबर को उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंदा पढ़ने गया। मध्याह्न के समय शौच के लिए विद्यालय से 200 मीटर की दूरी पर स्थित पोखरा पर गया। पोखरा में वर्षा का जल अधिक होने के कारण शौच क्रिया के क्रम में डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर ग्रामीणों के सहयोग से उसके मृत शरीर को पोखर से बाहर निकाला गया। जिसके लिए मैं किसी को दोषी नहीं मानता हूं।

टोटो की बैटरी व चार्जर चोरी की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर दक्षिण वार्ड एक निवासी श्याम कुमार रजक टोटो की बैटरी एवं चार्जर चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराया है। बताया कि मैं एक टोटो लोन पर लेकर चलाता हूं। अन्य दिनों के भांति 15 अक्टूबर की रात्रि अपने दरवाजे पर टोटो चार्ज करने के लिए लगाया और घर जाकर सो गया। रात्रि के करीब 2:00 16 अक्टूबर को उठकर चार्जर को हटाने के लिए गाड़ी के पास गया तो देखा किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मेरे टोटो का बैटरी एवं चार्जर चोरी कर लिया।

मोटर साइकिल चोरी की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर वार्ड 6 मिल्की निवासी हरे राम झा के पुत्र समेश कुमार झा ने हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराया है। बताया कि 19 अक्टूबर को रात्रि अपने दरवाजे पर मोटरसाइकिल लगाकर खाना खाकर कमरे में सोने चला गया। 20 अक्टूबर की सुबह देखा तो अज्ञात चोरों द्वारा दरवाजे से बाइक चोरी कर ली गई। यह बाइक मेरे जीजा बेगूसराय जिला के मंसूरचक थाना गोविंदपुर निवासी हरिशंकर झा के नाम से है।

अज्ञात शव बरामद

कल्याणपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के अजना पंचायत स्थित फुलहारा आम के बगीचे में एक अज्ञात 55 वर्षीय शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची। शब को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। पीटीसी संतोष कुमार चौकीदार के साथ पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया गया है।आगे उन्होंने बताया कि ग्रामीण सूत्रों के अनुसार मृतक मानसिक रूप संतुलन खो हुए था। थाना अध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विकास के शव ने बताया अज्ञात के शव मिलने से नियमानुकूल अग्रसर करवाई की जा रही है।

विद्युत ऊर्जा चोरी की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर/समस्तीपुर विद्युत आपूर्ति प्रशाखा विभूतिपुर के कनीय विद्युत अभियंता नीतीश कुमार ने विद्युत ऊर्जा चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराया है। बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर विद्युत कार्यपालक अभियंता एसटीएफ समस्तीपुर, एवं कनीय विद्युत अभियंता एसटीएफ समस्तीपुर की अध्यक्षता में छापामारी दल का गठन किया गया। जांच के क्रम में खोकसाहा वार्ड 15 स्थित तेज नारायण महतो की व्यावसायिक परिसर में पहुंचा। उपभोक्ता द्वार पूर्व से लगे मीटर संबंध में मीटर से पहले सर्विस तार को कटिंग और मीटर टेम्पर्ड कर विद्युत ऊर्जा का उपयोग कर रहे थे। जिससे विभाग को 4838 रुपया की राजस्व क्षति हुई।

शिविर लगाकर बनाया जाएगा दिव्यांगोंजन का कार्ड

बरियारपुर (मुंगेर)। अम्बेडकर भवन के सभागार में आयोजित पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव व बिकास मित्रों के साथ बैठक आहुत कर कहा कि 30 नवम्बर को प्रखंड परिसर मे दिव्यांग को जॉच किया जायेगा। इस अवसर पर आपके द्वारा प्रत्येक घर - घर जाकर यह सन्देश दे कि आपके गांव पास पड़ोस में अगर दिव्यांग जनों को इस शिविर के द्वारा दिव्यांगजन प्रमाणीकरण कार्डो का निर्माण किया जा रहा है। यह कार्ड के नही रहने से आप सरकारी लाभ से बनचीत रहना पड़ सकता है।

छात्राओं का शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक : डॉ पुष्पा झा

किशोरियों के स्वास्थ्य व स्वच्छता पर एक दिवसीय परिचर्चा आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा । महिला क्लब दरभंगा द्वारा सरामोहनपुर में किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर एक परिचर्चा का आयोजन किया और जिसमें चिकित्सकों ने छात्राओं को युवावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन के साथ-साथ स्वच्छता एवं पढ़ाई के प्रति एकाग्रचित होने के विभिन्न मंत्र बताएं।

महिला क्लब की अध्यक्षा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पा झा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किशोरावस्था एक महत्वपूर्ण चरण है जहां आपके शरीर और दिमाग में भी कई परिवर्तन होते हैं ऐसी स्थिति में अपने शरीर को स्वस्थ और स्वच्छ रखने के लिए आपको नियमित व्यायाम के साथ-साथ संतुलित आहार और पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शारीरिक परिवर्तन से होने वाले जिज्ञासाओं को अपने परिवार के लोगों के साथ शेयर करें और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकों की सलाह भी जरूर लें। वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ. नूतन राय ने कहा कि आज सर्वाइकल कैंसर का कहर बहुत तेजी से बढ़ रहा हैं इससे बचने के लिए किशोरावस्था से ही प्रयास किए जाएं यह जरूरी है। महिला चिकित्सक आभा सिन्हा ने कहा कि छात्राओं के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी जरूरी है, क्योंकि मानसिक स्वास्थ्य हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ अलका द्विवेदी ने तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के लिए समय-समय पर आराम करें ध्यान करें और अपने मन की बातें अपने मित्रों या परिवार के साथ बांटे बल दिया।

महिला क्लब की सचिव राजकुमारी मारीवाला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए छात्राओं से चिकित्सकों के परामर्श और ज्ञान की बातें एवं संदेशों पर अमल करने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए सदा मेहनत करने की अपील की। डीएवी स्कूल की प्राचार्या स्नीगधा स्नेहा ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे अपने जीवन में सीखने की प्रक्रिया को सदा जारी रखें और नए कौशलों को हमेशा आत्मसात करें। परिचर्चा में डॉ लता खेतान, रेखा पाहुजा, निधि झा एवं सपना कुमारी ने भी भाग लिया और छात्राओं के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना और उसका निदान भी बताया।

दो घरों में लाखों की चोरी जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी हरलाखी थाना क्षेत्र के बरही गांव शुक्रवार की देर रात एक ही रात में दो घरो में लाखो की चोरी होने का मामला प्रकाश में सामने आया है।जानकारी देते हुए गृहस्वामी ललित मंडल ने बताया घर मे पेटी को चोरो ने घर से दूर खेत मे सुनसान जगह पर ले गया। पेटी मे रखे दो भर सोना तीस भर चांदी सहित अन्य सामना लेकर फरार हो गया। तकरीब ढाई लाख की चोरी होने का अनुमान बताया गया। गृहस्वामी की बेटी जब उठे तो घर का सभी बल्ब बंद था। और घर से पेटी गायब था। गृह स्वामी का बेटी व उसकी पत्नी का रोते रोते बुरा हाल हो रहा था। जिसके बाद चोरो ने भोगी मंडल के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। उसकी पत्नी कारी देवी ने बताया हमारे पति बाहर में रहकर मजदूरी करता है। चोरो ने घर से पेटी लेकर बाहर गया और पेटी में रखे सोना चांदी दस हजार रुपया लेकर फरार हो गया। जिसके बाद घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना स्थल पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। इस संबंध में हरलाखी थानाध्यक्ष जितेद्र कुमार सहनी ने बताया लिखित शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई कीया जाएगा।

मारपीट की प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के समर्था निवासी सुरेंद्र कुमार ठाकुर की पत्नी बिंदु देवी ने मारपीट की प्राथमिकी दर्ज करायी है। जिसमें समर्था वार्ड 11 के कृष्ण कुमार पासवान, सोनी देवी, अमृता देवी, आरती देवी, संतोषी देवी, दिलखुश देवी,गोलू कुमार, लक्ष्मी कुमारी, पूनम देवी को नामजद की है। बताया है कि 10 अक्टूबर को मेरा भतीजा आलोक कुमार और प्रेम कुमार अपने दरवाजे पर क्रिकेट खेल रहा था उसी क्रम में गेंद रोड के उस पार मुर्गा दुकान पर चला गया। इसके बाद ऊपर युक्त नामित सभी लोहे के रॉड, भाला, लाठी डंडा से लैस होकर मेरे घर आया और गाली गलौज करने लगा।

गाली देने से मना करने पर मुझे एवं मेरे परिवार के लोगों पर जानलेवा हमला कर जख्मी कर दिया तथा मेरे पति के जब से 5000 नगद तथा मेरे गले से मंगलसूत्र एवं चैन खींच लिया। जाते-जाते धमकी देते हुए कहा कि कोई मुकदमा किया तो हरिजन एक्ट के झूठा केस में फंसाकर जेल भिजवा देंगे।

आसपास के लोगों के सहयोग से हमें सीएचसी विभूतिपुर में भर्ती कराया गया जहां स्थिति नाजुक देखते हुए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता धनवीर पासवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया याद

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला मुख्यालय में नगर भवन के निकट स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल न्याय मण्डप में सामाजिक कार्यकर्ता धनवीर पासवान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में विभिन्न दलो के कार्यकर्ताओ और गणमान्य लोगो की सहभागिता रही। स्मृति सभा को संबोधित करते हुए सिंघेश्वरस्थान के विधायक चंद्रवंशी चौपाल ने सामाजिक चेतना और शिक्षा के प्रति जागृत होने के साथ-साथ अपना अधिकार प्राप्ति हेतु प्रोत्साहित किये। स्व. पासवान के पुत्र नवीन पासवान ने कहा कि मेरे पिता जी आजीवन दलितो और वंचितो की आवाज बने रहे।स्व. धनवीर पासवान दलित सेना के जिला अध्यक्ष से प्रदेश के विभिन्न पदो पर रहे। वे लोक जनशक्ति पार्टी के दस वर्षो तक मधुबनी जिला अध्यक्ष रहे। इसके अतिरिक्त वे भारत सरकार के रेल मंत्रालय के हिंदी रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य रहते चितरंजन रेल कारखाना के पर्यवेक्षक रहे। वे फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य रहे। वे आई. सी. ए. आर. चेन्नई रीजन के सदस्य रहे। वे भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के सदस्य रहे। इसके अतिरिक्त भी भारत सरकार के कई विभागो में सदस्य रहते बहुजनो की आवाज हर जगह बुलंद करते रहे।

खेल व प्रदर्शनी के साथ लर्निंग फेस्टिवल का समापन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर शिक्षा विभाग व क्षमतालय फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से विभूतिपुर प्रखंड के चकहबीब पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहबीब में चल रहे लर्निंग फेस्टिवल का समापन शनिवार को विभिन्न खेल एवं प्रदर्शनी के साथ किया गया। कार्यक्रम का विधिवत्त उद्घाटन स्थानीय वरीय पत्रकार श्री मनोरंजन प्रसाद मिश्र ने फीता काट कर किया।इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों के बीच विभिन्न मनोरंजन खेल का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच क्षमतालय फाउंडेशन द्वारा विज्ञान का जादू, कला का रूप, कठपुतली और कहानी, नाटक का करिश्मा, बोर्ड गेम,मीडिया और जीन का आयोजन कर उन्हें शिक्षा की महत्ता के विषय में जानकारी दी गई। वहीं बच्चों द्वारा तकनीकी से जुड़े विभिन्न उपकरणों बनाकर उसकी प्रदर्शनी लगाई गई ।जिसे देख शिक्षक और अभिभावक अचंभित हो उठे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने संबोधित करते हुए बताया कि ऐसे आयोजन होने से बच्चों में खोजी प्रवृत्ति का विकास होता है।बच्चों में विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ती है। कार्यक्रम का संचालन संजय कुमार वासु कर रहे थे। वहीं अलग अलग विद्यालय से आए हुए प्रधानाध्यापक व शिक्षक कपिलदेव प्रसाद सिंह, रत्नेश कुमार, मो. मिनतुल्लाह ,सूरज कुमार,इरफान अहमद, अवधेश कुमार,रोहित कुमार झा,प्रकाश कुमार सिंह, सहित विद्यालय के शिक्षक दीपक कुमार सिंह ,संजीत कुमार पासवान, तृप्ति कुमारी,अलीशा कुमारी, मो. इमितियाज अंसारी, तथा, क्षमतालय फाउंडेशन के फेलो आनंद गौतम,लर्निंग फेस्टिवल के एलएफओ गुंजन कुमार तथा सौरभ कुमार झा,अभिनंदन कुमार,अवधेश कुमार,श्रवण कुमार, शशि कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में बच्चें एवं अभिभावक गण मौजूद थे।

प्रकाश ही जीवन है जो हमें आत्मा को प्रज्वलित कर ईश्वर तक पहुंचाता हैं : ए के कश्यप

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।दीपोत्सव प्रकाश पर्व के साथ प्रेम एवं सद्भावना बिखेरने का पर्व है। प्रकाश ही जीवन है। इसके माध्यम से ही हम अपने आत्मा को प्रज्वलित कर ईश्वर तक पहुंच सकते हैं। उक्त बातें प्राचार्य ए के कश्यप ने कृष्णा विहार वासुदेवपुर में आयोजित कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर स्कूल के संस्थापक राज ऋषि आचार्य सुदर्शन महाराज एवं प्रबंधकीय न्यासी डॉ कुमार अरुणोदय ने अपना शुभकामना संदेश प्रेषित किया। शैलेंद्र नाथ झा ने कहा कि दीपावली असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म, अज्ञान पर ज्ञान एवं अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व है। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से दीप प्रज्वलित कर तथा रंगोली बनाकर सभी को आकर्षित किया। दीपावली के पूर्व दिवस पर बच्चों के द्वारा गान एवं नृत्य के द्वारा कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमें दीपावली, छठ पर्व के साथ सामा चकेवा के दृश्य को साकार किया गया। उत्कृष्ट अभिनय आराध्या कुमारी,अनुष्का कुमारी, अनुभवी कुमारी,अंजली कुमारी,मणिकर्णिका कुमारी, बान्या खान, वंशिका, नाव्या, अर्पिता, आरुणी श्रद्धा, अनुजा, सनाया आदि रहे।कार्यक्रम का संचालन शिवम कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन भी के झा ने किया।

मुखिया महासंघ ने नल-जल योजना की अनियमितता के खिलाफ डीएम को सौपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला मुखिया महासंघ के जिला अध्यक्ष राजीव कुमार चौधरी के नेतृत्व में योजना को चालू रखने में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की विफलता व इसको धरातल पर सुचारू तरीके से चालू करने हेतु जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा। जिसमें उन्होंने कहा कि सभी प्रखंड के पंचायत द्वारा निर्मित नल-जल योजना को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा अधिगृहित किया गया। अधिग्रहण के दिन से आज तक विभाग द्वारा नल-जल योजना का रखरखाव नहीं किया गया है। जिसके कारण अधिकांश 90% नल जल योजना बंद पड़ा है। आगे उन्होंने कहा कि मुझे विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के द्वारा सरकार को गलत सूचना दी जा रही है एवं गलत प्रतिवेदन यह दिया जा रहा है कि अनुरक्षण के भुगतान लंबित रहने के कारण नल-जल बंद है जो पुणतः गलत प्रतिवेदन है। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा अनुरक्षण के मानदेय का भुगतान हेतु पीएचईडी को पूर्व में ही राशि आवंटित किया जा चुका है। पुनः सभी प्रखंड के पंचायत को किस मद से अनुरक्षण का भुगतान करें स्पष्ट मंतव्य की आवश्यकता है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग किया है कि अपने स्तर से जांच कर सरकार को प्रतिवेदित करने एवं पीएचईडी विभाग के कर्मचारी पदाधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। मौके पर सुरेंद्र नारायण यादव अध्यक्ष बहेरी, इफ्तिखार अहमद अध्यक्ष केवटी आदि उपस्थित थे।

एसजीएफआई स्टेट खो- खो चैंपियन बनकर मुंगेर के खिलाड़ियों ने बनाया इतिहास

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। दरभंगा में 22 अक्टूबर से 25 अक्टूबर को आयोजित एसजीएफआई अंडर -14 बालक वर्ग खो- खो चैंपियनशिप -2024 का आयोजन बिहार सरकार के द्वारा की जा रही है , जिसमें कि मुंगेर के प्रतिभाशाली खो-खो खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और पहली बार अपने लीग के सभी जिलों को लगातार हराते हुए एसजीएफआई स्टेट सब जूनियर खो-खो चैंपियन -2024 बनकर खो- खो खेल इतिहास में अपना नाम दर्ज किया । ये मुंगेर जिले के लिए गौरव की बात है , ये जानकारी मुंगेर जिला खो- खो संघ के सेक्रेट्री सह जनकल्याण शिव शक्ति हरिमोहन फाउंडेशन के फाउंडर अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हरिमोहन सिंह ने दी । उन्होंने बताया कि लीग में मुंगेर ने पटना , शेखपुरा , मधुबनी को हराकर क्वार्टर में प्रवेश किया था फि र क्वाटर में भागलपुर को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया , सेमीफाइनल में कैमूर को हराकर फाइनल में प्रवेश फिर पुनः फाइनल में मेजबान दरभंगा जिला को 2 प्वाइंट से हराकर एसजीएफआई विजेता बनकर इतिहास रचा । दरभंगा जिला खेल विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित हुआ । उन्होंने बताया कि इन खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता में सहभागिता सुनिश्चित करवाने हेतु आदर्श मध्य विद्यालय नौवागढी के स्पोर्ट्स टीचर प्रदीप कुमार को जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा प्रभारी नियुक्त किया गया था । नियुक्ति लेटर मिलने के बावजूद भी मुंगेर जिला खेल पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना करते हुए , इन खिलाड़ियों का भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया एवं आदर्श मध्य विद्यालय नौवागढी के स्पोर्ट्स टीचर प्रदीप कुमार टीम के खिलाड़ियों से न संपर्क किए और न ही टीम के साथ गए। इसमें सेलेक्ट खिलाड़ी मुंगेर जिला खो- खो संघ के नेतृत्व में सीनियर अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अमन कुमार के देखरेख में सालों भर से मेहनत कर रहे थे , उन्हें नौवागढी में फ्री ट्रेनिंग दी जा रही थी अफसोस कर मजबूरी में वो सभी खिलाड़ी बिना टीम प्रभारी के दरभंगा में आयोजित खो- खो एसजीएआई चैंपियनशिप में भाग लेने चले गए । वहां पर बिना मुंगेर जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा नियुक्त टीम प्रभारी के कागजी प्रक्रिया को पूरा करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था पर खिलाड़ियों ने हिम्मत नहीं हारी जिला खो- खो संघ की ओर से हर संभव मदद पहुंचाई गई। जिला खेल पदाधिकारी को सभी खिलाड़ियों ने लिखित कंप्लेन किया , पर अबतक उन पर कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई। इस तरह खिलाड़ियों के भविष्य के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा है , एक तरफ सरकार खेल और खिलाड़ी को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है , और दूसरे तरफ मुंगेर में जिला खेल पदाधिकारी के आदेशों का मजाक बनाया जा रहा है।

सशस्त्र सीमा बल 48 वी बटालियन एसएसबी व जीआरपी ने संदेह के आधार पर नाबालिग पकड़ा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर अररिया जिले के जोगबनी से प्रेम प्रसंग में अपहृत व अपहर्ता को जयनगर सशस्त्र सीमा बल 48 वीं बटालियन एसएसबी व जीआरपी ने स्टेशन पर पकड़ा। बरामद लड़की नाबालिग बताया जाता है। एसएसबी को मिली गुप्त सुचना पर उप कमांडेंट संतोष कुमार निमोरिया के नेतृत्व में जीआरपी के सब इंस्पेक्टर देशराज द्वारा स्टेशन पर पकड़ा। अधिकारी के अनुसार 12 अक्टुबर को प्रेमी युगल अररिया जिले क जोगबनी से विराट नगर होते हुए नेपाल में प्रवेश किया। इसके बाद सिरहा के मारड़ रास्ते ऑटोटैक्सी से जयनगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। पुछताछ व परिजन से वार्ता के बाद खुलासा हुआ। इस मामले में आरोपी फैयाज अंसारी के खिलाफ जोगबनी थाने में अपरहण का मामला दर्ज है। अग्रिम कार्यवाही हेतु जीआरपी थाना जयनगर को सौंप दिया

दीपावली व छठ व पुर्णिमा को ले सुरक्षा व सुविधा के रहेगे इंतेजाम

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर भारत सरकार के सहयोग से इंडो नेपाल रेल ट्रेक व सिंगनल मेंटेनेस का कार्य शीघ्र शुरू होगा। शुक्रवार को नेपाल रेलवे के जीएम निरंजन झा संग भारतीय कोकण रेलवे के मुख्य यांत्रिक इंजीनियर दिनेश कृष्णा गजभिमे तथा मुख्य सिंगनल एवं दुरसंचार इंजीनियर आशिष आप्टे ने कुर्था से जयनगर स्टेशन के बीच ट्रैक को का निरीक्षण किया। नेपाल रेलवे के जीएम श्री झा ने बताया कि नेपाल रेल ट्रेक का सिगल टाईम ट्रेक मेटेनेस की योजना 12 करोड़ रुपए भारतीय रुपए की है। जो भारत सरकार द्वारा सहयोग में नेपाल रेल कम्पनी को दिया कॉमर्शियल विभाग के अधिका रियो को पेय एण्ड युज के विकल्प को चालू करने तथा स्टेशन पर. अतिरिक्त डिलक्स शौचालय बनाने का प्रस्ताव पर बल दिया। ताकि यात्रियों को परे शानिया न हो सके। एडीआरएम ने बताया कि अमृत भारत के तहत बन रहे स्टेशन कार्य को तेजी लाया जा रहा है। फिल वक्त पुर्व के टेंडर को कंस्ट्रक्शन विभाग को हस्तांतरित की बोर्ड की योजना है। जिससे कुछ विलंब हो सकता है। उन्होने कहा कि वेटिंग रूम की कमी तथा पेयजल के लिए व्यवस्था किया जा रहा है।

एसएफआई ने बीईओ के समक्ष किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर एसएफआई अंचल कमिटी के द्वारा फर्जी टीचर की जांच व छात्र छात्राओं को साइकिल पोशाक की राशि की मांग को लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के समक्ष धरना प्रदर्शन किया गया।नारा लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने प्रखंड कैंपस से बीईओ ऑफिस पहुंचा। जहां बीईओ के समक्ष एक सभा हुई। अध्यक्षता मोहम्मद सुलेमान ने किया। सभा को जिला अध्यक्ष नीलकमल यादव, जिला सचिव छोटू कुमार भारद्वाज, पूर्व जिला सचिव संजय कुमार, मीडिया प्रभारी विपिन कुमार, प्रिंस कुमार ने संबोधित किया।तीन घंटे बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी ने एस एफ आई प्रतिनिधिमंडल से बात कर मांग पत्र स्वीकार किया तथा छात्र छात्राओं की समस्या के निदान आ आश्वासन दिया। मौके पर सोनू कुमार, मोहित कुमार, सरवन कुमार, दीपक कुमार, अभिषेक कुमार, विमल कुमार, आनंद कुमार आदि छात्र छात्राएं मौजूद थे।

सबसे बड़ी पार्टी का सक्रिय सदस्य बनकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ : अश्वनी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।भाजपा के राष्ट्रव्यापी सक्रिय सदस्यता अभियान के अंतर्गत सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सह अलीनगर विधानसभा प्रभारी अश्वनी यादव ने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण किया, अश्वनी यादव ने कहा कि सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण आज जिला अध्यक्ष जिवछ सहनी के हाथों से विश्व के सबसे बड़ी पार्टी का सदस्यता का नवीनीकरण करके अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।श्री यादव ने कार्यकताओं से अपील किया कि सक्रिय सदस्य के रूप में अभियान का हिस्सा बनें और संगठन को मजबूती प्रदान करें। वहीं जिला अध्यक्ष जिवछ साहनी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ यह महा अभियान मंडल, जिला,प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगा एवं ऊजार्वान कार्यकताओं को ह्यविकसित भारतह्न निर्माण के संकल्प के साथ समाज सेवा करने का पुन्य अवसर प्रदान करेगा।

सीओ ने सब्जी मंडी को सड़क से अतिक्रमण मुक्त करने की दी चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर, समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के समस्तीपुर दरभंगा मुख्य सड़क के बरहेता चौक के समीप अवैध रूप से सड़क किनारे लगने बाली सब्जी मंडी को शनिवार को सीओ शशि रंजन कुमार थानाअध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विकास केशव सहित सभी पुलिस बल के नेतृत्व में सब्जी मंडी को दो दिनों के अंदर सभी बिकेरता को सड़क से हटाने की चेतावनी दिया है। अतिक्रमण मुक्त कराने पहुंचे जहां सब्जी व्यवसाई को दिपावली व छठ पूजा को देखते हुए दो दिनों के अन्दर सब्जी मंडी मुख मार्ग से हटाने के लिए सीओ व थाना अध्यक्ष के द्वारा सड़क से हटकर मंडी लगाने के लिए चेतावनी दी गई अगर नहीं सब्जी मंडी हटने पर स्थानीय प्रशासन के द्वारा पुलिस बल के सहयोग से अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाने की बात कही गई है

श्यामा चिकित्सालय प्रारम्भ करने का मंदिर न्यास समिति ने लिया निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।असहाय गायों को गोद लेगी श्यामा मन्दिर न्यास समिति। श्यामा चिकित्सालय का शुभारंभ जल्द।वार्षिक नवाह समिति के संयोजक प्रो. जयशंकर झा एवं सह संयोजक नवीन सिन्हा को बनाया गया है। उक्त जानकारी माँ श्यामा मन्दिर न्यास समिति के अध्यक्ष बैठक में हुए निर्णयों के उपरांत प्रो एस एम झा ने दिया। श्री झा ने बताया कि दूर से आए श्रद्धालुओं के लिए विश्रामगृह बनाने पर सहमति हुई। साथ ही श्यामा चिकित्सालय के शीघ्र प्रारंभ करने पर बल दिया। उपाध्यक्ष प्रो.जयशंकर झा के सुझाव पर मन्दिर में होने वाले विवाहितों को उपहार स्वरूप साड़ी देने और साप्ताहिक निःशुल्क अन्न क्षेत्र देने पर सब सहमत हुए। उपाध्यक्ष कमलाकांत झा ने परिसर में लाल टाईलस,भूतल विधुतीकरण, सोलर लाईट, विवाह भवन को सुस्सजित करने प्रस्ताव को सर्वसम्मत हुए। प्रभारी सह सचिव मधुबाला सिन्हा ने रसीद कटाने वाले श्रद्धालुओं को माँ की चुनरी, तस्वीर,चाभी रिंग तथा अगरबत्ती व सलाई देने के प्रस्ताव को सबों ने सर्वसम्मत से पास किया। सचिव सह जिलाधिकारी राजीव रौशन ने परिसर में ए.टी.एम,सोलर पैनल लगाने, मन्दिर का एप व वेबसाइट बनाने तथा नवाह बाद दैनिक सत्संग के भव्य शुभारंभ करने की बात कही। मौके पर एडीएम विधि व्यवस्था राकेश रंजन, कोषाध्यक्ष दयाकांत मिश्र, प्रबंधक अमरजीत कारक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों ने राशि को लेकर अंचल अधिकारी को घेराव किया

बरियारपुर(मुंगेर)। बाढ राहत की मॉग को लेकर कल्याणटोला पंचायत के ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी का घेराव किया ।इस संबंध में बताया गया कि 15 दिनो से चली आ रही बाढ पिडितो के राशी आरटीजीएस के द्वारा खाते में जमा नही मिलने से हरिजन कल्याण टोला के ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी कार्यालय पर पहुंच कर प्रर्दशन किया। इस सम्बंध पूछने पर ग्रामीणों ने बताया विगत 15 दिनों से बैंक के चक्कर लगाने के बाद आज अपर सर्माहता सह प्रशिक्षु अंचलाधिकारी के समक्ष पहुंच कर अपनी बातों को रख रहें हैं।

प्रखंड के छःपैक्सों पर चुनाव आर्दश आचार संहिता लागू किया गया है: श्वेता कुमारी

बरियारपुर (मुंगेर)। बरियारपुर प्रखंड के छःपैक्स समितियों का चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग के निदेर्शा अनुसार लागू कर दिया गया है ।जिनमे हरिण मार पैक्स के 2003 मतदाताओं ने तीन मतदान केन्द्रों पर अपना मतदान करेंगे। कल्याण टोला पैक्स के 2060मतदाताओं ने तीन मतदाता केन्द्रों पर अपने प्रत्याशियों के भाग्य बन्द करेंगे। बरियारपुर उत्तरी पंचायत के 1327 मतदाताओं द्वारा दो मतदान केंद्र पर अपना मतदान करेंगे। बरियारपुर दक्षिणी पैक्स के 1295 मतदाताओं ने दो मतदाता केन्द्रों पर मतदान करेंगे।

दीपावली और छठ पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिला पदाधिकारी ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । काली पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को संग्रहालय सभागार में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, महापौर कुमकुम देवी, सदर अनुमंडल पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस तरह से दुर्गा पूजा तथा विसर्जन शोभा यात्रा को जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सभी पूजा समिति सदस्यों एवं आम जन के सहयोग से अत्यंत ही शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया वैसे ही काली पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा को भी भक्तिमय माहौल में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने सभी शांति और पूजा समिति सदस्यों को दुर्गा पूजा एवं विसर्जन शोभा यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आगामी पर्व त्योहारों को लेकर भी आप सभी की जो अपेक्षाएं हैं उस पर जिला एवं पुलिस प्रशासन विचार करते हुए कार्य करेगी। श्रद्धालुओं को पूर्व से बेहतर सुविधा एवं अन्य समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएगी। छठ पूजा को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर सभी गंगा घाटों की सफाई कराई जा रही है। आगामी 7 एवं 8 नवंबर को छठ महा पर्व निर्धारित है, जबकि 31 अक्टूबर को काली पूजा एवं दीपावली पर्व मनाया जाना है। सभी पर्वों को भक्तिपूर्ण माहौल में शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी सजगता और तत्परता के साथ जुट चुकी है। दंडाधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों को उनकी ड्यूटी के लिए अभी से ही टास्क निर्धारित किया जा रहा है। काली प्रतिमा विसर्जन भी निर्धारित दिन में ससमय शांतिपूर्ण संपन्न कराने में सभी पूजा तथा शांति समिति सदस्यों के साथ ही आमजन का सहयोग भी अपेक्षित है। उन्होंने जिला एवं पुलिस प्रशासन के साथ ही सभी पूजा तथा शांति समिति सदस्यों को आपस में सतत संवाद करने की अपील करते हुए कहा कि, इससे किसी भी तरह की समस्याओं का शीघ्रातिशीघ्र समाधान किया जा सकेगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा सभी गंगा घाटों पर सफाई एवं मिट्टी हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 30 अक्टूबर तक सभी घाटों पर जमी मिट्टी के उठाव के साथ ही सफाई व्यवस्था पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है ।छठ पूजा के अवसर पर सभी घाटों पर रोशनी की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावे खतरनाक गंगा घाटों को भी चिन्हित करने तथा बैरिकेडिंग की भी व्यवस्था रहेगी। बड़े नावों, गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम की भी प्रतिनियुक्ति की जाएगी। छठ व्रतियों एवं अन्य श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त अस्थाई चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शरारती तत्वों पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रखी जाएगी। साथ ही काली पूजा एवं दीपावली के दौरान गश्ति दल एवं क्यूआरटी द्वारा भी लगातार गश्ती किया जाएगा। प्रतिमा विसर्जन के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग सहित सभी समिति के साथ पुलिस बलों की भी प्रतिनियुक्ति की जाएगी। सभी पर्वों को शांतिपूर्ण संपन्न कराना जिला एवं पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है।

आरएस कॉलेज तारापुर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता समापन

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (कोर्ट)।आरएस कॉलेज तारापुर में दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का समापन हुआ ।इसकी अध्यक्षता आरएस कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर यूएस दास के नेतृत्व में हुआ मंच संचालन डॉ अश्वनी कुमार ओझा ने किया। इस प्रतियोगिता में फिर से एक बार डीजे कॉलेज ने अपना परचम लहराया रनर में आरएस कॉलेज तारापुर के छात्रों ने अपना परचम लहराया महिला में बीआरएम कॉलेज की छात्रा ने जीत हासिल की इसके अलावा कोशी कॉलेज खगड़िया की छात्रा, डीएस कॉलेज गोगरी सभी ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया आज के मुख्य अतिथि डॉ पुष्पेंद्र कुमार इसके अलावा मुंगेर विश्वविद्यालय के आए हुए विद्वान शिक्षक गण ने शिरकत की डॉ पुष्पेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यार्थी को पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी अपना योगदान देना चाहिए आरएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ ४२ दास ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शतरंज खेलने में भाग लेने की आवश्यकता है शतरंज खेलने से मस्तिष्क का विकास होता है इसके अलावा सभी छात्राओं को मेडल एवं कप और सर्टिफिकेट देकर के सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में उपस्थित थे प्रोफेसर नीरज कुमार, प्रोफेसर सविता कुमारी, प्रोफेसर अर्चना कुमारी, प्रोफेसर पूर्णिमा गुप्ता, संतोष कुमार, इसके अलावा छात्र अभिषेक कुमार राजकुमार इत्यादि मौजूद थे ।

गिद्धौर पुलिस ने 38 कार्टून विदेशी शराब के साथ एक्सयूभी वाहन किया जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर ।गिद्धौर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर झारखंड से आ रहे एक महिंद्रा एसयूभी वाहन से 38 कार्टून विदेशी शराब बरामद किया है ।कार्रवाई के दौरान वाहन पर सवार शराब तस्कर सहित वाहन चालक पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए ।बताया जाता है कि गुरुवार कि बीते रात्रि गिद्धौर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि झाझा की ओर से एक महिंद्रा एक्सयूभी वाहन पर भारी मात्रा में विदेशी शराब कि खेप ले जाई जा रही है ।जिसपर पुलिस द्वारा गिद्धौर थाने के समीप बैरिकेटिंग लगा वाहनों की तलाशी लेनी शुरू कर दी ।इस दौरान मुख्य राज मार्ग बने गिद्धौर थाने से कुछ दूर पहले ही पुलिस को देख एक्सयूभी वाहन चालक यू टर्न ले झाझा कि ओर ही जाने लगा ।गिद्धौर पुलिस उक्त वाहन का पीछा कर गंगरा गांव जाने वाली सड़क पर शराब लदे वाहन को रोका गया ।जब तक पुलिस पदाधिकारी वाहन से उतरते तब तक एक्सयूभी वाहन पर सवार तस्कर और वाहन चालक वाहन गंगरा गांव के बजरंगबली मंदिर के बगल के बगीचे में गाड़ी छोड़कर फरार हो गया खैर जो भी हो इन दोनों गंगरा गांव में शराब की बड़ी जोन मानी जा रही है ।प्रभारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि गंगरा गांव जाने वाली सड़क से विदेशी शराब लदे वाहन को जब्त कर थाने लाया गया है ।उक्त वाहन से 38 कार्टून शराब बरामद कि गई है ।जिसमें कुल 912 बोतल जिसकी मात्रा 342 लीटर है। अंग्रेजी शराब व वाहन को जब्त कर इस दिशा में कार्रवाई कि जा रही ।वाहन मालिक का भी पता लगाया जा रहा है ।कार्रवाई में एसआई उमेश प्रसाद, अनुज कुमार, रंजीत पासवान, आयुषी कुमारी सहित पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर जमुई से डिस्लेक्सिया वॉक का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गिद्धौर के तरफ से डिस्लेक्सिया नामक बीमारी के बारे में एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के मुख्य उद्देश्य डिस्लेक्सिया बीमारी से प्रभावित व्यक्ति को सहयोग करना है। डिस्लेक्सिया एक शिक्षा संबंधी विकार है जो व्यक्ति को पढ़ने, लिखने और गणित में परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह विकार व्यक्ति की बुद्धिमत्ता या प्रतिभा पर कोई प्रभाव नहीं डालता है, लेकिन इसे समझने और समर्थन देने की आवश्यकता होती है ।डिस्लेक्सिया के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विश्व स्तर पर अक्तूबर माह का चुनाव किया गया है। इसमें अन्य कई प्रभावशाली कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। प्रभावित व्यक्तियों के अनुभवों को साझा करना।, समर्थन समूहों का गठन करना।, डिस्लेक्सिया के बारे में जागरूकता बढ़ाना, प्रभावित व्यक्तियों को समर्थन प्रदान करना, शिक्षा प्रणाली में डिस्लेक्सिया के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना। वही डायट जमुई द्वारा इस आयोजन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपना पूर्ण सहयोग किया और इस जागरूकता भ्रमण के दौरान स्थानीय निवासियों के साथ साथ बच्चों एवं निकटतम विद्यालय के शिक्षकों शिक्षिकाओं और सभी कर्मचारी को डिस्लेक्सिया संबंधी जानकारी दी गई इस जागरूकता अभियान के दौरान वरीय व्याख्याता रश्मि कुमारी, व्याख्याता सचिन कुमार भारती, वंदना कुमारी, डॉ सुधीर कुमार, साधनसेवी राजेश कुमार एडमिन दीपेश कुमार के साथ डायट के सभी कर्मी मौजूद रहें।

रामधनी भगत डिग्री कॉलेज प्रांगण में दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार का आगाज

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)प्रखंड क्षेत्र के प्रतिष्ठित रामधनी भगत डिग्री कॉलेज के प्रांगण में प्रथम दिन शुक्रवार को आइजोरा रिसर्च एसोसिएशन एवं रामधनी भगत डिग्री कॉलेज संग्रामपुर के तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरास्ट्रीय सेमिनार आयोजन किया गया ' सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया 'समयानुसार सेमिनार सुबह 10 बजे से शुरू हुआ ' सर्वप्रथम कॉलेज के बच्चियों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत कर सेमिनार में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया गया ' तत्पश्चात अनु प्रिया द्वारा शिव तांडव स्त्रोत पर नृत्य कर सेमिनार में उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । वहीं इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के सचिव श्री मनोज भगत ने अतिथियों का स्वागत किया। विभिन्न विद्वानों द्वारा रिसेंट ट्रेंड्स इन मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च एंड प्रैक्टिस विषय पर ने अपनी राय रखी। इस्लामिक यूनिवर्सिटी बांग्लादेश के डॉ. धनंजय ने अपने विचार रखते हुए कहा मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च वर्तमान समय की जरूरत है इसके माध्यम से सामाजिक जरूरत के विविध आयाम को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। तिलका मांझी भागलपुर अंतर्गत मारवाड़ी महाविद्यालय विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार जायसवाल ने अपने वक्तव्य में कहा आने वाला कल मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च का होगा जो रिसर्च में ज्यादा अच्छा करेंगे उसे देश के खुशहाली उतनी ही बेहतर होगी। यह सदी ज्ञान की सदी है और रिसर्च इसको आधार प्रदान करता है। नई शिक्षा नीति 2020 में मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा दिया गया है, शोधार्थी को मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च को गंभीरता से लेने की जरूरत है। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट की प्राध्यापिका डॉ मणिकांता ने अपने विचार रखते हुए मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च की कमियों और खूबियों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि तथ्य को समग्रता से समझने के लिए शोध का यह तरीका सर्वाधिक उपयुक्त है। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट के प्राध्यापक डॉक्टर पंकज कुमार ने अपने विचार रखते हुए मल्टी डिसीप्लिनरी रिसर्च को विकासशील एवं अविकसित देश के लिए जरूरी बताया उन्होंने कहा कि आप समाज को इस शोध पद्धति से बेहतर समझ सकेंगे। इस मौके पर दर्जनों शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत इस मौके पर सनोज कुमार, विकास कुमार, कुणाल भगत, राकेश बमबम, शिल्पी एवं महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे। आइजोरा रिसर्च एसोसिएशन झारखंड की कोऑर्डिनेटर कल्पना कुमारी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

किसानों को नही मिल पा रहा बीज, जताया आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के सेवा,मौरा,रतनपुर व कोल्हुआ पंचायतों के दर्जनों किसानों ने किसान भवन के समीप जमकर बवाल काटा। व कृषि विभाग में कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मियो के खिलाफ नारेबाजी की।उक्त पंचायतों के किसान सरकार द्वारा रबी फसलों की बुआई को ले मिलने वाले अनुदानित चना,गेंहू,मसूर व सरसों फसल के बीज वितरण में की गई धांधली से नाराज थे। वहीं किसानों के द्वारा सुबह से ही लाइन लगाकर अपने-अपने बारी का इंतजार करते हुए देखा गया ।जिससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।अपने बारी के इंतजार में किसान धक्का मुक्की कर रहे थे। किशोर सिंह, कमलेश झा,प्रभु यादव,ललन झा,सुबोध झा,रमेश शर्मा,उषा देवी, संतोष कुमार,धर्मेंद्र शाह साहित दर्जनों किसानों ने किसान भवन में फैली कू व्यवस्था तथा धांधली के ऊपर सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों को परेशान करने की मंशा से यहां के पदाधिकारी कई प्रकार के समस्याओं को जानबूझकर उत्पन्न कर रहे हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि कई किसानों का ओटीपी नहीं आ रहा है तो कई किसानों ने कहा कि हमारा ओटीपी आ गया है परंतु मुझे बीज नहीं दिया जा रहा है। रामाधार चौधरी,बीएओ,गिद्धौर गेंहू,चना,सरसों,मंसूर का बीज धीरे धीरे आ रहा है। बीज आते ही कृषकों को उपलब्ध करा दिया जाएगा।

यात्रियों का जीवन नाबालिग टोटो ओर टेम्पो चालकों के हाथ में

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : सोनो प्रखण्ड छेत्र के आम चोक चोराहों पर इन दिनों नाबालिग चालकों द्वारा यात्रियों से भरी ई रिक्शा टोटो ओर टेम्पो वाहन को चलाते देखा जा रहा है ।प्रखण्ड के सोनो , खपरिया , बटिया , सरधोडीह , बेलाटांड, ओरैया आदि चोक चोराहों से सटे आसपास के गांवों में जाने के लिए आमजनों का सबसे सुलभ माध्यम टोटो ओर टेम्पो वाहन बन चुकी है। लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि जिस टोटो ओर टेम्पो वाहन पर सवार होकर वे सवारी कर रहे हैं उसका चालक नाबालिग हे, साथ ही उसे परिवहन के नियमों का किसी भी प्रकार का जानकारी नहीं है। ऐसे में यात्रियों का जीवन उस नाबालिग टोटो चालकों के हाथ में हे जो कभी भी दुर्घटना होकर एक बड़ी जानलेवा जेसी घटना को अंजाम दे सकता है । इन सभी टोटो चालकों की लापरवाही से होने वाली घटनाओं की जानकारी पुलिस को भी है, बावजूद इसके पुलिस प्रशासन द्वारा नाबालिग चालकों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है । सोनो प्रखंड के अन्तर्गत एन एच 333 की सडकों के अलावा विभिन्न सभी कट सडको पर रेंगने वाली ई रिक्शा टोटो चालकों का ना तो डाइविंग लाइसेंस है ओर ना ही सडक परिवहन नियमों की जानकारी ।

बाल संस्कार शाला का शुभारंभ आदर्श युवा प्रकोष्ठ के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड अंतर्गत बैजला पंचायत के स्लम बस्ती पचरुखी में शुक्रवार देर शाम आदर्श युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार द्वारा बाल संस्कार शाला का शुभारंभ आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार, मुखिया प्रकाश पंडित, शिक्षक सुरेश कुमार यादव, सदानंद यादव ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर किया वहीं कार्यक्रम का संचालन नीतीश कुमार ने किया। नीतीश कुमार सूर्य व आशीष कुमार को बाल संस्कार शाला संचालन का दायित्व सौंपा गया। इस कार्यक्रम को लेकर बच्चें व ग्रामीण काफी उत्साहित दिखें । आदर्श युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष कुमार ने कहा कि गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ बाल संस्कार शाला के माध्यम से नौनिहालों में शिक्षा व संस्कार देने का कार्य कर रही हैं। यह क्षेत्र आज भी शिक्षा से वंचित हैं, ऐसे क्षेत्र में गायत्री परिवार प्रतिदिन शिक्षा देने का कार्य करेगी यह गौरवान्वित करने वाला पल होगा। जिस तरह हर व्यक्ति छोटी-छोटी वस्तुओं का ख्याल रखते हैं उसी तरह सभी अभिभावक अपने - अपने बच्चों पर ध्यान दे दें तो इस क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। शिक्षा हमें जागरूक बनाती हैं, उसे कोई ठग नहीं सकता। शिक्षा से ही व्यक्ति अपने अधिकारों व कर्तव्यों से वाकिफ होते है साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा यदि अपने बच्चों को आगे बढ़ाना चाहते हैं उन्हें प्रतिदिन पढ़ने के लिए जरूर भेजें । मौके पर उपस्थित शिक्षक सुरेश कुमार यादव ने कहा बाल संस्कार शाला का यह पहल सराहनीय है। यह कार्यक्रम भविष्य निर्माण से जुड़ा कार्यक्रम है। शिक्षा से जीवन जीने का तरीका बदल जाता हैं। बच्चें गीली मिट्टी के समान है इन्हें सही आकार देना अभिभावकों का काम है। मौके पर मनीष कुमार, शिक्षक नरेश यादव, विशाल कुमार, राकेश कुमार, रामजी यादव, बालमुकुंद, नीतीश, सुभाष, बिट्टू, शंकर खेरा, निरंजन, संतोष, पवन सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

उप स्वास्थ्य केंद्र तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण मरीज नहीं पहुंच पाते है

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। बिहार सरकार की और से सैकड़ों से अधिक जनकल्याण कारी योजना चला रही है जिस से आम लोगों को फायदा पहुंच रहा है लोगों को काफी सुविधा भी मिल रही है लोगों को आसानी से दबा भी मिल रहा है लोग आसानी से अस्पताल पहुंच कर अपना इलाज करबा रहे है अस्पताल मे ढेर सारी सुविधा भी मरीजों को मिल रहा है इसके बाबजूद भी अस्पताल कर्मी घुटने भर पानी कीचड़ मे चलने को है मजबूर बताते चले की जिले के संग्रामपुर प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत के नवगाय के उप स्वास्थ्य केंद्र जहाँ पर की तीन स्वास्थ्य कर्मी एएनम मौजूद है तीनो कर्मी घुटने भर पानी कीचड़ मे घुस कर अपने डियूटी पर आते है इस विषय मे जब एएनएम से बात किया गया तो , यह बताया गया की यहाँ पर जो इलाज करवाने इस समय मे आते है वह खुद इलाज उनका क्या होगा वह खुद मरीज बन करके चले जाते है सरकार के ओर से सारी सुविधा रहते हुए एक सड़क नहीं होने के कारण आम लोगों को आने जाने मे काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है वहीं ग्रामीण अमरजीत कुमार, नीरज सिंह सत्या नन्द सिंह मोहित सिंह ने बताया की इस कैंपस में विद्यालय पैक्स गोदाम स्कूल होने के बाबजूद भी एक रास्ता ठीक नहीं होने के कारण बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है इसको ले करके कई बार लोकल पदाधिकारी स्थानीय विधायक मंत्री से भी अवगत कराया गया इसके बाबजूद भी किसी का प्रयास नहीं किया इस मौके पर दर्जनों से अधिक लोग मौजूद थे।

राजेंद्र सरोवर स्वर्णिम अतीत का काला वर्तमान, उद्धारक का तलाश, जल्द सुधि ले प्रशासन व सरकार

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने राजेंद्र सरोवर बचाओ, जल स्त्रोत बचाओ, नगर सौंदर्य धरोहर बचाओ, समाज बचाओ, देश बचाओ नारों को बुलंद करते हुए कहा कि राजेंद्र सरोवर आज स्वर्णिम अतीत का काला वर्तमान साबित हो रहा है। नगर सौंदर्य एवं पार्क-जल विहार राजेंद्र सरोवर के रूप में प्रतिष्ठित पहचान अब खो रही है। पूर्व एसडीओ संतोष मैथ्यू की रंग लाई मेहनत पर अब पानी फिर चुकी है। अतिक्रमण हटाओ विशेषज्ञ एसडीओ आज संवारने सजाने बसाने का कार्य गंवारा नहीं समझते। रौनक दीखने वाली गोशाला परिसर खंडहर में तब्दील है। गोशाला का आकर्षक गेट पर अतिक्रमण से ढहे खंडहर का काला दाग लगी हुई है। गोशाला के करोड़ों रुपए की आय से बेहतर विकसित सुंदर गौशाला निर्माण एवं राजेद्र सरोवर का सौंदर्यीकरण संभव हो सकता है किंतु इच्छाशक्ति की कमी है। जिससे उल्लेखनीय, उम्दा, उत्कृष्ट कार्य वर्तमान पदाधिकारी से संभव नहीं हो पता है। स्टॉल निर्माण गौशाला के हित में जल्द करने की जरुरत है। श्री यादव ने कहा कि विगत वर्षों तक राजेंद्र सरोवर नामांकित गेट जर्जर होने के कारण अभियान के पहल एवं ध्यानाकर्षण के बाद पूर्व जिला अधिकारी द्वारा संभावित अप्रिय घटना के मद्देनजर तोड़कर हटाया गया किंतु देश बचाओ अभियान द्वारा आकर्षक गेट का निर्माण करने की मांग विगत वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ी है। वहीं सीढ़ी लगभग टूट चुकी है, गंदगी का अंबार है। जल विहार समाप्त तो चुकी है, क्यारियों का फूल गधे के सींघ के तरह गायब हो चुकी है, सिमेंट का बेंच को जैसे चूहे चुरा गए हो, नहीं के बराबर नजर आती है। चहारदिवारी समाप्त हो चुकी है। परिसर से गुजरने वाली सड़क जर्जर एवं बरसाती पानी लगी रहती है। ओडीएफ के बावजूद परिसर सरोवर शौचालय में तब्दील हो चुका है। पिकनिक मनाने वाले एवं मॉर्निंग वॉकिंग करने वाले लोग गंदगी और अव्यवस्था के कारण उधर देखना तक मुनासिब नहीं समझते, हां कभी कभार पिंडदान कर्मकांड करने वाले लोग सरोवर परिसर में नजर आ जाते हैं। सरोवर परिसर में गोबर के उपले, गड्ढे, गंदगी, आवारा जानवर, सूअर, अतिक्रमण ही नजर आते हैं। अंबार लगी सरोवर की समस्या का समाधान एवं नगर सौंदर्यीकरण करने का दंभ भरने वाले नगर परिषद प्रतिनिधि, विधायक, सांसद इस ओर एक तिरछी नजर देखना भी गंवारा नहीं समझते। आज भी किसी उद्धारक का तलाश है। सरोवर को गोद लेने वाले समाजिक कार्यकर्ता भी चुप्पी साध बैठे हैं। समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि देश बचाओ अभियान सरोवर का सौंदर्यीकरण एवं गोशाला को विकसित एवं सुंदर निर्माण करने को लेकर आंदोलन तेज करेगी।

प्लस टू विद्यालय भवन निर्माण का विधायक ने किया शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] शनिवार को उत्क्रमित प्लस टू विद्यालय चितोचक विद्यालय भवन निर्माण का शिलान्यास बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह क्षेत्रीय विधायक दामोदर रावत के कर कमलो द्वारा संपन्न हुई। कार्यक्रम सभा की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि अरविंद कुमार एवं मंच संचालन वरीय शिक्षक नागेश्वर तुरी ने किया। मौके पर लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक ने कहा कि बिहार सरकार पूरे प्रदेश में हाई स्कूल को प्लस टू कर दी है और बच्चे बच्चियों को समुचित शिक्षा के लिए शिक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाएं चला रही है। विद्यालय भवन ,बेंच, डेस्क, शैक्षणिक उपस्कर, कंप्यूटर, विद्यालय में मुहैया करा रही है। बच्चियों को प्रोत्साहन के लिए साइकिल दी जा रही है । आज बिहार राज्य के शैक्षणिक स्तर ऊंचा है। पहले जहां 170000 छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होते थे वही आज 17 लाख छात्र-छात्राएं सम्मिलित होती है। हमारी सरकार शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है। झाझा के नागी ,नकटी डैम को विश्व पटल पर लाने में हमारी सरकार अहम भूमिका निभा रही है। साथ ही अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को समय पर विद्यालय आकर शिक्षण कार्य करने की आह्वान की। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव रावत, करुणा देवी, विवेका सिंह, सुबोध केसरी , दरोगाराम , गणेश प्रसाद प्रभारी प्रधानाध्यापक, शिक्षक- भोला कुमार, जितेंद्र कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिंह, पवन कुमार, शिवनारायण रावत, देवेश कुमार, बबलू कुमार ,अनिल कुमार, शिक्षिका अखंड ज्योति कुमारी, मोनिका कुमारी, पूजा कुमारी, सुनीता कुमारी, ज्योति कुमारी, शिक्षा सेवक -विश्वनाथ कुमार एवं सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

दीपक, अगरबत्ती जलाने से ईश्वर प्रसन्न होते हैं क्या

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : हमे प्रसन्नता तब होती है जब मनचाही वस्तु प्राप्त होती है , और जब कोई वस्तु पास से चली जाये तो अप्रसन्नता होती है । ईश्वर तो परिपूर्ण है , उसके पास किसी भी वस्तु की कमी नहीं है , ईश्वर सर्वज्ञ है , पूर्ण ज्ञानी है । अतः उनके सुखी अथवा दुखी होने का कोई प्रश्न ही नही उठता । क्योंकि ईश्वर सदा एकरस रहता है , उसमें किसी बात की बढ़ोतरी या घटोतरी नही होती । जो परमपिता परमात्मा सूर्य , चन्द्रमा इत्यादि ग्रहों को प्रकाशित करता है , उसे हम कुछ दीपक जलाकर क्या प्रसन्न कर सकते हैं । घर में रोशनी नहीं है तो दीपक जलाने से प्रकाश मिल सकता है , परन्तु ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए दीपक जलाना बिलकुल अज्ञानता की बात है । धूप अगरबत्ती से थोड़ा धुआं उठता है , तथा सुगंध फैल जाती है, जिससे मच्छर इत्यादि जीव भाग जाते हैं । ईश्वर को सुगंध की क्या आवश्यकता है । दीपक , अगरबत्ती व धूपबत्ती इत्यादि जो हम पूजा में जलाते हैं, वे सब यज्ञकर्म न करने के बहाने हैं । सामग्री में सुगन्धित वस्तुओं का मिश्रण इस लिए होता है , जिससे अग्नि में आहुति देने पर वायुमंडल में सुगंध फैले और जड़ी बूटियों से कीट - कीटाणुओं का सफाया हो । इससे घर में पवित्रता का वातावरण उत्पन्न हो जाता है । गोधृत परमाणु रोगों को घर में आने से रोकते हैं । आजकल यज्ञकर्म को सभी पवित्र और लाभकारी तो मानते हैं , परन्तु कर्मकाण्ड करने को किसी के पास समय नहीं है । दीपक , धूप , अगरबत्ती यज्ञ का ही बिगड़ा हुआ रूप है । प्रायः स्त्रियाँ घरों में संध्या होते ही दीपक , धूप , अगरबत्तियां जलाती है । कुछ न करने से यह भी अच्छा ही है , परन्तु दीपक गाय के घी से जलाना ही लाभकारी है ।

ब्रिक्स की सामूहिक ताकत

ब्रिक्स का 16वां शिखर सम्मेलन कई मायनों में सफल रहा। समूह के नेतृत्व और उनके मकसद भी सार्थक रहे। अब ब्रिक्स 10 सदस्य देशों का समूह हो गया है, क्योंकि ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को नई सदस्यता दी गई है। करीब 30-35 अन्य देश भी ब्रिक्स से जुडा चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी उतावला है, लेकिन भारत ने उसकी संभावनाओं को खारिज करवा दिया है। यदि जी-7 पश्चिमी देशों का समूह है, तो ब्रिक्स ह्यग्लोबल साउथह्व का प्रतिनिधित्व करता है। पश्चिम और यूरोप की वर्चस्ववादी सत्ता के समानांतर अब ब्रिक्स की ताकतवर उपस्थिति भी है, लेकिन वह ह्यपश्चिम-विरोधीह्व नहीं है। ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स ह्यगैर-पश्चिमह्व समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए ह्यबहुपक्षीयवादह्व को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में संलिप्त है, फिर भी वहां कोई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करना वाकई आश्चर्यजनक है। बहरहाल कजान सम्मेलन के बाद जो साझा घोषणापत्र जारी किया गया, उसमें कुछ मुद्दे पश्चिमी देशों की ह्यदादागीरीह्व के खिलाफ हैं और उनके चरित्र को भी चुनौती देते हैं। मसलन, अमरीका ने अकेले रूस पर करीब 20, 000 प्रतिबंध थोप रखे हैं। ईरान पर भी पाबंदियां हैं। ब्रिक्स ने ऐसी आर्थिक, व्यापारिक और जबरन पाबंदियों को नकारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर, कुछ बड़े देशों के, दोहरे रवैये की भत्र्सना की है। उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया उन्हें जानती है। ब्रिक्स घोषणापत्र में आतंकवाद को भी शामिल किया गया है और साझी लड़ाई का आह्वान भी किया गया है, लेकिन आतंकवाद पर ही ब्रिक्स के कुछ देशों में, द्विपक्षीय स्तर पर, विरोधाभास भी हैं। सामूहिक स्तर पर उन्हें बेमानी माना गया है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरूआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भत्र्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा। हम हमास के उस हमले को ह्यबड़ा आतंकवादह्व मानते हैं। उसी के कारण आज भी गाजा और लेबनान में युद्ध के हालात बने हैं। तबाहियां और बर्बादियां हो रही हैं, लेकिन विश्व का कोई भी संगठन और समूह युद्ध-विराम कराने में अभी तक सफल नहीं हुआ है। बहरहाल जो ब्रिक्स आर्थिक विषयों तक सीमित रहता था, वह अब भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर भी विमर्श करता है और अपने सरोकार व्यक्त करता है।

नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडु के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडु के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडु द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडे की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढकर 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढकर 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉमूर्ले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉमूर्ला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढकर 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से छोटे कारोबारियों की चांदी!

इसके अलावा, इसमें गारंटी की जरूरत भी नहीं होती, जिससे किसी भी वर्ग के लोग बिना किसी जमानत के आसानी से ऋण प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, ब्याज दरें भी काफी कम होती हैं, जो छोटे व्यापारियों के लिए वित्तीय बोझ को कम करती हैं। कम ब्याज दर के कारण छोटे व्यवसायियों के लिए ऋण लेना आसान होता है, जिससे वे बिना किसी बड़े आर्थिक दबाव के अपने व्यापार को चला सकते हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत डिजिटल माध्यम से भी लोन के लिए आवेदन किया जा सकता है। अब लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिससे यह प्रक्रिया अधिक सरल और सुविधाजनक हो गई है।

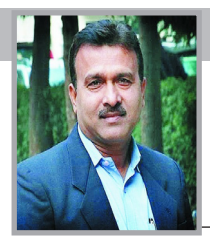

सुशील देव
लेखक

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने देश के छोटे कारोबारियों के लिए एक नई आशा की किरण दिखाई है। इस योजना के अंतर्गत अब ऋण की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है, जिससे न केवल छोटे उद्योगों को लाभ होगा, बल्कि इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य छोटे व्यवसायों और स्वरोजगार करने वाले लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। मुद्रा योजना के माध्यम से सरकार का उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग अपने छोटे व्यापार को बढ़ावा दें और आत्मनिर्भर बनें। इस योजना के तहत लोन की राशि में वृद्धि से छोटे कारोबारियों को कई प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे। वित्त मंत्रालय के अनुसार, इस वृद्धि से मुद्रा योजना का उद्देश्य और प्रभावी तरीके से पूरा होगा। इसके माध्यम से छोटे व्यापारियों को अपने व्यापार का विस्तार करने और नई व्यावसायिक संभावनाओं का लाभ उठाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में लोन तीन श्रेणियों में बांटे गए हैं: शिशु, किशोर और तरुण। शिशु लोन के तहत अधिकतम 50,000 रुपये तक का ऋण मिलता है, जो नए व्यापार शुरू करने वाले लोगों के लिए उपयुक्त है। किशोर लोन 50,000 रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक का होता है, जिससे अपने व्यापार को और मजबूत करने की आवश्यकता वाले लोग लाभान्वित होते हैं। तरुण लोन 5 लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक का होता है, जो व्यापार के विस्तार के लिए काफी मददगार है। अब लोन की सीमा 20 लाख रुपये तक होने से छोटे व्यापारियों के पास अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे वे व्यापार में जरूरी सामग्री, मशीनरी और अन्य संसाधन खरीद सकते हैं और अपने व्यवसाय को उन्नत कर सकते हैं। मुद्रा योजना के तहत लोन लेने की प्रक्रिया बहुत ही आसान और तेज है, जिससे व्यापारियों को किसी जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ता। इसके अलावा, इसमें गारंटी की जरूरत भी नहीं होती, जिससे किसी भी वर्ग के लोग बिना किसी जमानत के आसानी से ऋण प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, ब्याज दरें भी काफी कम होती हैं, जो छोटे व्यापारियों के लिए वित्तीय बोझ को कम करती हैं। कम ब्याज दर के कारण छोटे व्यवसायियों के लिए ऋण लेना आसान होता है, जिससे वे बिना किसी बड़े आर्थिक दबाव के अपने व्यापार को चला सकते हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत डिजिटल माध्यम से भी लोन के लिए आवेदन किया जा सकता है। अब लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिससे यह प्रक्रिया अधिक सरल और सुविधाजनक हो गई है। डिजिटल इंडिया के तहत यह पहल न केवल सुविधा प्रदान करती है बल्कि वित्तीय समावेशन की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। इससे दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी आसानी से ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनके व्यवसायों को एक नया आयाम मिल सकता है। इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके तहत महिलाओं और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लोगों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। इससे इन वर्गों के लोगों को भी अपने व्यवसाय को शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। इस प्रकार यह योजना समाज के कमजोर वर्गों के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी सहायक बन रही है। महिलाओं और समाज के अन्य वंचित वर्गों को स्वरोजगार से जोड़ने के इस प्रयास से न केवल उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है, बल्कि उनके जीवनस्तर में भी सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत मिले लोन का उपयोग व्यवसायिक जरूरतों को पूरा करने के अलावा व्यक्तिगत विकास के लिए भी किया जा सकता है। इस लोन से छोटे कारोबारी अपनी आवश्यकतानुसार कच्चा माल, मशीनरी, और अन्य जरूरी संसाधन खरीद सकते हैं। यह योजना उन लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है जो कम लागत में व्यवसाय करना चाहते हैं या किसी विशेष स्किल के आधार पर अपना व्यवसाय चलाना चाहते हैं।प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अधिक ऋण मिलने से रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा, क्योंकि जब छोटे व्यवसाय का विस्तार होगा, तो अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे देश में स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। छोटे उद्योगों के विकास से स्थानीय और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं में भी तेजी आएगी, जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना छोटे व्यापारियों के लिए एक संजीवनी की तरह है। इस योजना से न केवल छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिल रहा है। लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का सरकार का निर्णय छोटे व्यापारियों के लिए अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इससे न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के आर्थिक उत्थान में भी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार, यह योजना सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आर्थिक समृद्धि और सामाजिक उन्नति की दिशा में देश को आगे ले जाने में सहायक सिद्ध होगी। आने वाले समय में उम्मीद की जा सकती है कि इस योजना के माध्यम से छोटे व्यापारी और उद्यमी देश की आर्थिक उन्नति में अपना योगदान देंगे और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा होगा।

आत्मनिर्भरता की ओर किशोरियों का पहला कदम

इसके अतिरिक्त गांव की रूढ़िवादी विचारधारा के कारण भी किशोरियों के आगे बढ़ने में बाधा उत्पन्न होती है। कम उम्र में शादी और अन्य सामाजिक बंधनों के कारण उनका सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है। ऐसे में कंप्यूटर सीखना उनके लिए किसी स्वप्न की तरह था। लेकिन दिशा प्रोजेक्ट से जुड़ कर गांव की किशोरियां न केवल कंप्यूटर चलाना सीख रही हैं बल्कि अपने अधिकारों से भी परिचित हो रही हैं। वर्तमान में, दिशा प्रोजेक्ट के माध्यम से गरुड़ और कपकोट के विभिन्न गांवों में करीब 6 दिशा ग्रह नाम से कंप्यूटर सेंटर संचालित हो रहे हैं। जबकि चार अन्य भी जल्द खुल जायेंगे ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की अधिक से अधिक किशोरियां इस तकनीक में दक्ष हो सके। प्रत्येक दिशा ग्रह सेंटर पर दस से अधिक किशोरियों को कंप्यूटर की ट्रेनिंग दी जा रही है

तानिया आर्या
लेखक

मैं बीए में पढ़ रही हूं. मैं पढ़ लिख कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हूं, लेकिन मुझे ये नहीं पता था कि आगे भविष्य में क्या करना है? मैंने सुना है कि आज के युग में कंप्यूटर के ज्ञान के बिना भविष्य नहीं है. नौकरी मिलना संभव नहीं है. लेकिन मेरे पास इसे सीखने की कोई सुविधा नहीं थी। इस दूर दराज गांव में किसी के पास कंप्यूटर भी नहीं है. मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद मैं कभी इसे नहीं सीख पाउंगी। लेकिन जब हमारे गांव में चरखा संस्था द्वारा दिशा ग्रह नाम से कंप्यूटर सेंटर खोला गया तो मेरे अंदर एक उम्मीद जगी कि मैं भी इस आधुनिक तकनीक को सीख कर आत्मनिर्भर बनने का सपना पूरा कर सकती हूं. जब मुझे पता चला कि संस्था द्वारा इसे फ्री में गांव की लड़कियों को सिखाया जायेगा तो मुझे बहुत अच्छा लगा. संस्था की मदद से आज मैं कंप्यूटर चलाने में दक्ष हूं। अब मेरे अंदर एक अलग सा आत्मविश्वास जाग चुका है। यह कहना चौरसो गांव की 18 वर्षीय किशोरी श्वेता का। जो गांव में ही रहकर पढ़ाई के साथ साथ कंप्यूटर जैसी तकनीक में भी महारत हासिल कर रही है. श्वेता जैसी चौरसो की कई अन्य किशोरियां भी हैं जिन्होंने दिशा ग्रह से जुड़कर अपने भविष्य को संवार रही हैं। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के बागेश्वर जिला से 30 किमी और गरुड़ ब्लॉक से करीब 8 किमी दूर छोटे से गांव चौरसो की किशोरियां इस समय न केवल आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रही हैं बल्कि उसे पूरा करने की जद्दोजहद में भी लगी हुई हैं। पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार इस गांव की आबादी लगभग 3000 है और साक्षरता दर 90 प्रतिशत के करीब है. जिसमें महिलाओं की साक्षरता दर करीब 45 प्रतिशत है। इस गांव में शिक्षा का स्तर तो संतोषजनक है लेकिन कंप्यूटर जैसी तकनीक के मामले में यह गांव काफी पीछे था। लेकिन दिशा प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद से इस गांव की किशोरियों के लिए कंप्यूटर तक पहुंच आसान बन गई है। 19 वर्षीय पायल कहती है कि ह्यजब से गांव में कंप्यूटर सेंटर खुला है मैं अपना अधिक से अधिक समय इस सेंटर पर देती हूं ताकि भविष्य में मुझे किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। वह कहती है कि आत्मनिर्भर होना बहुत जरूरी है। वर्तमान में कंप्यूटर के ज्ञान के बिना कुछ भी संभव नहीं है। वहीं नेहा बताती है कि जब मैंने पहली बार सेंटर पर कंप्यूटर चलाया तो मुझ में यह विश्वास जगा कि मैं भी जीवन में सफल हो सकती हूं। नौकरी कर आत्मनिर्भर बन सकती हूं। अब मैं पढ़ाई के साथ साथ हर सप्ताह कंप्यूटर सीखने दिशा ग्रह सेंटर जाती हूं. हमेशा मुझे वहां कुछ नया सीखने को मिलता है। अब मुझे लगता है मैं भी अपनी ज़िंदगी में कुछ कर सकती हूं। वहीं एक अन्य किशोरी लक्ष्मी कहती है कि संस्था द्वारा किशोरियों को केवल कंप्यूटर ही नहीं सिखाया जाता है बल्कि प्रत्येक रविवार को दिशा सभा के माध्यम से किशोरियों के साथ सामाजिक मुद्दों पर चर्चा भी की जाती है. मैं क्या सोचती हूं? मुझे समाज के बारे में क्या लगता है? किशोरियों के अधिकार क्या है? शोषण के खिलाफ किस तरह आवाज उठानी चाहिए? अपने भविष्य के लिए मुझे क्या करना चाहिए? आदि सब बातें, जो मैंने इससे पहले कभी किसी के साथ चर्चा नहीं की थी, लेकिन मन में ऐसे प्रश्न उठते रहते थे, इन सभी मुद्दों पर दिशा सभा में खुलकर चर्चा होती है। वह कहती है कि ह्यकुछ बातें ऐसी होती हैं जो हम घर वालों से नहीं कह सकते, वह हम दिशा सभा में बोल सकते हैं. उन पर हमें सुझाव भी दिए जाते हैं। मुझे संडे को दिशा सभा करना बहुत अच्छा लगता है।

जहां खेल-खेल में हम अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं। समाज में जो कुछ घटित हो रहा है और जो हमें पसंद नहीं है, उन चीजों पर भी हम बात करते हैं. लक्ष्मी कहती है कि ह्यआज के समय में लड़कियों का जहां पढ़ना लिखना आवश्यक है, वहीं समाज में घटित होने वाले मुद्दों पर भी बात करना जरूरी है। चौरसो में कंप्यूटर सेंटर खुलने से केवल किशोरियां ही नहीं बल्कि उनके माता पिता भी काफी खुश हैं क्योंकि अब गांव में ही रहकर उनकी लड़कियां कंप्यूटर सीख रही हैं. इस संबंध में गांव की एक महिला भागा देवी कहती हैं कि ह्यहमारे गांव में जब से दिशा ग्रह खुला है मैं बहुत खुश हूं. मेरी पांच बेटियां हैं और मैं चाहती हूं कि लड़कों की तरह वह भी आगे बढ़े. उन्हें भी समान अवसर मिले. लेकिन गांव में इससे पहले ऐसी कोई सुविधा नहीं थी. लड़कियों को कंप्यूटर सीखने 30 किमी दूर बागेश्वर शहर जाना पड़ता, जो मुमकिन नहीं था। एक मां के रूप में मुझे लगता था कि कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण मेरी बेटियों को भी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा प्राप्त करनी होगी. वह कंप्यूटर जैसे महत्वपूर्ण विषय को सीखने से वंचित रह जाएंगी, लेकिन चरखा की पहल से अब वह दिशा ग्रह में जाकर कंप्यूटर सीखती हैं। मुझे बहुत खुशी होती है कि जो हम नहीं कर पाए आज मेरी बेटियां कर रही हैं. मैं उन्हें अपने पैरों पर खड़ा देखना चाहती हूं। वह आत्मनिर्भर बनें और इतनी सक्षम बनें कि अपने फैसले खुद ले सके. चरखा ने दिशा ग्रह सेंटर खोल कर गांव की किशोरियों के लिए कंप्यूटर सीखना आसान कर दिया है. इस संबंध में पंचायत सदस्य बबीता देवी कहती हैं कि इस दूर दराज गांव में कंप्यूटर का आना ही कल्पना से परे था. ऐसे में लड़कियों के लिए यह आसानी से उपलब्ध हो जाए यह तो कोई सोच भी नहीं सकता था. लेकिन चरखा संस्था द्वारा दिशा ग्रह के माध्यम से चौरसो जैसे सुदूर गांव की किशोरियों के लिए कंप्यूटर उपलब्ध कराना बहुत महत्वपूर्ण है. इससे उन्हें आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी। ज्ञात हो कि अजीम प्रेमजी फॉउंडेशन के सहयोग से चरखा संस्था द्वारा उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित गरुड़ और कपकोट ब्लॉक के विभिन्न गांवों में प्रोजेक्ट दिशा संचालित किया जा रहा है. जिसके माध्यम से किशोरियों को विभिन्न माध्यमों से सशक्त किया जाता है. जिसमें उन्हें लेखन और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा के लिए वातावरण तैयार करने के साथ साथ उन्हें कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी दी जाती है. इस संबंध में संस्था की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर नीलम ग्रैंडी कहती हैं कि घर की कमजोर आर्थिक स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव लड़कियों पर पड़ता है।

नकली डिब्बा, नकली बोतल, ले ले मेरे यार

राकेश अचल

जब से होश सम्हाला है तभी से अमूल के उत्पादों पर भरोसा करता आया हूँ। अमूल मेरा बड़ा भाई है या बहन, ये मै नहीं जानता? लेकिन अमूल तो अमूल है। बिना कसी प्रधानमंत्री को अपना ब्रांड एम्बेस्डर बनाये अमूल आजादी मिलने से ठीक एक साल पहले वजूद में आया। मुझसे 13 साल बड़ा है अमूल। गुजरात के त्रिभुवन दस पटेल साहब की देंन है। पटेल साहब के इस उपहार से पूरा देश धन्य हुआ और है। पटेल साहब को उस समय से लेकर आजतक किसी खास आदमी को अपना ब्रांड एम्बेस्डर नहीं बनाना पड़ा। अमूल आम आदमी के लिए था और अमूल का ब्रांड एम्बेस्डर भी आम आदमी ही है, लेकिन अब अमूल को भी नक्कालों की नजर लग गयी है। देश का आधा बाजार अमूल के नकली घी से अटा पड़ा है। हम भारतीय किसी और में विश्व गुरू बने हों या न बने हों लेकिन नकल करने में दुनिया के विश्व गुरू अवश्य है। हमारे सामने नकल करने वाले दुसरे देश शायद कहीं नहीं टिकते। हमारे हुनरमंद नक्काल दुनिया के किसी भी उत्पाद की हू-ब-हू नकल करने में समर्थ है। खाने-पीने की चीज हो या पांव में पहनने की चप्पल। अंडर वियर हो या बनियान। हम उसकी नकल तैयार कर सकते है। घी, दवाएं, कपड़े, दाल-चावल, तेल तो सामान्य चीजे हैं। इन नकल विशेषजों की कड़ी मेहनत के फलस्वरूप अब बाजार में नकली अमूल घी भी उपलब्ध है। मुझे जब इस बारे में खबर मिली तब तक मेरे घर में अमूल घी का पदार्पण हो चुका थ। मुझे नहीं पता कि मै असली अमूल घी लाया हूँ या नकल। भगवान मेरे परिवार की ही नहीं अपितु मेरी तरह देश के तमाम अमूल घी प्रेमियों की रक्षा करें। गनीमत है कि अमूल कम्पनी हमारी सरकारों की तरह गैर जिम्मेदार नहीं है, वो अपने उपभोक्ताओं का पूरा ख्याल रखती है इसलिए उसने खुद अमूल के नकली घी के बारे में खुलासा किया। अमूल ने नकली घी बेचने वालों के खिलाफ चेतावनी जारी की है। कंपनी ने बताया कि कुछ लोग नकली अमूल घी बेच रहे हैं। खासकर ऐसे एक लीटर वाले रीफिल पैक में, जो अमूल तीन साल से नहीं बना रही है। अमूल ने लोगों से कहा है कि वे घी खरीदने से पहले पैकेजिंग की जांच जरूर कर लें। कम्पनी के इस खुलासे के बाद से हमारे पेट में उपद्रव शुरू हो गया है क्योंकि हम कुछ रुपए बचने के फेर में तीन साल से अमूल के रिफिल पैकेट ही घर में ला रहे थे। यानि हम सब नकली घी खा रहे थे, वो भी अमूल का। उस अमूल का जिसका मतलब ही अनमोल होता है।हमारे देश में जबसे सरकार ने मेक इन इण्डिया, मेड इन इंडया जैसे नारे दिए हैं तबसे और उससे पहले से ही नक्काल सक्रिय हैं। देश में नकली उत्पादों का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। देश में यदि अमूल का कारोबार 4 बिलियन डालर का है तो नकली उत्पादों का करोबार इससे चार गुना ज्यादा होगा। आप चूंकि आजकल अखबार कम पपढ़ते हैं और मोबाईल में उलझे रहते हैं इसलिए शायद आपको नहीं पता कि दुनिया में नकली प्रोडक्टका कारोबार कुल बिजनेस का 3.3 फीसदी हिस्सा हो गया है।नकली उत्पादों के कुल मामले में से 84 फीसदी से अधिक सिर्फ पांच सेक्टर में से आते हैं।अकेले भारत में नकली प्रोडक्ट के उत्पादन/बिक्री के मामले सालाना 20 फीसदी की दर से ऐसे बढ़ रहे हैं जैसे अहिन की माता सुरसा का आकार बढ़ता है। आप जो खा रहे हैं, जो पहन रहे हैं उसमें क्या असली है और क्या नकली है ये भगवान भी शायद आपको नहीं बता सकत। अब दीपावली पर आप जो मावा मिष्ठान खायेंगे, शुद्ध देशी घी के लड्डू खाएंगे उसमें कितना मावा असली होगा, कितना घी असली होगा ये कोई नहीं जनता। बस खाये जाओ, खाये जाओ और हरि के गुण गाये जाओ। क्योंकि देश की कोई भी सरकार इस नकल के कारोबार पर नकेल नहीं डाल सकती। किसी भी दल की सरकार हो, एक इंजिन की हो डबल इंजिन की, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नक्काल सभी राजनीतिक दलों और सरकारों से ऊपर हैं। पूरी दुनिया और खासकर हम हिन्दुस्तानी इन नक्कालों की कृपा, अनुकम्पा पर ही जिंदा हैं। हमें याद है कि एक जमाने में देशी घी तो छोड़िये डालडा भी शुद्ध बिकता था। आज के जमाने में तो तिरुपति बाला जी का प्रसादम भी असली नहीं मिलता। लेकिन जो भी उत्पाद नेताओं की तरह घर-घर पहुंचा, उसकी नकल बाजार में आ गयी।हमने फिल्मों में ही नहीं बल्कि असल में नकली पुलिस, नकली आईएएस-आईपीएस, नकली डाक्टर देखे हैं और अब तो गुजरात में नकली जज और नकली अदालतें भी सम्मान पा चुकीं है।

पैक्स निर्वाचन को लेकर प्रभारी जिलाधिकारी ने सभी कोषांगों एवं निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की बैठक

सभी कोषांगों को समयबद्ध ढंग से अपने कार्यो के निष्पादन का दिया निर्देश

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार, बिहार, पटना द्वारा प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) के निर्वाचन हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सारण जिला के 277 फैक्सों का निर्वाचन 05 चरणों में संपन्न कराया जाएगा। पैक्स निर्वाचन के प्रथम चरण में मढ़ौरा, अमनौर, तरैया, मकेर एवं लहलादपुर प्रखंड में 26 नवंबर 2024, द्वितीय चरण में इसुआपुर, मशरख, पानापुर, गड़खा एवं रिविलगंज प्रखंड में 27 नवंबर 2024 को मतदान होगा।

तृतीय चरण में सोनपुर, दरियापुर, परसा एवं बनियापुर प्रखंड में 29 नवंबर 2024, चौथे चरण में मांझी, एकमा, जलालपुर एवं नगरा प्रखंड में 01 दिसंबर 2024 एवं पंचम चरण में छपरा सदर एवं दिघवारा प्रखंड में 3 दिसंबर 2024 को मतदान होगा। सभी चरणों में पैक्स निर्वाचन के उपरांत उसी दिन अथवा उसके अगले दिन मतगणना कार्य संपन्न करा लिया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (स0स0) द्वारा पैक्स चुनाव को स्वच्छ, स्वतंत्र, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु जिला स्तर पर 17 कोषांगों का गठन किया गया है। जिसमें कार्मिक कोषांग, प्रशिक्षण कोषांग, मतपेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, वाहन कोषांग, ब्रज गृह-सह -मतगणना कोषांग, विधि व्यवस्था-सह- सेक्टर प्रबंधन कोषांग, आदर्श आचार संहिता कोषांग, निर्वाचन व्यय लेखा कोषांग, मतपत्र कोषांग, नाम निर्देशन कोषांग, प्रेक्षक कोषांग, मीडिया कोषांग, डिजिटल वीडियो कैमरा आई.टी.

कोषांग, जिला नियंत्रण कक्ष-सह-हेल्पलाइन कोषांग, जन शिकायत कोषांग एवं जिला निर्वाचन कोषांग शामिल हैं।

शनिवार को प्रभारी जिलाधिकारी सह उपविकास आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल ने सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों एवं पैक्स निर्वाचन पदाधिकारियों (प्रखंड विकास पदाधिकारी) के साथ बैठक किया। बताया गया कि पैक्स निर्वाचन के लिये सारण जिला में अद्यतन 894 मतदानकेन्द्र हैं। मतदाता सूची में अद्यतन 545741 मतदाता शामिल हैं।

मतदान एवं मतगणना हेतु लगभग 5 हजार कर्मियों की आवश्यकता होगी जिसका डेटाबेस एन आई सी में तैयार किया जा रहा है। मतदान एवं मतगणना में प्रतिनियुक्त किये जाने वाले सभी कर्मियों को ससमय दो बार प्रशिक्षण देने का निदेश दिया गया। प्रत्येक मतदानकेन्द्र पर तीन मतपेटियों के हिसाब से मतपेटियों के लिये आवश्यक तैयारी करने को कहा गया। वाहनों की आवश्यकता का आकलन पूर्व में ही सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। सेक्टर दंडाधिकारी एवं पीसीसीपी बनाने हेतु तैयारी करने को कहा गया। अन्य सभी कोषांगों को समयबद्ध ढंग से अपने आवंटित कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। पैक्स निर्वाचन के लिए निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में प्राधिकृत सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को प्रखण्ड स्तर पर भी सभी आवश्यक कोषांगों का गठन सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में बंदोबस्त पदाधिकारी, सहायक समाहर्त्ता, विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी जुड़े थे।

डालसा सारण द्वारा एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का जेपीयू से किया गया आगाज

संपूर्ण जिला में एक लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य

➤ संक्षिप्त वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से वृक्षारोपण को किया गया प्रेरित

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सारण छपरा के तत्वावधान में सारण जिला प्रशासन और सारण पुलिस के सहयोग से संपूर्ण जिला में एक पेड़ माँ के नाम जयप्रकाश विश्वविद्यालय परिसर में आलाधिकारिगणों द्वारा करीब 4 हजार फलदार वृक्ष लगा कर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीत कुमार गर्ग, कुलपति जय प्रकाश विश्वविद्यालय प्रो० परमेन्द्र बाजपेयी, प्रभारी डीएम सह डीडीसी यतेन्द्र पाल, सचिव डालसा सारण धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम नीरज कुमार सहायक डीएम शिप्रा द्वारा किया गया और उसकी बाद वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर डालसा सारण द्वारा तैयार वृक्षारोपण से संबंधित एक वीडियो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। वृक्षारोपण महाभियान का लक्ष्य एक लाख तय किया गया है।

जिसके तहत जिले के 318 पंचायतों 200 प्रति पंचायत के हिसाब से 63 हजार 600, अकेले जयप्रकाश विश्वविद्यालय परिसर में 4 हजार, छपरा व्यवहार न्यायालय परिसर और जिले के सभी स्कूलों में वृक्षारोपण किया गया।

इस मौके पर सचिव जेपीयू डॉ० नारायण दास, प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस कुमारी अनुपमा, डीएसपी यातायात बसंती टुडु, चीफ लैड्स पुर्णेन्दु रंजन, पैनल अधिवक्ता डॉ० अमित रंजन, डालसा सारण के पीठ लिपिक नजरे इमाम, धर्मेन्द्र साह, भातेन्दु त्रिपाठी, जेपीयू के तमाम पदाधिकारी- कर्मी, प्राध्यापक, छात्र-छात्रा मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुर्व उप प्रमुख के पति सह जन सुराज के नेता गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

चनपटिया।एसपी डॉ शौर्य सुमन के निर्देश पर जिले में चल रहे फरार अभियुक्तों तथा अपराधियों के धर पकड़ के लिए एसडीपीओ सदर विवेक दीप के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मनुआपुल पुलिस ने चनपटिया प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख के पति सह जन सुराज के नेता राजकिशोर चौधरी को उसके घर जोकहां से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि सरकारी काम में बाधा डालने तथा बिजली विभाग के जेई के दुर्व्यवहार करने का नामजद आरोपी हैं।जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है।

सोई किशोरी हुई सर्पदंश की शिकार

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि नगर स्थित जलसंसाधन विबजग के ई टाइप कॉलोनी निवासी राहुल कुमार श्रीवास्तव की 16 वर्षीय पुत्री को सोई अवस्था मे सांप ने दंश कर लिया। पिता राहुल कुमार ने बताया की सुबह के करीब 5 बज रहे होंगे तभी बेटी सगुन ने आवाज लगाई हमलोग दौड़ कर दूसरे कमरे में सोई बेटी के पास पहुंचे तो देखा कि वह पैर पकड़कर रो रही है।उसके पैर में दांत के दो निशान देखकर सांप के काटने की आशंका हुई। आननफानन में मेडिकल उपचार के लिए सगुन को तुरंत नेपाल के त्रिवेणी स्थित मिलेट्री कैम्प लेकर गए।जहां डॉक्टरों ने पीड़ित सगुन का उपचार किया और कुछ घंटे अपने निगरानी में रखा। डॉक्टर ने बताया कि सांप के काटने का कोई लक्षण नहीं दिखा हां काटने के दांत के निशान जरूर दिखे। बतादें की वाल्मीकिनगर में इधर कुछ दिनों से चूहों के काटने की घटना अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है।सांप के दंश की तरह ही चूहे के काटने के निशान एक जैसे ही दिखते हैं। बहरहाल सगुन खतरे से बाहर बताई जा रही है।

खैरा से विक्षिप्त व्यक्ति लापता, परिजन चिंतित

प्रात: किरण, संवाददाता

नगरा।खैरा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी फुलेना राय के 45 वर्षीय पुत्र अवधेश कुमार राय जो मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं, 21 अक्टूबर की सुबह से लापता हैं.उनके पुत्र सन्नी कुमार राय ने खैरा थाना में लिखित आवेदन देकर सूचना दी है कि उनके पिता, जिनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है.सुबह करीब 7:00 बजे शौच के लिए घर से निकले थे,लेकिन अभी तक घर नहीं लौटे हैं. वहीं इस संबंध में खैरा थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष छतीश कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और पुलिस मामले की जांच कर रही है.उन्होंने कहा कि आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की जा रही है.

खैरा थाना में भूमि विवाद के लिए जनता दरबार का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

नगरा।खैरा थाना परिसर में शनिवार को भूमि विवाद से संबंधित मामलों के समाधान के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया.इस दरबार की अध्यक्षता कर रहे नगरा सीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि इस दौरान भूमि विवाद से जुड़े दर्जनों मामले सामने आए.उन्होंने कई मामलों का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि कुछ मामलों में अगले जनता दरबार में दोनों पक्षों को बुलाकर सुनवाई करने का निर्णय लिया गया

विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रात: किरण, संवाददाता

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहा छपरा में पटना उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार ह्यएक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आम का पौधा लगाया गया.इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और समाज में वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है. जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी के पत्र के निदेर्शानुसार पौधारोपण का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. वहीं इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजयेंद्र कुमार विजय ने बताया कि अभियान के माध्यम से बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है.कार्यक्रम में शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह,गायत्री कुमारी, सागर सिंह चौहान, आसिफ अली, मुकेश कुमार, राजेश्वर राय, रेखा कुमारी, रेणु कुमारी,आंचल देवी आदि थी।

लियो क्लब के द्वारा दीप सज्जा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा: सामाजिक संगठन लियो क्लब छपरा टाउन के द्वारा छपरा शहर के एसडीएस पब्लिक स्कूल में दीप सज्जा रंगोली, अबीर रंगोली और कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूल के बच्चे, बच्चियों के द्वारा एक से बढ़ कर एक दीयो पर रंगों से कलाकृति बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य अरुण सिंह और डॉ राकेश सिंह ने किया। वही लियो आशुतोष पांडेय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता किया।

वही लियो राजनंदनी ने बताया की दीप सज्जा प्रतियोगिता कराने का उद्देश्य बच्चों के अंदर छुपे प्रतिभा को उजागर करना होता है। छात्र-छात्राओं ने दीपावली के अवसर पर हानिकारक पटाखे नहीं जलाने व उनसे होने वाले नुकसान पर विचार व्यक्त किया। छात्र-छात्राओं ने सुंदर व आकर्षक रंगोली बनाने के साथ-साथ आकर्षक कार्ड तथा भारतीय संस्कृति पर आधारित दीप को सजाकर लायंस सदस्यों का मन मोह लिया।

उक्त मौके पर लियो अध्यक्ष मनीष कुमार, लियो सदस्य उज्ज्वल मिश्रा, विकास कुमार लक्ष्मी कुमार, अपर्णा सोनी आदि उपस्थित थे।

कुलपति स्वतंत्र है केस करने के लिए : छात्र नेत्री ईशा मिश्रा

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा सदर। आर एस ए के छात्र नेताओं ने शनिवार प्रेस वार्ता कर कहा कि जयप्रकाश विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ पिछले एक माह से छात्र हित में संगठन लगातार आंदोलन चला रही है, धरना,प्रदर्शन, अनशन,पुतला दहन, जूता पॉलिश, भैंस के आगे बीन बजा कर लोकतांत्रिक ढंग से जितने भी आंदोलन होना चाहिए छात्र हित में लगातार कर रही है ।

उसके बावजूद भी विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति छात्र हित में कोई कार्य नहीं कर रहे हैं। इसलिए विश्वविद्यालय कैंपस में अर्थी जुलूस निकाला गया ।आर एस ए संगठन की छात्र नेत्री ईशा मिश्रा ने कहा कि जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति विभिन्न माध्यमों से केस करने की धमकी दे रहें है। संगठन का कोई भी कार्यकर्त्ता उनके झूठे केस के धमकी से डरने वाला नहीं है। कुलपति स्वतंत्र है छात्र हित में हजारों केस करवाने के लिए हम लोग तैयार है। लेकिन छात्रों का कार्य करे. वहीं आर एस ए छात्र नेत्री श्रुति पांडे ने कहा कि छात्र हित में आंदोलन लगातार जारी रहेंगे। आर एस ए छात्रा इकाई के द्वारा ब्रह्म भोज का आयोजन तीनों जिलों में कराया जाएगा।

समय रहते अंक पत्र में दलाली बंद किया जाए, भ्रष्ट पदाधिकारी का तबादला किया जाए, पीएचडी का ओपन वायवा शुरू किया जाए। पी एच .डी .के पदाधिकारी को तुरंत हटाया जाए क्योंकि वह अभी स्वयं पीएच. डी .नहीं की हुई है और बिना पीएच .डी .किए हुए कोई भी व्यक्ति पीएच. डी. पदाधिकारी नहीं बन सकता है। स्नात्तकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा में जो वीक्षक चोरी करा रहे थे उन्हें तुरंत दंडित किया जाए। अंक पत्र में हेरा फेरी में जितने पदाधिकारी एवं कर्मचारी लिप्त हैं जातीय आधार पर उन्हें सुरक्षित नहीं किया जाए उन सभी को दंडित किया जाए। कुलपति आज एक कार्यक्रम में बोले कि बस हम सांसद से मांगे हैं जबकि विश्वविद्यालय कैंपस में ही दो बस है उसको क्यों नहीं चलवा रहे हैं. केवल कुलपति का काम है झूठ बोलना. इस अवसर पर अलीशा कुमारी, गुलशन यादव, उज्ज्वल कुमार सिंह उपस्थित थे।

एम्बुलेंस चालक के हड़ताल पर जाने से मरीजों की बढ़ी परेशानी

प्रात: किरण, संवाददाता

मांझी। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले बिहार राज्य 102 आपातकालीन एंबुलेंस महासंघ के आह्वान पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांझी के भी एंबुलेंस चालक तथा इएमटी अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। जिससे मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। इएमटी प्रभात कुमार, कामता कुमार, मुन्ना कुमार व एम्बुलेंस चालक आनंद कुमार, विशाल कुमार, रंजीत शर्मा, हरिकेश कुमार अभिषेक राज आदि ने बताया कि पिछले चार माह से विभाग ने उनके वेतन का भुगतान नहीं किया है। वेतन नही मिलने से हम अपने परिवार को भी ठीक से नही चला पा रहे हैं। हम आर्थिक संकट से जूझने को मजबूर हैं। जिसके कारण वे लोग एम्बुलेंस अस्पताल परिसर में खड़ा कर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने बताया कि हमारी मांग है कि हमें इएसआईसी व पीएफ की राशि खाता में जमा करने आदि की मांग है।

वन मंत्री से गुहार के बावजूद 2021 का मुआवजा राशि अबतक नहीं मिला, किसानों में घोर निराशा

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा अनुमंडल क्षेत्र के किसानों के फसलों को जंगली जानवरों से हुए नुकसान का अबतक नहीं मिला है फसल मुआवजा राशि।जिससे किसानों में घोर निराशा का माहौल बना हुआ है। बतादें की वन मंत्री प्रेम कुमार के वाल्मीकिनगर दौरे के दौरान पीड़ित किसानों ने वन अधिकारियों के समक्ष जंगली जानवरों द्वारा किए गए फसलों के नुकसान के मुआवजे के लिए गुहार लगाई थी।आश्वासन भी मिला था,लेकिन अबतक नहीं मिला मुआवजा।सन्तपुर निवासी समाजसेवी और किसान नेता केदारनाथ काजी ने बताया कि 2021 से मुआवजे का भुगतान किसानों को नहीं किया गया है।जबकि हमलोग वन मंत्री प्रेम कुमार से मिलकर अपनी व्यथा सुनाई थी। उस समय मौके पर वाल्मीकिनगर विधायक धीरेंद्र प्रताप उर्फ रिंकू सिंह के साथ वन अधिकारी प्रशिक्षु डिएफओ स्तालिन फिडेल भी मौजूद थे।

प्रशिक्षु डिएफओ ने हमलोगों को भरोसा भी दिलाया था कि जल्द ही मुआवजे का भुगतान कर दिया जाएगा।लेकिन इसके बावजूद भुगतान नहीं किया गया है।उन्होंने आगे बताया कि फील वक़्त में किसान अब फसलों के नुकसान के मुआवजे केलिए वन विभाग को आवेदन नहीं कर रहे हैं क्योंकि भुगतान मिलने की उम्मीद वन विभाग के उदासीन रवैये से खत्म हो चली है। इसलिए किसान मुआवजे की मांग करना छोड़ दिया है। श्री केदारनाथ ने आगे बताया कि बंशराज महतो, स्वर्गीय भृगुनाथ काजी,दिनेश,जगनारायण गुरु आदि कई पीड़ित किसान हैं जिन्हें फसल मुआवजे का भुगतान नहीं मिला है।बतादें की जंगली गेंडा और हाथियों के द्वारा किसानों के धान और गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।जिसके लिए पीड़ितों से वन विभाग मुआवजे के लिए आवेदन मांगे हैं।

बनियापूर में पशुमैत्री एव पशु टीका कर्मियों का राज्य स्तरीय अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

प्रात: किरण, संवाददाता

बनियापुर। पशु अस्पताल बनियानपूर मे पशु मैत्री व पशु टिका कर्मियों ने अपनी मांगो को लेकर अपना अनिश्चित कालीन हड़ताल जारी रखा।जहा नियमित सेवा,उचित,वेतन ,समय पर सभी सुविधाए, सहित अन्य मांगो का

पशु मैत्री मैत्री के द्वारा आपना माँग पत्र सोपा,वही सरकार के द्वारा बार बार पशु मैत्री एव पशु टीका कर्मी को

पत्र के माध्यम विभाग का अंग नहीं है बताया जाता है ,निदेशक

पशुपालन के द्वारा बताया जाता है लेकिन जब टीकाकरण करने का समय आता है तब बुलाकर जबर्दस्ती टीका कराया बिना मानदेय राशि का जो पशु मैत्री ने बताय की सरकार हर समय हमारा मानसिक शारीरिक शोषण करती है विजय कुमार प्रदेश समिति के सदस्य ने बताया कि इस बार जो हड़ताल का आह्वान हुआ जिसमें दो माह पूर्व से बिहार के महामहिम राज्यपाल महोदय,मुख्यमंत्री जी पशुपालन मंत्री महोदय जी, प्रधान सचिव, निदेशक महोदय जी को आपना माँग पत्र दिया गया लेकिन विभाग एव सरकारी के द्वारा कोई खास पहल नहीं किया गया जिससे पशु मैत्री एव पशु टीका कर्मी का जीवन यापन एव मासिक मानदेय मिल सके जिसके कारण आपने मांगे को लेकर विरोध प्रदर्शन पशु मैत्री पूरे प्रदेश मे कर रहे है पशु मैत्री एव टीका कर्मी खालिद खान, मनीष कुमार सिंह, अनिल कुमार माझी, ओमप्रकाश सिंह, हारगुण राम,अमित कुमार राम, सूर्य कुमार, अजय कुमार, अमन सिंह रजनीश पांडे, अरबिंद पांडे, चन्द्रदेवर माझी, अरबिंद कुमार,सुधीर कुमार, दीपक कुमार ठाकुर,अरबिंद कुमार, विजय कुमार आदि मौजूद थे

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत किया गया वृक्षारोपण

प्रात: किरण, संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय प्रखण्ड क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत सभी विद्यालयों में आम,अमरूद,नीम,जामुन आदि फलदार एवं छायादार पौधा लगाया गया। वहीं बीआरसी परिसर में भी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी नीरज चौधरी के द्वारा पौधा लगाया गया।इस संबंध में मध्य विद्यालय लोहछा के प्रधानाध्यापक रविन्द्र कुमार,उत्क्रमित मध्य विद्यालय सांझा कोठी के प्रधानाध्यापक पवन कुमार आदि ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत एक तरफ जहां एक साथ अलग अलग स्थानों पर जहां हजारों पौधा लग गया,वही बच्चों के बीच भी पर्यावरण को लेकर जागरूकता बढ़ेगी।उन्हें वृक्षों के महत्व से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उसका देखभाल करने का संदेश भी दिया गया।

राज्य स्तरीय विद्यालय खेल-खुद प्रतियोगिता में शामिल होने सारण जिला ताईक्वांडो टीम हुई जमुई जिला के लिए रवाना

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। बिहार राज्य विद्यालय खेल-खुद प्रतियोगिता जमुई में शामिल होने के लिए आज सारण जिला से ताईक्वांडो के बालक वर्ग अंडर 14 का टीम रवाना हुआ जिसको सारण जिला ताईक्वांडो संघ के संयोजक गौरी शंकर, बिहार प्रदेश मुखिया संघ के महासचिव मनोज कुमार, सारण जिला ताईक्वांडो संघ के कोषाध्यक्ष रविशंकर शर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । टिम कोच विवेक कुमार और अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में दिनांक 27 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक जमुई जिला में अपना मैच खेलेगा ।

जमुई जिला के खेल भवन सह व्यायामशाला में बिहार राज्य विद्यालय खेल-खुद प्रतियोगिता का आयोजन है जिसमें पूरे बिहार से अंडर 14 बालक वर्ग के ताईक्वांडो खिलाड़ी शामिल होंगे सारण जिला से अंडर 14 बालक वर्ग में शिवम कुमार,आदित्य कुमार यादव,मोहित कुमार,यशवर्धन कुमार, आयुष कुमार, सुंदरम पासवान,कृष कुमार,आदित्य राज शेखर शामिल है।टिम को सारण जिला ताईक्वांडो संघ के अध्यक्ष डॉ० प्रीतम यादव,सारण जिला ताईक्वांडो संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश कुमार रजक,सचिव डॉ० जितेंद्र कुमार, स्वामी विवेकानन्द ताईक्वांडो क्लब के उपाध्यक्ष आर्यन राज बिट्टू, प्रमोद यादव, आदिति मिश्रा, ज्योति सिंह इत्यादि ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दिया ।

भारी मात्रा में शराब के साथ दो गिरफ्तार

लहलादपुर: जनता बाजार थाना की पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के शोभीपुर गांव से भारी मात्रा में शराब एवं शराब निर्माण करने वाली शामग्रियों को बरामद करने के साथ दो लोगों को गिरफ्तार भी किया. बरामद सामग्रियों में गैस सिलेंडर, तसला, प्लास्टिक के जर्किंग (डब्बा), ड्राम, चूल्हा आदि शामिल है, जबकि गिरफ्तार लोगों में स्थानीय थाना क्षेत्र के लौआ खुर्द गांव निवासी विजेन्द्र कुमार तथा शोभीपुर निवासी नीरज कुमार बताये जाते हैं. वहीँ एक शराबी भी धराया है जो सिवान जिला के भगवानपुर हॉट थाना क्षेत्र के नदुआ गांव का प्रमोद कुमार बताया जाता है. पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्रीय शराब कारोबारियों में हड़कंप है.

बाढ़ विभिषिका से विस्थापितों की पीड़ा को दिखाया है अभिषेक ने अपने छठ गीत कईसे होई छठ के बरतिया में

प्रात: किरण, संवाददाता

लहलादपुर : हमारा बिहार प्रत्येक वर्ष बाढ़ के चपेट में आ जाता है। बाढ़ में लोग जब विस्थापित होते हैं तो उनके साथ उनके सपने उनके अरमान उनके पूजा पाठ त्योहार, उत्सव भी विस्थापित होते हैं। ऐसे में बाढ़ में विस्थापित कर चुके लोगों की व्यथा को बताती हुई अभिषेक भोजपुरिया ने एक छठ गीत बनाई है। इसे गाया है सुप्रसिद्ध लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव ने जिसके बोल हैं कईसे होई छठ के बरतिया जो मनीषा श्रीवास्तव के यूट्यूब चैनल पर रिलिज किया गया है। इस गीत को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस गीत को लिखा है अभिषेक भोजपुरिया ने व अपने अभिनय से जीवंत किया है अभिषेक भोजपुरिया एवं तान्या सिंह ने। म्यूजिक मोनु सिन्हा का है। वहीं इस गीत का निर्देशक भी अभिषेक हैं।

प्रखंड के भटवलिया गाँव निवासी अभिषेक भोजपुरिया हमेशा सामाजिक मुद्दों पर लघु फिल्में व गीत बनाते रहते हैं। पुछने पर उन्होंने बताया कि मैं समाज में हो रहे गतिविधि पर नजर रखता हूँ और उसी को अपने कैमरे के कैनवास पर उतारने की कोशिश करता हूँ। बाढ़ में विस्थापित लोगों के दर्द को मैंने महसूस किया। तब मुझे लगा कि ऐसे लोगों के मन में छठ को लेकर क्या चल रहा होगा। उनका साल कैसे बीतता होगा। इसको लेकर मैंने गीत लिखा व मनीषा श्रीवास्तव ने बखुबी उसको महसूस कर गाया। फिर कैमरे से होकर शूटिंग के बाद रिजल्ट आप सबके सामने है। इस छठ मैंने दो गीत लिखे हैं जिसमें पहला गीत बेटियों को केन्द्र में रख कर असों जोड़े जोड़े कोसी भरवाईब ननदो है जिसे मनीषा श्रीवास्तव ने ही गाया है। यह गीत इंस्टाग्राम पर ट्रेंड कर रहा है तथा लाखों लोगों ने रिल्स बनाए हैं। वहीं यूट्यूब पर भी लाखों में लोग अब तक देख चुके हैं।

जिला कार्यालय में पूउरे पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक का हुआ समापन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। पूउरे पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा छपरा की मासिक बैठक विश्व मोहन सिंह शाखा अध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री सिंह ने कहा कि गोरखपुर में भारत पेंशनर्स समाज के ए जी एम जो 9-11-2024 को आयोजित है में छपरा से डेलिगेट 8 नवंबर को पहुंच जायेंगे। इसमें देश के कोने कोने से डेलिगेट, प्रत्येक विभाग के शामिल होंगे। सदस्यता बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई। उम्मीद कार्ड पर भारतीय रेल अंकित करने एवं क्यू आर कोड शीघ्र अंकित करने की आवश्यकता बताई। अठारह महीने के मंहगाई भत्ते के बकाया भुगतान करने की मांग दोहराई। सारांशीकरण की राशि के किश्त की कटौती 10 वर्ष आठ माह के बाद बंद करने के माननीय न्यायालय के आदेश को शीघ्र लागू करने एवं अधिक कटौती की वापसी करने की मांग किया। कार्यकारी अध्यक्ष ओम प्रकाश पराशर ने कहा कि नेशनल इन्क्रीमेंट का भुगतान शीघ्र किया जाए।मानार्थ पास की वैधता एक नवंबर से चार माह होने से संबंधित रेलवे बोर्ड के द्वारा जारी पत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शाखा मंत्री मिथलेश कुमार सिंह ने अक्टूबर माह में जन्म दिन वाले सदस्यों को बर्थडे कार्ड एवं मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया। मुन्नी लाल एवं भुखल राम के समस्या का समाधान कराकर लाखों का भुगतान भी उनके खाते में मिथलेश कुमार सिंह द्वारा कराए जाने की जानकारी दी। वेतन वृद्धि क्रम बद्ध तरीके से 65,70, 75 बर्ष पर क्रमशः 5%,10%,15% करने की मांग किया।सभा को संबोधित अरुण कुमार सिंह, सुरेन्द्र सिंह , रामा नंद महतो, पीके मांझी,बी एन शर्मा, मुद्रिका प्रसाद, योगेन्द्र प्रसाद, ने किया।

डॉ मजहर किबरिया बने जेपीयू के उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष

छपरा सदर, प्रातः किरण। कुलपति के आदेशानुसार जे पी यू के उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मजहर किबरिया को बनाया गया। उक्त आशय का पत्र जे पी यू के कुलसचिव डॉ. नारायण दास के द्वारा जारी किया गया है। पत्र के माध्यम से उन्होंने सूचित किया है कि बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1976 (अद्यतन संशोधित) के प्रावधानों के तहत और रोटेशनल हेडशिप के लिए बनाए गए कानून के तहत और पत्र संख्या-बीएसयू-26/2008-2155/जीएस (1) दिनांक- 30.06.2008 के आलोक में, कुलपति ने प्रो .(डॉ.) मजहर किबरिया, उर्दू विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को तीन साल के लिए या सेवानिवृत्ति की तारीख तक जो भी पहले हो, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

हत्या के प्रयास मामले में सजा एवं अर्थदंड

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम नीरज कुमार(प्रथम) ने खैरा नगरा(ओपी) थाना कांड संख्या 63/ 2009 के सत्र वाद संख्या 496/ 2009 में मढ़ौरा थाना के नेरूआ निवासी अजय राय को अंदर दफा 307 भादवी में 10 साल कठोर सशर्म कारावास एवं दस हजार अर्थदंड अर्थ दंड नहीं देने पर अतिरिक्त छह माह साधारण कारावास की सजा सुनाई है। बताते चले की 27 जून 2009 को थाना के सूचक कादीपुर नवीगंज टोले निवासी कन्हैया राय ने प्राथमिकी की दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने दशार्या था कि 27 जून 2009 को वे अपने घर में अपने मिस्त्री को खाना खिला रहे थे। तभी उनका फुआ का लड़का कहीं से खा पीकर उनके घर पर आया और दरवाजा खोलने लगा। जिसे उन्होंने विरोध किया तो वह दाब से जान मारने की नीयत से उनके गर्दन पर चला दिया जो दाब उनके सीने पर लगा। घायल अवस्था में घर के लोग थाना पर ले और वहां से स्वास्थ्य केंद्र में उनका उपचार हुआ। अभियोजन की ओर से डॉक्टर और अनुसंधान कर्ता सहित कुल नौ गवाहों की गवाही न्यायालय में कराई गई। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक दीपक कुमार और बचाव पक्ष की ओर से सुग्रीव प्रसाद ने न्यायालय में अपना अपना पक्ष रखा। पुलिस द्वारा 21 जुलाई 2009 को अंतिम प्रपत्र न्यायालय में दाखिल किया गया था।

दीपावली व छठ महापर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार को देर शाम सीओ रजत कुमार वर्णवाल की अध्यक्षता में दीपावली व छठ महापर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक दौरान सीओ श्री वर्णवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रखंड में शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगामी दीपावली व छठ महापर्व को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां की जा रही है । स्थानीय प्रशासन द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर एहतिहातन सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे । उन्होंने आगामी पर्व के दौरान शांति व्यवस्था एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण को बनाये रखने के लिए सभी उपस्थित सदस्यों से महत्वपूर्ण सुझाव मांगा ।सीओ ने पूजा समिति , शांति समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि छठ घाट पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था,साफ-सफाई,गोताखोर की उपलब्धता,पुलिस बल का आवश्यकता अनुसार प्रतिनियुक्ति, यातायात पर नियंत्रण एवं किसी भी समस्या के निदान के लिए स्थानीय प्रशासन के तरफ से हर संभव सहायता पहुंचा जायेगा ।सीओ ने बेरिकेडिंग की व्यवस्था,खतरे वाले जगह पर लाल रंग की पट्टिकाओं का अधिष्ठापन,सभी छठ पूजा घाट पर व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था,अग्निशामक वाहनों को अलर्ट मोड में रखने,छठ के सभी घाटों पर मेडिकल की व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश दिया ।

थानाध्यक्ष ललन कुमार ने कहा कि असामाजिक व उपद्रवी तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी । उन्होंने कहा कि विधि- व्यवस्था संधारण को लेकर सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जायेगी । छोटी-छोटी घटनाओं पर भी प्रशासन की पैनी नजर रहेगी । श्री कुमार ने कहा कि असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों को चिह्नित कर उनपर कड़ी नजर रखी जायेगी । उन्होंने कहा कि अशांति एवं अफवाह फैलाने वाले तत्व चाहे कोई भी हो,उन्हें बख्शा नही जायेगा । इस बैठक में सर्वप्रथम शांति समिति के सदस्यों एवं जन प्रतिनिधियों की ओर से दीपावली व छठ पूजा को लेकर कई तरह की समस्याओं को उठाया गया तथा सुझाव भी दिए । जिस पर अधिकारियों ने सभी सुझावों को सुनते हुए उसे हरहाल में पूरा करने का आश्वासन दिया ।मौके पर नगर परिषद सभापति मनोरंजन सिंह,ईओ जमाल अख्तर अंसारी,मदन वैश्य, मुन्ना सिंह,पूर्व सभापति गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

भोजपुर पुलिस की बड़ी उपलब्धि, डकैती कांड के 01 आरोपी एवं अवैध हथियार के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । एएसपी परिचाय कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि संदेश थाना कांड सं0-233/24 दि०-13.08.24 धारा-310(2)/311/109 भा०न्या०सं० एवं 27 आर्म्स एक्ट के वांछित / फिरार अभियुक्त शंभू कुमार यादव पे०-अजय यादव सा०-इकवारी थाना-सहार जिला-भोजपुर को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि संदेश थानान्तर्गत ग्राम बडिया में कुछ व्यक्ति हथियार लहरा रहे हैं तथा किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इस संबध में त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष संदेश को आसूचना का सत्यापन, अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं हथियार बदरामगी हेतु निर्देशित किया गया। उक्त के सत्यापन हेतु थाना की गश्ती गाडी ग्राम बडिया पहुंची तथा 01 अवैध देशी कट्टा एवं 01 जिन्दा कारतूस के साथ राजेन्द्र यादव पे०-जुगुत उर्फ जुगु यादव सा०-बडिया थाना-संदेश जिला-भोजपुर को गिरफ्तार किया गया।

इस संबंध में संदेश थाना कांड सं0-306/24 दि0-25.10.24 धारा-25 (1-बी) ए आर्म्स एक्ट अन्तर्गत दर्ज किया गया।आर्म्स एक्ट में बरामद समान जिन्दा कारतूस-01 देशी कट्टा-गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता :- डकैती में गिरफ्तारी आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने भारी मात्रा में बरामद किया शराब

दावथ (रोहतास) शनिवार को पुलिस ने थाना क्षेत्र के मलियाबाग के समीप सेमरी मोड़ के पास कार मे रखे शराब के भारी खेप को जब्त किया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष दावथ कृपाल जी ने बतलाया कि मद्य निषेध इकाई पटना के द्वारा प्राप्त सूचना के आलोक में एक सिल्वर रंग का फ्३२ल्ल्,१ र्फ्ी इफ०1ढड 0590 से रॉयल स्टेज 750एड का कुल 148पीस, रॉयल स्टेज 180एमएल का कुल 122_ड्ढ३१ शराब.अजय कुमार पिता धरीक्षण राय ग्राम धर्मपुरा थाना मीनापुर जिला मुजफ्फरपुर ,राजेश कुमार पे रामधन शर्मा ग्राम शंकर गार्डन थाना बहादुरगढ़ जिला झज्जर ,अमित कुमार पिता मदन कुमार पंडित ग्राम बुपानिया थाना बादली जिला हरियाणा एवं रंजीत उर्फ पिंटू सहनी पिता सिताई सहनी ग्राम निपनी ,थाना जिला सीतामढ़ी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस मामले में अग्रेत्तर कारवा कारवाई कर रही है।

आरा में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा हिंदी माह का समापन समारोह का हुआ आयोजन

आरा। मंडल कार्यालय आरा में राजभाषा समापन समरोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल प्रमुख श्री संदीप डोंगरे के नेतृत्व में की गयी। समारोह में उप मंडल प्रमुख श्री आर. के. राय, मुख्य प्रबंधक श्री शम्भु महतो, मु.प्र. आशीष कुमार, मु.प्र. श्री एस.के सिन्हा, शस्त्र प्रमुख, मु.प्र श्री राजेश कुमार एवं मंडल कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। मंडल कार्यालय आरा में पूरे सितम्बर हिंदी माह का आयोजन किया गया, इस दौरान विभिन्न प्रतियोगताओं अर्थात हिंदी टाइपिंग, राजभाषा प्रश्नोत्तरी तथा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, वाद-विवाद, सुलेख तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। समापन समरोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर हमारे मंडल प्रमुख ने हिंदी की महत्ता को स्वीकार करते हुए बैंकों में हिंदी को प्रयोग में कैसे लाया जाए इस पर अपने विचार व्यक्त किए तथा समस्त स्टाफ सदस्यों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित किया तथा आंतरिक कामकाज में हिंदी में नोटिंग-ड्राफ्टिंग को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित कियो वहीं मु.प्र. श्री एस. के सिन्हा तथा मु.प्र श्री शंभु महतो ने भी अपने व्याख्यान में हिंदी को जन-जन की भाषा कहा तथा बैंकिंग कारोबार में भाषा के महत्व को स्वीकारा समारोह में अनुपालना विभाग से श्री मनोज कुमार, परिचालन विभाग से श्री सुजीत कुमार तथा ऋण विभाग से श्री मनीष कुमार माधव ने कविता पाठ किया।

सड़क पार कर रहे किसान को ट्रक ने कुचला इलाज के लिए ले जाने के दौरान हुई मौत

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र के पटना-बक्सर फोरलेन पर कुल्हड़िया गांव के समीप मवेशी का चारा लेकर सड़क पार कर रहे एक किसान को विपरीत दिशा से आ रही एक पार्सल ट्रक ने जोरदार ठोकर मार दी। इस घटना में किसान बुरी तरह जख्मी हो गया। आनन फानन में उसे पीएचसी कोईलवर लाया गया जहाँ से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा ले जाया गया जहां उसकी स्थिति गम्भीर देखते हुए उसे पटना रेफर कर दिया। पटना ले जाने के क्रम में उसकी रास्ते मे ही मौत हो गयी।

मृतक की पहचान कुल्हड़िया के नजदीक धनडीहा पंचायत के वार्ड 01 कुबेरचक निवासी सूचित राय के 56 वर्षीय पुत्र महेंद्र राय के रूप में की गई है। घटना के वक्त मृतक खेत से अपने पशु के लिए चारा लेकर आ रहा था और सड़क पार कर रहा था। तभी उल्टी दिशा से आ रहे पार्सल वाहन ने उन्हें ठोकर मार दी। जिससे वो गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन फानन में उन्हें पीएचसी कोईलवर लाया गया जहाँ से उन्हें बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर ने आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वही उनकी स्थिति चिंताजनक देखते हुए आरा से भी उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। पटना ले जाने के क्रम में उसकी रास्ते मे ही मौत हो गयी। जिससे गुस्साए ग्रामीणों ने शव के साथ पटना-बक्सर फोर लेन को जाम कर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे। करीब 3 घंटे जाम के बाद स्थानीय पुलिस के समझाने बुझाने पर जाम समाप्त हुआ।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम(रोहतास) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, सचिव के साथ निर्वाचक सूची के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के आलोक में निर्वाचक सूची को शुद्ध एवं अद्यतीकृत करने के उद्देश्य से 01जनवरी 2025 के आधार पर निर्वाचक सूची का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 29 अक्टूबर 2024 को किया जाना है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप प्रकाशन की तिथि के 28 नवंबर 2024 तक निर्वाचक नामावली में परिवर्द्धन, विलोपन एवं संशोधन के लिए क्रमशः प्रारूप-6, प्रारूप 7 एवं प्रारूप 8 में आवेदन दिये जा सकते हैं। इस प्रकार प्राप्त आवेदनों के निष्पादनोपरांत दिनांक 06 जनवरी 2025 को निर्वाचक सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 01 जनवरी के साथ-साथ 01 अप्रैल, 01 जुलाई, 01 अक्टूबर को अर्हता तिथि के रूप में मान्यता दी गई है अर्थात यदि कोई व्यक्ति 01 अप्रैल को अथवा 01 जुलाई अथवा 01 अक्टूबर को 18 साल की उम्र पूरी कर लेता है तो वह भी प्रारूप-06 के माध्यम से परिवर्द्धन हेतु आवेदन दे सकेगा।

दावा आपत्ति प्राप्त अवधि में निर्वाचक सूची में सभी व्यक्तियों का नाम जोड़ने, विस्थापित तथा मृत व्यक्तियों का विलोपन तथा अशुद्ध प्रविष्टियों के संशोधन हेतु दिनांक 02 नवंबर 2024, 03 नवंबर 2024, 23 नवंबर 2024 एवं 24 नवंबर 2024 को विशेष अभियान दिवस का संचालन किया जायेगा। जिसमें सभी बी०एल०ओ० उक्त निर्धारित तिथियों को अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर कार्यालय अवधि में सभी आवश्यक प्रपत्रों के साथ उपस्थित रहेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के पूर्व गतिविधि अंतर्गत मतदान केन्द्रों के युक्तिकरण के तहत 207-चेनारी विधानसभा में 03, 208 सासाराम में 02, 209-करगहर में 02 एवं 211-नोखा विधानसभा में 03, कुल 10 नये मतदान केन्द्र बनाये गये है। इस प्रकार अब रोहतास जिला में कुल मतदान केन्द्रों की संख्या 2354 से बढ़कर 2364 हो गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा विधानसभावार मतदान केन्द्रों तथा मतदान केन्द्रस्तरीय पदाधिकारियों की अद्यतन सूची सभी राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष और सचिव को उपलब्ध करा दी गई है। वर्तमान में रोहतास जिला के सभी 07 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 1179972 पुरुष निर्वाचन, 1082054 महिला निर्वाचक एवं 60 तृतीय लिंग निर्वाचक हैं। इस प्रकार रोहतास जिला का निर्वाचक सूची में लिंगानुपात 917 है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामांकन को पारदर्शी, शुद्ध एवं सरल तरिके से संचालित करने सभी को भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाने पर विशेष बल दिया गया है। उक्त बैठक में आम आदमी पार्टी के अरूण केशरी, बहुजन समाज पार्टी के एस० अमीर एकबाल, भारतीय जनता पार्टी के अशोक साह, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्ससिस्ट) के मो० सत्तार अंसारी, इण्डियन नेशनल कांग्रेस के कन्हैया आदि थे।

भारत स्काउट और गाइड रोहतास द्वारा एक दिवसीय हाइक का आयोजन स्काउट गाइड प्रशिक्षण से चरित्रिक निर्माण होता है :डीपीओ

प्रातः किरण संवाददाता

कोचस(रोहतास) : बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड बुद्ध मार्ग पटना जिला रोहतास के तत्वावधान में एक दिवसीय हाइक का आयोजन 25 अक्टूबर 2024को श्री गंगा पासवान अनु जाति उच्च माध्यमिक विद्यालय कोचस, रोहतास में जिला संगठन आयुक्त, स्काउट अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रोहतास रविंद्र कुमार उपस्थित हुए, और विशिष्ट अतिथि में प्रधानाध्यापिका विमला कुमारी उपस्थित रहीं। यह कार्यक्रम स्काउट्स और गाइड्स को प्रकृति से जोड़ने, साहसिकता को बढ़ावा देने और सामुदायिक भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में सभी स्काउट और गाइड अलग अलग टोली में बिहार का मुख्य भोजन के साथ बिभिन्न व्यंजन बनाया इसमें उत्साह के साथ भाग लिया।

इस हाइक में प्रतिभागियों को न केवल शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का अवसर मिलेगा, बल्कि वे प्रकृति की सुंदरता का आनंद भी ले सकेंगे। इसके साथ ही, यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इस कार्यक्रम में स्काउट और गाइड के साथ अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों को इस विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के स्काउट मास्टर तेज नारायण सिंह, गाइड कैप्टन मधु कुमारी एवं विद्यालय के शिक्षक नरोत्तम चतुर्वेदी, भूपेश नाथ गोस्वामी तथा विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे और गुलाब टोली,कमल टोली, रानी लक्ष्मी वाई टोली सूर्यमुखी टोली के रौशनी कुमारी , बेबी कुमारी , मधु कुमारी,करुणा कुमारी, प्रियांशु कुमारी, दुर्गा कुमारी, मोहिनी कुमारी, ज्योति कुमारी,अंजलि पाठक,महात्मा गाँधी, भगत सिंह, शेर टोली के सत्यम पटेल, अमरजीत कुमार, अमित कुमार, मोहित कुमार,गुलशन राज,बादल कुमार, अंकुश कुमार के साथ 60स्काउट गाइड उपस्थित हुए।

अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तीन पर प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण, संवाददाता

दिनारा(रोहतास) ।कनीय विद्युत अभियंता दिनारा आनंद कुमार के नेतृत्व में एक जांच दल का गठन किया गया ।जांच दल द्वारा अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तीन पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।बताते चले कि बकायेदार उपभोक्ताओं के विद्युत विपत्र की राशि बकाया रहने के कारण विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विद्युत कनेक्शन काट रही है ।परंतु कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा किए अवैध रूप से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा की चोरी करने लग रहे हैं ।इसी बीच ग्राम अमुआ के उपभोक्ताओं के बकाया पर विद्युत कनेक्शन कटने के पश्चात अवैध रूप से तार जोड़कर जलाने को लेकर शिवजी सिंह पर 53 हजार 547, कामेश्वर सिन्हा पर 35 हजार 701 रुपए दंडित राशि लगायी गई है ।आगे बताते चलें कि बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर ललन पांडेय पर 20 हजार 734 रुपए जुमार्ना लगाया गया है ।कनीय विद्युत अभियंता आनंद कुमार द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके बकाया पर लाइन कटा हुआ है वो अपना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें ।सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार द्वारा बताया गया कि जो उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं ।वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति अवर

सेमिनार सह पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित की गई

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज शहर के पटेल नगर स्थित टकसे कार्यालय में सेमिनार सह पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित की गई । जिस कार्यक्रम का आयोजन टकसे सर्विस मॉल प्राईवेट लिमिटेड शाखा बिक्रमगंज के जोनल हेड कुमार विशाल की अध्यक्षता में की गई । जानकारी देते हुए बिक्रमगंज शाखा के जोनल हेड कुमार विशाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया अभियान के तहत टकसे सर्विस मॉल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने स्मार्ट मोबाइल ग्राहक सेवा केंद्र की शुरूआत की है ।जिसका मुख्य उद्देश्य सरकार और जनता के बीच की खाई को कम करना और उनके बीच की समस्याओं को खत्म करना ही मुख्य लक्ष्य है ।उन्होंने कहा कि टकसे ऐप की मदद से अब भारत के हर गांव में स्मार्ट मोबाइल ग्राहक सेवा केंद्र खुलेंगे जिस मिशन की शुरूआत सबसे पहले बिहार में ही की गई है ।बताया कि अब लोगों को ऑनलाइन काम करवाने या फॉर्म भरने के लिए गांव से बाजार जाने की जरूरत नहीं है ।टकसे के बिजनेस पार्टनर की मदद से उन्हें बाजार से कम कीमत पर और बिना समय बर्बाद किए अपने गांव में ही सेवा मिल जाएगी । स्मार्ट मोबाइल ग्राहक सेवा केंद्र के लिए कंप्यूटर ज्ञान और बड़ी ट्रेनिंग की जरूरत नहीं होती है ।इसलिए गांव या छोटे शहरों का कोई भी व्यक्ति इन सभी सेवाओं का लाभ उठा सकता है और राशन कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, जीएसटी, इनकम टैक्स और 100 से ज्यादा सेवाओं के लिए सरल और प्रभावी तरीके से आवेदन कर सकता है ।तत्पश्चात जोनल हेड कुमार विशाल ने कार्यक्रम में शामिल सभी मीडिया की टीम को अंगवस्त्र से सम्मानित किया ।मौके पर जोनल हेड कुमार विशाल , मीडिया कर्मी सहित कई लोग मौजूद थे ।

अज्ञात चोरों ने की मध्य विद्यालय डिहरा (कन्या) में चोरी , प्राथमिकी दर्ज

काराकाट(रोहतास) । काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय डिहरा (कन्या) में अज्ञात चोरों के द्वारा दरवाजा तोड़कर चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है ।जानकारी देते हुए उक्त विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका मंजू कुमारी ने बताया कि जब मैं विद्यालय आई तो देखी की विद्यालय का दरवाजा टूटा हुआ है ।तो पाया गया कि विद्यालय से अज्ञात चोरों के द्वारा मोटर ,पाइप एवं दो स्टैंड पंखा चोरी कर ली गई है ।जिस मामले में अज्ञात चोरों के विरुद्ध स्थानीय थाना में संबंधित मामला में प्राथमिकी दर्ज कराया गया है ।प्रभारी प्रधानाध्यापिका ने बताया कि इसके पूर्व में भी विद्यालय से अज्ञात चोरों के द्वारा चापाकल की चोरी कर ली गई थी ।उसके बाद विद्यालय में ये दूसरी वारदात अज्ञात चोरों के द्वारा कर दी गई ।इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष दया शंकर साह ने बताया कि उक्त विद्यालय में चोरी की घटना को लेकर लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है ।जिस मामले में कांड दर्ज करते हुए स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जूट गई है ।

पूर्व प्रमुख की तेरहवीं पर पहुंचे पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक

दावथ/रोहतास (रोहतास) प्रखंड के पहले पूर्व प्रमुख जगनारायण सिंह की तेरहवीं पर बिहार सरकार में रहे पूर्व उद्योग मंत्री जयकुमार सिंह तथा पूर्व विधायक सुर्यदेव सिंह पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। ज्ञात हो कि संयुक्त प्रखंड दावथ एवं सुर्यपुरा के पहले प्रमुख की निधन लगभग पचासी वर्ष की उम्र में उनके पैतृक गांव दावथ सहादत डिहरा में हुई थी। शनिवार को तेरहवीं का कार्यक्रम किया गया,जिसमें जिला एवं प्रदेश स्तर के की गणमान्य लोग शामिल हुए ।पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह ने कहा कि प्रमुख साहब एक कर्मठ व्यक्ति थे तो वहीं पुर्व विधायक सुर्यदेव सिंह ने कहा कि प्रमुख साहब एक अभिभावक के रुप में रहे।इस अवसर पर गंगा प्रसाद कुशवाहा, ज्योति कुशवाहा अध्यक्ष उसरी पैक्स, सतेन्द्र सिंह मंत्री, गुड्डू तिवारी, मनोज कुमार सिंह,बिडीसी प्रतिनिधि,शिक्षक श्री भगवान प्रसाद,प्रमोद कुमार सिंह,मुन्नु सिंह,विजय सिंह,सचिता सिंह,अंगद सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष, पैक्स अध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छठ महापर्व को लेकर तालाब की साफ- सफाई सहित अन्य कार्यो में तेजी आ गई

काराकाट(रोहतास) : काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देव मार्कण्डेय निज ग्राम में आगामी कार्तिक छठ महापर्व को लेकर तालाब की साफ- सफाई सहित अन्य कार्यों में तेजी आ गई है ।साथ ही सूर्य मंदिर व छठ पूजा घाटों के रंग-रोगन का भी कार्य तेजी से चल रहा है ।देव मार्कण्डेय गांव से थोड़ी ही दूरी पर सभी गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था पूजा समिति की ओर से की जा रही है ।जिसमें छठ व्रतियों को आने व जाने में किसी तरह की कोई भी परेशानी नहीं हो ।जिसको लेकर पूजा समिति की ओर से सारे कार्य किए जा रहे है ।उक्त जगहों पर टेंट,पंडाल,लाइट, पेयजल, चेंजिंग रूम आदि की पूरी व्यवस्था पूजा समिति की ओर से की जाएगी ।इसकी जानकारी उक्त गांव के रहने वाले शिक्षक आनंद कुमार सिन्हा ने दी ।

वार्ड सदस्यों ने किया प्रशिक्षण का बहिष्कार कहा-3 साल से नहीं मिला कोई विकास फंड

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : काराकाट प्रखंड सभागार भवन में आयोजित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत हो रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ग्राम पंचायत के उपमुखिया एवं वार्ड सदस्यों ने बहिष्कार कर दिया। वार्ड सदस्यों ने सरकार और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उपमुखिया अशोक कुमार सिंह ने कहा कि चुनाव होने को तीन साल पूरा होने जा रहा है, लेकिन वार्ड सदस्यों को कोई भी विकास कार्य करने का फंड नही मिला। जब सरकार हमें काम करने ही नहीं देगी तो प्रशिक्षण का क्या मतलब।

पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि हम लोगों को वार्ड में जीते तीन साल हो गये, लेकिन अभी तक सरकार की योजनाओं का कोई कार्य या फंड नहीं मिला, ना ही वार्ड सदस्यों की कोई भूमिका मिली है, ना ही किसी पदाधिकारी द्वारा योजनाओं की जानकारियां दी जाती है। जिसके बाद विरोध जाता रहे सभी वार्ड पार्षदों ने बीडीओ राहुल कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। बीडीओ ने बताया की वार्ड पार्षदों द्वारा दिए गये लिखित आवेदन को जिला में भेजा जाएगा । वार्ड पार्षद को प्रशिक्षण का बहिष्कार नही करना चाहिए था। प्रशिक्षण की बहिष्कार करने में बेनसागार पंचायत उपमुखिया अशोक कुमार सिंह, वार्ड पार्षद नन्दजी कुमार, अशोक कुमार, ललिता कुमारी, शरीता देवी, सुल्तान अंसारी, शांति देवी, निर्मला देवी, पुष्प रंजन सहित कई पंचायतों के दर्जनों वार्ड सदस्य शामिल थे ।

बाल विज्ञान प्रदर्शनी के दो दिवसीय आयोजन का किया गयाउद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा, स्थानीय ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय में बाल विज्ञान प्रदर्शनी के दो दिवसीय आयोजन का उद्घाटन बड़े धूम-धाम के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि स्वरूप पधारे प्रो. रणविजय, भाई ब्रह्मेश्वर, डॉ. एस. के. रूंगटा, प्रो. नीरज, डॉ. कुमार जितेन्द्र, डॉ. सविता रूंगटा, डॉ. अन्नपूर्णा प्रसाद के साथ विद्यालय के निदेशक डॉ. आदित्य बिजय जैन, प्राचार्या डॉ. सीपी जैन, डॉ. हर्षित जैन, अरिहन्त, सिद्ध, जिनवाणी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही आकाश की उंचाईयों को छूने की तमन्ना लेकर खुले आकाश में गुब्बारे छोड़े गये।

उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ. आदित्य बिजय जैन ने इस आयोजन की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्यालय के वर्ग नर्सरी से 12वीं तक के सिलेबस पर आधारित सभी विषयों पर प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। डॉ. जैन का कहना है कि विज्ञान केवल भौतिकी, रसायन अथवा जीव विज्ञान तक ही सीमित नहीं है बल्कि किसी भी विषय का विशेष ज्ञान ही विज्ञान है। इसके अन्तर्गत विज्ञान के अतिरिक्त, हिन्दी, संस्कृत, समाज विज्ञान, भूगोल, इतिहास आदि सभी विषयों को इस प्रदर्शनी में सम्मिलित किया गया है।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रणविजय ने अपने उद्बोधन में कहा की यह विद्यालय पारस पत्थर की तरह है। जो भी विद्यार्थी यहां आते हैं वो स्वर्ण रूप में निखर जाते हैं। भोजपुर ही नहीं पूरे शाहाबाद में ज्ञान ज्योति और जिनवाणी मैनेजमेन्ट कॉलेज का सफल संचालन गर्व की बात है। आज के विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की उत्सकता भी भागीदारी को देखते हुए सुनीता विलियम्स और कल्पना चावला की तरह उड़ान भरते हुए इस विद्यालय का नाम पूरे ब्रह्माण्ड में रौशन होगा। साथ ही बिहार की गौरवगाथा बताने वाले स्टॉल से प्रभावित होकर उस ग्रुप के शिक्षकों की भूरी भूरी प्रशंसा किया।

भाई ब्रह्मेश्वर ने आज के इस प्रदर्शनी में भाग ले रहे बच्चों के ज्ञान और प्रदर्शन तकनीक से प्रभावित होकर कहा कि यहां के बच्चे भी मिसाईलमैन डॉ. कलाम के पदि्चन्हों पर चलकर प्रतिभाशाली हो सकते हैं। विद्यालय में गुरूकुल की तरह समर्पण भावना के साथ पूरे विद्यालय में एक पारिवारिक वातावरण दिखता है।

डॉ. एस. के. रूंगटा ने कहा कि छात्रों का उद्देश केवल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार जितना ही नहीं होना चाहिए अपितु सभी प्रकार के आयोजनों में भागदारी करना सबसे आवश्यक है। डॉ. रूंगटा ने अभिभावकों से भी अपील किया कि उन्हें अपने बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ सभी प्रकार के क्रिया कलापों में भागदरी अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।प्रो. नीरज सिंह ने कहा कि यहां ज्ञान और कला का अद्भूत संगम देखने को मिल रहा है। विभिन्न विषयों पर बच्चों द्वारा की गई तैयारी की प्रशंसा करते हुए नन्हे बच्चों द्वारा पंचायति राज, मानवाधिकार, उपभोक्ता संरक्षण कानून आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्वजनिक रूप से विद्यार्थियों द्वारा प्रकाश डालना विद्यालय हित, देशहित, समाहित, राष्ट्रहित, नागरिक हित में अति लाभकारी है।डॉ. सविता रूंगटा ने इतिहास का उदाहरण देते हुए बताया कि वैज्ञानिकों की जीवन भर का संघर्ष और सफलता प्राप्त करने पर वह इतिहास बनता है और सदियों तक याद किया जाता है।

डॉ. कुमार जितेन्द्र ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर कहा कि यहां ज्ञान और विज्ञान का अद्भूत सम्बन्ध है। विद्यालय परिवार द्वारा उत्तम प्रबन्धन किया गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोजपुर आरा की अध्यक्षता में किया गया बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आराःआगामी दिनांक 14 दिसंबर, 2024 को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोजपुर आरा, ब्रजेश कुमार मालवीय की अध्यक्षता में आज एक बैठक का आयोजन सभी न्यायिक पदाधिकारीगण के साथ किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, ब्रजेश कुमार मालवीय ने अधिक से अधिक सुलहनीय वादों का निष्पादन इस राष्ट्रीय लोक अदालत में हो सके इसके लिए उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारीगण से वर्तमान स्थिति से अवगत हुआ। साथ ही सभी न्यायालय को प्री काउंसलिंग के माध्यम से अधिक से अधिक सुलहनीय वादों के निष्पादन हेतु निर्देश भी दिया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गौतम कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलता पूर्वक आयोजन के लिए सभी न्यायालय से चिन्हित वादों की सूची की मांग की गई है तथा संबंधित विभाग को पत्राचार किया गया है।

डीएम ने जिला तंबाकू नियंत्रण समन्वय समिति की बैठक किया

तम्बाकू के सेवन से न सिर्फ सेहत पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है साथ ही आर्थिक नुकसान भी होता है:डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

अरवले जिला पदाधिकारी कुमार गौरव की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में जिला तंबाकू नियंत्रण आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि तम्बाकू के सेवन से न सिर्फ सेहत पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है साथ ही आर्थिक नुकसान भी होता है। तम्बाकू सेवन न करके जिंदगी के साथ-साथ आर्थिक नुकसान को भी बचाया जा सकता है। जिला पदाधिकारी ने तम्बाकू नियंत्रण हेतु छापामार दस्ता के सदस्यों को निदेशित किया कि शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में अवस्थित सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों को हटवाते हुए नियमित रूप से छापामारी करना सुनिश्चित करेंगे। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने-अपने कार्यालयों में तम्बाकू मुक्त क्षेत्र का बोर्ड लगाने का निदेश दिया गया।जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 के तहत की जाने वाली गतिविधियों में जिले के 160 विद्यालयों एवं 20 ग्राम पंचायतों को तम्बाकू मुक्त घोषित करने का निदेश केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा दिया गया है। इन गतिविधियों को ससमय संपादित कर अभियान को सफल करने के लिए हमें मिलकर प्रयास करना होगा ताकि हम अपने आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बचा सकते हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि समाज के आम लोगों के बीच जाकर लोगों को तंबाकू का सेवन नहीं करने हेतु प्रेरित एवं जागरूक करें, जिससे तंबाकू के सेवन को नियंत्रित किया जा सके। विदित हो कि सार्वजनिक स्थलों यथा सिनेमा हॉल, बस स्टैंड, सार्वजनिक सड़क, शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों सहित अन्य स्थानों पर धूम्रपान करना दंडनीय अपराध है। मौके पर सिविल सर्जन, तम्बाकू नियंत्रण के जिला नोडल पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक के साथ अन्य उपस्थित रहे।

जिला पदाधिकारी ने कृषि विभाग के सभी योजनाओं के समीक्षा की

■ डीबीटी पोर्टल पर किसान का निबंधन कराने का दिया गया निर्देश

अरवल। समाहरणालय परिसर में जिला पदाधिकारी कुमार गौरव की अध्यक्षता में कृषि विभाग के सभी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि डी०बी०टी० पोर्टल पर किसान का निबंधन अधिक से अधिक कराना सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत प्रखंड स्तर पर लंबित 232 आवेदनों का निष्पादन दो दिनों के अन्दर पूर्ण करने हेतु निदेशित किया गया। कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि डीजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य 93.02 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष सभी सर्वे का कार्य 31 अक्टूबर 2024 तक अचूक रूप से पूर्ण कर लिया जायेगा। जिला पदाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत क्रय किये गये किसानों के अनुदान का भुगतान एक सप्ताह में पूर्ण करने हेतु निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कृषि पदाधिकारी को लक्ष्यानुसार उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने संबंधी कृषि निदेशक, बिहार, पटना को अनुरोध पत्र भेजने हेतु निदेशित किया गया।फॉस्फेटिक उर्वरक की उपलब्धता शत-प्रतिशत एक सप्ताह के अन्दर करना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी द्वारा निदेशित किया गया कि धान फसल कटनी का फलाफल प्रतिवेदन पंचायतवार समयानुसार पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे ।

मंत्री ने किया ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

● लंबित आवास योजना को जल्द से जल्द पूर्ण करने का दिया निर्देश

प्रातः किरण संवाददात

अरवल। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में ग्रामीण विकास विभाग के योजनाओं से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा मंत्री को पौधा देकर अभिवादन किया गया। इस दौरान ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत चल रहे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना (कलस्टर), मुख्यमंत्री वास स्थल क्रय सहायता योजना, इंदिरा आवास योजना, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, महात्मा गाँधी नरेगा एवं वृक्षारोपण अभियान, जल जीवन हरियाली योजना, जीविका इत्यादि से संबंधित विकास कार्यों का जायजा लिया गया एवं जरूरी निदेश दिये गये। मंत्री द्वारा निदेश दिया गया कि सभी लंबित आवास योजना को जल्द से जल्द पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा डीपीएम जीविका को निदेशित किया गया कि सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत पशुपालन, मूर्गी पालन, सुअर पालन, बकरी पालन इत्यादि पर विशेष बल दिया गया। सभी प्रोग्राम पदाधिकारी मनरेगा को निदेशित किया गया कि नई योजनाओं के साथ-साथ पहले से चली आ रही योजनाओं पर भी समानांतर रूप से ध्यान दें।

साथ ही सभी पंचायतों में खेल मैदान बनाने हेतु आवश्यक कारवाई की जाए। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत सर्वेक्षण कर वैसे परिवारों की सूची की माँग की गई है जिनके पास शौचालय हेतु जमीन भी उपलब्ध नहीं है। अंत में माननीय मंत्री जी द्वारा जिले में हो रहे विकास कार्य की सराहना की एवं कमियों को दूर कर अरवल जिले के रैंकिंग में सुधार लाने हेतु सुझाव दिए गए। इसी क्रम में माननीय मंत्री द्वारा आवास योजना के लाभार्थियों को प्रतीक चाभी एवं स्वीकृति पत्र तथा सतत जीविकोपार्जन के लाभार्थियों को चेक वितरण किया गया। बैठक में बंदोबस्त पदाधिकारी, उपविकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी के साथ अन्य उपस्थित रहे।

मारपीट मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।थाने की पुलिस ने मारपीट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी बजरंगी पासवान उर्फ सुरेंद्र पासवान मारपीट के मामले में वांछित था.

इसी महीने 10 तारीख को मारपीट के मामले में इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था. उन्होंने बताया कि सुरेंद्र एवं उसके परिवार वालों ने मिलकर पड़ोस के रहने वाले एक व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया था।

आरोप है, कि उसने धारदार हथियार से पीड़ित पर हमला किया था. घटना को लेकर पीड़ित के द्वारा केस दर्ज किया गया था.

सारण में आवाज दो मुहिम में महिलाओं और बच्चियों के सुरक्षा पर विशेष कदम:एसपी

प्रातः किरण संवाददात

छपरा।सारण पुलिस ने महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आवाज दो मुहिम की शुरूआत की है. यह पहल सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष की देखरेख में सारण पुलिस और जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से चलाई जा रही है.डॉ. आशीष ने मई 2024 में सारण में पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालने के बाद विवाह के लिए अपहरण के 99 घटनाओं का संज्ञान लिया और तत्परता से इन मामलों में संवेदनशीलता के साथ अनुसंधान कर अपहृत बच्चियों और युवतियों को सुरक्षित घर वापस लाने का संकल्प लिया.आवाज दो मुहिम महिलाओं और बच्चियों को अपराधियों के जाल से बचाने उन्हें समय पर कानूनी सहायता उपलब्ध कराने, और समाज में उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है.मुहिम का मुख्य फोकस उन बच्चियों और युवतियों पर है जो सोशल मीडिया के आकर्षण के चलते अपराधियों के निशाने पर आ जाती हैं.सोशल मीडिया की दुनिया, जहाँ बच्चियाँ फोटो या वीडियो पोस्ट करती हैं, वहाँ अपराधी एआई और डीपफेक तकनीक का उपयोग कर उनकी तस्वीरों को आपत्तिजनक सामग्री में बदलकर उन्हें ब्लैकमेल करते हैं.

जिले के गांधी मैदान में एपीएल क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया

■ जिले के प्रभारी मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया

प्रातः किरण संवाददात

अरवल। पटना ग्रामीण के भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी अमित राय के द्वारा अरवल के गांधी मैदान में एपीएल क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया । इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री सह अरवल जिले के प्रभारी मंत्री हरि साहनी भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया । अंधारी और दाउदनगर प्रथम मैच में दाउदनगर ने बैटिंग करते हुए 85 रनों का लक्ष्य दिया जिसमे अंधारी के टीम ने 8ओवर में सात विकेट से हरया और सेमी फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित किया मैन ऑफ द मैच लालू जी रहे। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने धान अधिप्राप्ति कार्य के लिए जिला ट्रांसपोर्ट की बैठक की

प्रातः किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम की अध्यक्षता में खरीफ विपणन मौसम 2024- 25 के अंतर्गत धान अधिप्राप्ति कार्य के लिए जिला ट्रांसपोर्ट की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में की गई है।डीएम ने कहा कि धान अधिप्राप्ति हेतु पैक्स एवं व्यापार मंडल चयन तेजी से करें। सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी का पूर्ण जिम्मेदारी है कि अपने क्षेत्र में पैक्स रजिस्ट्रेशन के लिए प्रतिवेदन उपलब्ध करवाएंगे। 15 नवंबर से धान अधिप्राप्ति का कार्य पूरे बिहार में शुरू हो जाएगा, इसके लिए किसानों को जागरुक करना बेहद जरूरी है, ताकि तेजी से अधिक से अधिक किसान निबंधित हो सके और उनका धान क्रय किया जा सके।

उन्होंने कहा कि मिल रजिस्ट्रेशन का कार्य भी तेजी से अगले सात दिनों के अंदर सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता के माध्यम से राइस मिलो का जांच करवाते हुए रजिस्ट्रेशन का कार्य प्रारंभ करवाये। उन्होंने कहा कि पैक्स का चयन, व्यापार मंडल का चयन एवं मिल रजिस्ट्रेशन के लिए सहकारिता विभाग के जो भी नियम है उसी के अनुरूप करवाये। उन्होंने कहा कि विभाग के गाइडलाइन के अनुसार विद्युत संचालित राइस मिल को ही इस बार पैक्स के साथ टैग किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पैक्स गोदाम के अतिरिक्त जो भी अन्य गोदाम में धान को स्टोर रखना है उसके लिए अभी से ही चिन्हित करते हुए जांच करते हुए एकरारनामा करवाये। सभी गोदामो में नमी मापने की व्यवस्था हर हाल में रखनी होगी। डीएम ने कहा कि विभाग स्तर से जो भी टारगेट तय होगा, उसे हर हाल में अच्चीव करना होगा। सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी का व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगा कि धान अधिप्राप्ति में कोई कार्य धीमा नहीं रखें, सभी तैयारी समय अवधि में पूर्ण करवाये। डीएम ने वर्ष 2023-24 में हुए धान अधिप्राप्ति के संबंध में जानकारी लेने पर जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 15 पैक्स से राशि का रिकवरी करवा लिया गया है। शेष 09 पैक्स पूरी तरह डिफाल्टर घोषित हुए हैं, इन पैक्सों को अंतिम 30 अक्टूबर तक राशि जमा कराने का आदेश दिया गया है। उसके बाद भी राशि जमा नही करने पर सर्टिफिकेट केस एव प्रार्थमिकी दर्ज की जाएगी। विशेषकर धरहरा पैक्स, गुनेरी, असलेमपुर, केर, सारसू एव पुनाकला पैक्स शामिल है।

जिला पदाधिकारी ने कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिया है कि 30 अक्टूबर के बाद हर हाल में सर्टिफिकेट केस दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई प्रारंभ करें इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जीएम एसएफसी, सभी प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जन्मजात दोष और विकृतियों पर स्टॉफ नर्स एवं चिकित्सा पदाधिकारियों का हुआ जिला स्तरीय प्रशिक्षण

● जन्म के समय ही रोगग्रस्त बच्चों की करें पहचान- डॉ विजय कुमार

प्रातः किरण संवाददात

बेतिया(घनश्याम)।राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बेतिया के एक निजी सभागार में सिविल सर्जन सह सदस्य सचिव डॉ विजय कुमार एवं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा की अध्यक्षता में बच्चों में होने वाले जन्मजात दोष और विकृतियों की पहचान के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में पश्चिमी चंपारण जिला के सभी प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा अनुमंडल अस्पताल बगहा, नरकटियागंज से आए हुए चिकित्सा पदाधिकारी तथा प्रसव केंद्र पर कार्यरत लेबरइंचार्ज ने भाग लिया।

सिविल सर्जन डॉ विजय कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मूल मुख्य उद्देश्य जन्म होते ही दोष अथवा विकृति वाले बच्चों की पहचान हो, ताकि जल्द से जल्द ऐसे बच्चों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकें। वहीं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ चंद्रा ने कहा की लोगों के बीच आरबीएसके के बारे मे जागरूक किया जाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया की ऐसे बच्चों को पहचान करना ही आरबीएस के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने चिकित्सकों को सेवा भावना से कार्य करने का सुझाव दिया। आरबीएसके के समन्वयक रंजन मिश्रा ने कहा कि इस प्रशिक्षण का आयोजन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के द्वारा किया गया है।

इसका मुख्य उद्देश्य वैसे बच्चे को चिन्हित करना है जिन्हें जन्म से हृदय में छेद, तालु एवं कटे होठ, सर असामान्य रूप से बड़ा होना, पैर का विकृत होना इत्यादि हो, ऐसे बच्चों को समय पर चिह्नित करते हुए बिहार सरकार के उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में भेज कर उपचार कराया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वह लोग लाभान्वित होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर है।

मौके पर सीएस डॉ विजय कुमार, एसीएमओ डॉ रमेश चंद्रा, डीपीसी अमित कुमार, जिला महामारी रोग पदा. आर एस मुन्ना, डॉ मनीष कुमार, डॉ विकास कुमार, डॉ विजय कु गुप्ता, सिफार जिला प्रतिनिधि सिद्धांत कुमार व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता से विरोधी महकमे में खलबली, हाताश होकर कर रहे बयानबाजी: डॉ जितेंद्र

प्रातः किरण संवाददात

गया। बिहार विधानसभा उपचुनाव को लेकर सभी दलों ने अपनी कमर कस ली है। इसी क्रम में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी अपने नेताओं के साथ मैदान में उतर चुके हैं। जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता ने विरोधी दल के महकमे में खलबली मचा दी है। और आरोप-प्रत्यारोप के सहारे अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रहे हैं।केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता से घबरा कर प्रशांत किशोर पर निराधार आरोप लगाते नजर आए हैं। जिसके बाद इमामगंज से जन सुराज के उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक कैबिनेट मंत्री का इस प्रकार का बयान उनकी हताशा को दशार्ता है। उन्होंने जीतन राम मांझी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे इस आरोप के लिए माफी नहीं मांगते हैं, तो जन सुराज उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। डॉ. जितेंद्र पासवान ने इस आरोप को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी गलत है और इससे लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। वहीं सभी आरोपों को दरकिनार करते हुए इमामगंज के प्रत्याशी डॉ.जितेंद्र पासवान ने शनिवार को डुमरिया में पदयात्रा की।

इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 2 दशक से भी ज्यादा मैंने गरीबों की सेवा की है और अभी भी कर रहा हूँ। डॉ. जितेंद्र पासवान ने जन सुराज के नेता और कई पंचायत प्रतिनिधियों के साथ डुमरिया प्रखंड के बाजार तक पदयात्रा की और हर वर्ग के लोगों से संवाद किया है ।उनकी परेशानियों को समझा और हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया है।आगे आने वाले दिनों में जन सुराज हर गली चौक- चौराहो तक पहुंचेगा और हर एक व्यक्ति से उनकी परेशानियों को सुनेगा। पदयात्रा को कई पंचायत प्रतिनिधि का समर्थन प्राप्त था। जन सुराज की ओर से बिगन पासवान, किशोर कुमार मुन्ना, भवानी सिंह, शंकर सिंह, रामाधार सिंह, रामबली पासवान, राजेंद्र पासवान, राजेश, संजय यादव, अजय ठाकुर, राम रतन प्रसाद सहित अन्य ने पदयात्रा में भाग लिया है।

भारत और नेपाल के बीच रोटी बेटी का है रिश्ता : डीएम

प्रातः किरण संवाददात

बेतिया(घनश्याम)। वाल्मीकि सभागार, वाल्मीकिनगर में शनिवार को भारत-नेपाल जिलास्तरीय सीमा समन्वय समिति की त्रैमासिक बैठक बेहद खुशगवार माहौल में सम्पन्न हुई। इस बैठक में नेपाल राष्ट्र के सीमावर्ती जिलों के उच्च अधिकारी एवं पूर्वी चम्पारण जिला के जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक अपने शिष्टमंडल के साथ भाग लिए।

भारत-नेपाल जिलास्तरीय सीमा समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बैठक की शुरूआत दोनों देशों के राष्ट्रीय गान के साथ प्रारंभ की गई। इसके पश्चात जिलाधिकारी, पश्चिम चम्पारण द्वारा नेपाल राष्ट्र के उच्च अधिकारियों का स्वागत पौधा एवं शॉल देकर किया गया।

बैठक में पिछली बैठक की उपलब्धि, सीमा पार अपराध तस्करी, नशीली दवाओं की तस्करी, नकली मुद्राएं, छोटे हथियारों की तस्करी, अवैध व्यापार आदि को नियंत्रित करना), समय पर जानकारी साझा करना, सीमा पार अवैध शराब व्यापार पर नियंत्रण और शराब प्रतिबंध लागू करना, वन्यजीवन व्युत्पन्न, इमारती लकड़ी और मवेशियों की तस्करी, सीमा पार से अवैध आवाजाही पर नियंत्रण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी पश्चिमी चम्पारण बेतिया दिनेश कुमार राय ने कहा कि आज अत्यंत ही अद्भुत क्षण है। मैं जिला प्रशासन, पश्चिम चम्पारण, बेतिया की ओर से इंडो-नेपाल जिला स्तरीय सीमा समन्वय समिति की बैठक में महात्मा गांधी की कर्मभूमि एवं महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि पर नेपाल राष्ट्र के परसा, बारा, चितवन, नवलपरासी (पूर्वी) एवं नवलपरासी (पश्चिमी) जिला तथा पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी जिला के सम्मानित पदाधिकारीगण, सम्मानित सहकर्मी और विशिष्ट अतिथिगण का हार्दिक अभिनंदन करता हूं, स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि वाल्मीकिनगर बिहार राज्य का एक मात्र टाइगर रिजर्व है, जो एक ओर कलकल करती नदियों, ऊँचे-ऊँचे पहाड़ तथा दूसरी ओर घने जंगलों से घिरा हुआ है। इसके पूर्व इंडो-नेपाल जिला स्तरीय सीमा समन्वय समिति की बैठक या तो नेपाल राष्ट्र में या पूर्वी चम्पारण मोतिहारी में आयेजित हुआ करता था।

स्कूल पढ़ाने निकला युवक तीन दिन बाद भी नही लौटा परिजनों ने पुलिस से की शिकायत

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।थाना क्षेत्र के बीटी बीघा गांव के किसान दंपति सुदामा सिंह ने श-क्रवार को एएसपी शैलेंद्र कुमार सिंह से मिलकर लापता विद्यालय संचालक पुत्र का अपहरण का आशंका जताते हुए सकुशल वापसी का गुहार लगाया है। पीड़ित माता पिता ने बताया कि बनिया डीह गांव से 21अक्टूबर को लगभग 12 बजे विद्यालय संचालक ने अपने स्टाफ को यह कह कर निकला कि हम शेरघाटी में कंप्यूटर सर से मिलने जा रहे हैं। उसके बाद से गायब है,जो अबतक वापस नहीं लौटा है। 23 अक्टूबर को गायब होने की सूचना स्थानीय थाना को दी गई है। जिसमें सनहा करने किया जा चुका है। लेकिन जैसे जैसे समय बीत रहा है। स्वजनों में बेचैनी बढ़ रही है। अब अपहरण की आशंका जताते हुए बरामदगी की गुहार लगाई गई है। स्वजन की चिंता बढ़ती जा रही है थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि सनहा के आलोक में छानबीन शुरू कर दी गई है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर अनुसंधान शुरू किया गया है।

स्वजन के आशंका के आधार पर खोज बीन शुरू है। उल्लेखनीय हो कि बीटी बीघा निवासी सचिन कुमार उर्फ सन्नी अपने गांव से दक्षिण लगभग दो किलोमीटर दूर बनियाडीह में चाणक्य पब्लिक स्कूल का संचालन कर रहा है।

आयुष्मान भारत फाउंडेशन ने पटना में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, दीपावली पर बच्चों के चेहरे पर लायेगी मुस्कान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । आयुष्मान भारत फाउंडेशन ने पटना के दो संस्थानों में दो पाली में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर। पहली पाली में पटना के ब्राइट ट्यूटोरियल क्लॉसेज में शनिवार को लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर। यह शिविर आयुष्मान भारत फाउंडेशन के महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान मोबाइल हेल्थ क्लिनिक के अंतर्गत लगाया गया।निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग 100 मरीजों को निःशुल्क जांच कर आवश्यकता अनुसार दवाई दी गई।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में चर्म रोग बिशेषज्ञ डॉ आर के गुप्ता ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में आयोजक ब्राइट ट्यूटोरियल क्लासेज के निदेशक डॉ विजय कुमार सिंह, डॉ शशिभूषण एवं डॉ एस चंद्रा रहे। शिविर में डॉ रानी प्रधान, हरेराम कुमार, मंटू कुमार, मृत्युंजय उपाध्याय, संतोष कुमार, कुंन्दन कुमार, विश्वमोहन कुमार, गौरव कुमार, दीपू कुमार, गुंजन शर्मा एवं आयुष्मान भारत फाउंडेशन पटना के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

उक्त अवसर पर डॉ आर के गुप्ता ने बताया कि सेवा हमारा सबसे बड़ा धर्म है, इसी क्रम मे यह स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मौसम में हम सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए और जितना संभव हो सके संयम रखनी चाहिए।

आयुष्मान भारत फाउंडेशन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि आयुष्मान भारत फाउंडेशन परिवार 2018 से ऐसे अनेक स्वास्थ्य शिविर का लगातार आयोजन कर रहा है और लोगों की भलाई के लिए सजग हो कर कार्यरत है।

दूसरी पाली में पटना के कंकड़बाग स्थित मेट्रोज मल्टीस्पेशलिटी सेंटर में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर।

यहां लगभग 50 मरीजों का निःशुल्क जांच की गई और दवाइयां दी गई। शिविर मे चर्म रोग बिशेषज्ञ डॉ आर के गुप्ता, शल्य चिकित्सक डॉ अपूर्व अग्रवाल, स्त्री रोग बिशेषज्ञ डॉ शिवा ने अपनी सेवा दी। शिविर में डॉ रानी कुमारी, रणधीर एवं मेट्रोज मल्टी स्पेशलिटीसेंटर के सभी टीम का पूर्ण सहयोग रहा। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ अपूर्व अग्रवाल ने डॉ आर के गुप्ता की इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि डॉ गुप्ता अनवरत निःशुल्क सेवादेते आ रहे हैं जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

आयुष्मान भारत फाउंडेशन के अनुराग समरूप ने कहा कि आयुष्मान भारत फाउंडेशन परिवार के चिकित्सा संघ ने बिहार में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर अनवरत रूप से लगा रहा है और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक कर रहे हैं।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की सफलता पर आयुष्मान भारत फाउंडेशन के राष्ट्रीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष अजित कुमार सिंह एवं संस्थापक अमरनाथ द्विवेदी ने अपनी शुभकामनायें देते हुए बताया कि संस्था के नये सदस्य जो संगठन से जुड़े है, उनका मनोनयन पत्र भी जल्द जारी किया जायेगा।

चिकित्सा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गुप्ता ने बताया की हम सब दिपावली के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी गरीब बच्चों के बीच दीपावली मनाकर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लायेंगे।इसवार संगठन परिवार ने उत्तर प्रदेश से देवरिया और बिहार से छपरा जिला का चयन किया है।

मंत्री अशोक चौधरी ने कुशवाहा समेत हजारों समर्थकों को जदयू में शामिल कराया

कहा: बेला में तस्वीर बदलेंगे ई. अजय कुशवाहा

प्रातः किरण संवाददाता

गया के कुजापी स्थिति आकाश वाटिका के सभागार में 232 विधानसभा बेलागंज विधानसभा उपचुनाव को लेकर इंजीनियर अजय कुशवाहा के अध्यक्षता में आपात बैठक का आयोजन किया गया है इस बैठक में बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी, सिवान के सांसद विद्यालक्ष्मी के प्रतिनिधि रमेश कुशवाहा, बेलागंज विधानसभा से जदयू पार्टी के उम्मीदवार मनोरमा देवी,इंजिनियर अजय कुशवाहा, ओरमा पंचायत के मुखिया रणधीर सिंह सहित गया बेलागंज के हजारों जनप्रतिनिधि व गण्यमान्य शख्सियत शामिल हुए हैं इस आयोजित बैठक में इन्जीनियर अजय कुशवाहा और समाज के लोगों ने प्रत्याशी मनोरमा देवी वह मंत्री अशोक चौधरी सहित सभी आगत अतिथियों को विशाल फूलों का हर पहनकर अभिनंदन किया बैठक में उपस्थित नेताओं और प्रत्याशी मनोरमा देवी के समक्ष इंजीनियर कुशवाहा ने अपने हजारों समर्थकों के साथ विधिवत्त जदयू पार्टी ज्वाइन कर बेलागंज विधानसभा के प्रत्याशी मनोरमा देवी को इस चुनाव में समर्थन देने की घोषणा की बैठक में मंत्री अशोक चौधरी ने बताया कि अजय कुशवाहा आज जदयू का समर्थन करते हुए पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं वह लंबे समय से भाजपा और उपेंद्र कुशवाहा के पार्टी में साथ रहे हैं बेलागंज की लड़ाई में अजय कुशवाहा मजबूत ताकत के रूप में हमारे साथ खड़े होंगे और जो 30 वर्षों से सीट हमारे एनडीए के खाते में नहीं आए थे उसको वापस एनडीए के खाते में लाने का काम करेंगे!

निःशुल्क पाठशाला में बच्चों को मिला दीपावली का उपहार

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू रोहतास। हमारा प्रयास है हर गांव में खुले निःशुल्क पाठशाला, ताकि बड़े बड़े महापुरुषों के सपनो को साकार किया जा सकें। वर्तमान में 10 पाठशाला संचालित है। तिलौथू प्रखंड में 50 निःशुल्क पाठशाला संचालन का लक्ष्य है। सब जागरूक लोगो के सहयोग चल रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सत्यानंद कुमार ने आम जन से अपील की, कि आप भी इस पाठशाला में अपना योगदान दे कर इन वंचित बच्चो के चेहरे की मुस्कान की वजह बन सकते हैं। दीपावली से पहले बच्चों को मनचाहा उपहार दिया गया। तिलौथू, महाराजगंज, बसडीहा, चंदनपुरा, बहेरा, सैना, सरैया, रामडीहरा सहित दस स्थानों पर 500 से भी अधिक वंचित और गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा का लाभ ले रहे हैं। इन सभी बच्चों को हर माह पाठ्य सामग्री दिया जाता है। सहयोग करने वालो में सुनील गुप्ता, रामचंद्र साव, राजीव गुप्ता, बुशरा अंजुम, नन्दलाल गुप्ता, मिथलेश विश्वकर्मा, संग्राम सिंह, आलोक अशोक सहित आई आई टी कंप्यूटर्स संस्थान के दर्जनों छात्र इन बच्चों को पढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने गया वन प्रमंडल द्वारा करोड़ों की लागत से गया के 6 पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का किया शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।डॉ प्रेम कुमार मंत्री, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार द्वारा गया वन प्रमंडल गया अंतर्गत ब्रह्म वन, गया में आयोजित कार्यक्रम में गया वन प्रमंडल गया अंतर्गत 6.4 करोड़ की लागत से गया के 6 पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का शिलन्यास, 3.2 करोड़ की लागत से कुल 4 स्थानों पर मृदा एवं भू जल संरक्षण कार्य, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समूह के लोगों के उत्थान हेतु कुल 5.5 करोड़ की राशि से साल के पत्तो से प्लेट बनाने की मशीन, सोलर लाइट, चेक डैम, अगरबत्ती बनाने की मशीन, नैपकिन मशीन, महुआ फुल से लड्डू बनाने की मशीन, सिलाई मशीन, मधुमक्खी पालन हेतु बॉक्स, प्रशिक्षण आदि से संबंधित योजनाओं का शिलन्यास किया गया है।

इस दौरान मंत्री ने कहा कि बदलते मौसम एवं गया जिले में वर्षा की कमी के कारण पर्यावरण समस्याएं और गंभीर रूप ले रही हैं। पर्यावरण संरक्षण हेतु हम लोगों को मिलकर काम करना होगा।इस वित्तीय वर्ष गया वन प्रमंडल, गया के अंतर्गत वन भूमि पर लगभग 9 लाख पौधे, विभिन्न पथ तटों पर कुल 16700 बांस गैबियन, गया के शहरी क्षेत्रों में कुल 10000 पौधे, 4.64 लाख पौधों का जीविका दीदियों में वितरण, 7 लाख पौधें मनरेगा के द्वारा,36000 पौधों का फ्रिंज विलेज में वितरण,80 हजार पौधे विभिन्न विभागों, एजेंसियों, पैरामिलिट्री फोर्सेज इत्यादि समेत कुल 24 लाख पौधे लगाए गए है। गया एवं जहानाबाद जिले के चार पहाड़ ब्रह्मयोनि, प्रेतशिला, रामशिला व ढुंगेश्वरी और जहानाबाद के एक पहाड बराबर पर एक लाख सीड बॉल भी फेंके गए हैं। गया एक सूखाग्रस्त जिला है, जलस्तर में वृद्धि हेतु यहां गारलैंड ट्रेंच का निर्माण एवं मृदा एवं भू जल संरक्षण कार्य कराए जा रहे हैं। मंत्री द्वारा गया वन प्रमंडल गया में किए गए विकास कार्यों की चर्चा तथा गुरपा वन प्रक्षेत्र के टनकुप्पा एवं फतेहपुर ब्लॉक, गया वन प्रक्षेत्र के डुंगेश्वरी एवं ब्राम्ह्योनी वन समिति तथा बाराचट्टी वन प्रक्षेत्र के बाराचट्टी ब्लॉक से वन क्षेत्रों के समीप रहने वालें अनुसूचित जाति एवं जनजाति समूह के आए लोगों से से संवाद किया गया है। पर्यावरण, वन एवं वन प्राणियों की स्थिति को और बेहतर करने के साथ साथ वनक्षेत्रों के समीप रहने वालें अनुसूचित जाति एवं जनजाति समूह के लोगों के उत्थान हेतु सुझाव लिए गए हैं। वनक्षेत्रों के समीप रहने वालें अनुसूचित जाति एवं जनजाति समूह के लोगों द्वारा असिंचित क्षेत्रों में सिंचाई हेतु वन क्षेत्रों में गारलैंड ट्रेंच का निर्माण, आवागमन हेतु वनपथ का निर्माण, मशरूम की खेती हेतु प्रशिक्षण, पत्तल बनाने की मशीन आदि उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया जिससे उनलोगो की जीवनशैली बेहतर हो सके। इस कार्यक्रम में एस० सुधाकर भा०व०से०, वन संरक्षक, गया अंचल, गया, शशिकांत कुमार वन प्रमंडल पदाधिकारी, गया वन प्रमंडल, गया, शुभलक्ष्मी ज्योति,सहायक वन संरक्षक ,गया वन प्रमंडल, गया, वनक्षेत्रों के समीप रहने वालें अनुसूचित जाति एवं जनजाति समूह के लोग एवं अन्य गणमान्य अतिथी उपस्थित थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बीएलओ के साथ किया बैठक

प्रातः किरण संवाददात

तरैया। प्रखंड के किसान सभागार भवन में मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर बीएलओ की एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी विभु विवेक के द्वारा संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई।बीडीओ ने कहा कि चुनाव संबंधित कार्य अति महत्वपूर्ण होता है।जिसकी सफलता बीएलओ के कार्य पर निर्भर होता है।इसलिए इस कार्य को निर्धारित समय सीमा के तहत संपन्न कराना आपकी जिम्मेदारी बनती है।इस कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, सुधार करने तथा मृत व्यक्तियों के नामों को विलोपित करने का कार्य किया जाएगा।इसके साथ ही उन्हें अन्य दिशा निर्देश दिए।वही बीएलओ ने मानदेय का भुगतान करने की बात कही तो बीडीओ ने जल्द भुगतान करने का आश्वासन दिए।उक्त बैठक में बीएलओ संजीव कुमार सिंह, चंद्रकेत राम,राजेश राय,विजय कुमार,सुशील पासवान,शिव नारायण राम,धर्मेंद्र राम,अभिषेक कुमार सिंह,अनिल यादव, ओमप्रकाश गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

उत्पाद विभाग ने 31 कार्टून विदेशी शराब किया जब्त, एक गिरफ्तार

■ गिरफ्तार ठेला चालक से पूछताछ के बाद शराब मिला, कमरा सील

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी। उत्पाद विभाग की टीम ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर कदमकुआं में प्लास्टिक के बोरे में रखकर ले जाए जा रहे शराब को पकड़ा है। इसके बाद छापेमारी टीम की गिरफ्त में आए ठेला चालक से पूछताछ के बाद जहां से शराब लेकर जाया जा रहा था, वहां धावा बोला गया। इस तरह 31 कार्टून विदेशी शराब जब्त किया गया। जिस मकान के कमरे से शराब को जब्त किया गया, उसे विभाग ने सील कर दिया है। यह जानकारी उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम कदमकुआं में ठेला पर शराब लाद कर ले जा रहे को रोका। जांच के दौरान दो प्लास्टिक के बोरे में दो-दो कार्टन शराब रखा पाया गया। गिरफ्त में लिए गए ठेला चालक जहानाबाद के रहने वाले राजू कुमार से पूछताछ की गई। उसके बताए पता के आधार पर पुलिस ने वहां छापेमारी की। इस दौरान वहां से 31 कार्टन विदेशी शराब जब्त किया गया, जिसकी मात्रा 267.84 लीटर थी। ठेला चालक को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी टीम में उत्पाद निरीक्षक विजय कुमार के साथ सिपाही चंचल कुमार, राम इकबाल और रोशन कुमार शामिल थे। वहीं दूसरी ओर मालसलामी थाना की पुलिस ने शराब की होम डिलीवरी करते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि एक मोटरसाइकिल से दो टेट्रा पैक लिए रवि कुमार उर्फ मोलू होम डिलीवरी करने जा रहा था। इसी दौरान जांच के दौरान उसे पकड़ा गया। मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार रवि इसी थाना क्षेत्र के नुरुद्दीनगंज का रहने वाला है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, भोजपुर की अध्यक्षता में जिला अभियोजन की समीक्षात्मक बैठक हुई आयोजित

प्रातः किरण संवाददात

आरा । जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, भोजपुर की अध्यक्षता में जिला अभियोजन की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में सामान्य वाद के अंतर्गत मजिस्ट्रेट न्यायालय में लम्बित एवं निष्पादित कांडों की समीक्षा की गई। जिला अभियोजन पदाधिकारी को सभी मजिस्ट्रेट न्यायालय से समन्वय स्थापित कर निष्पादित कांडों की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया।सहायक अभियोजन पदाधिकारी को अगली बैठक में अद्यतन रजिस्टर के साथ बैठक में भाग लेने का निदेश दिया गया।मानव व्यापार विरोधी वादों के मासिक समेकित प्रतिवेदन में गवाही पर दो एवं उपस्थिति पर दो मामले प्रतिवेदित किए गए।

विधायक सांसद सदस्यों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज वादों की समेकित विवरणी में सुनवाई पर एक चार्जशीट पर तीन साक्ष्य हेतु दो गवाही पर एक बहस पर एक एवं उपस्थिति हेतु दस मामले प्रतिवेदित किए गए। ऐसे कुल मामलों की संख्या अठारह प्रतिवेदित है। जिला अभियोजन पदाधिकारी द्वारा माह नवंबर 2024 में दो मामलों का निष्पादन सुनिश्चित कराना प्रतिवेदित किया गया।

समीक्षा के क्रम में अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारियों के अंतर्गत निष्पादित लंबित मामलों की समीक्षा की गई। जिसके दौरान वैसे मामले जो डॉक्टर अनुसंधानकर्ता एवं साक्षी की उपस्थिति हेतु लंबित हैं तीन सौ छत्तीस प्रतिवेदित किए गए। सम्बंधित मामलों के सम्बन्ध में जिला अभियोजन पदाधिकारी को उक्त मामलों की विस्तृत सूची जिला विधि शाखा प्रभारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।जिला अभियोजन पदाधिकारी एवं जिला विधी शाखा प्रभारी पदाधिकारी को ससमय बैठक की कार्यवाही निदेशालय को अग्रसारित करने का निदेश दिया गया साथ ही जिला अभियोजन पदाधिकारी को मानव व्यापार संबंधी 5 सदस्यीय समिति की बैठक हर माह कराने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी द्वारा पुलिस, प्रशाशन एवं न्यायालय में बेहतर समन्वय हेतु सभी पदाधिकारियों को समय समय पर जिला विधि शाखा के माध्यम से प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।इस समीक्षात्मक बैठक के दौरान अपर समाहर्ता श्रीमती मोना झा, वरीय उप समाहर्ता,विधि शाखा प्रभारी, श्री ऋषभ राज, जिला अभियोजन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, सभी सहायक अभियोजन पदाधिकारी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, सभी विशेष अभियोजन पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

केंद्रीय विद्यालय बेला के दीपेश ने जीता कांस्य पदक

प्रातः किरण संवाददाता

दरियापुर।केंद्रीय विद्यालय बेला के कक्षा 8 के दीपेश शर्मा ने 53 वें राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में चक्का फेंक में कांस्य पदक जीत कर विद्यालय का नाम रौशन किया है।यह प्रतियोगिता विगत 5 से 9 अक्तूबर के बीच केरल के एनार्कुलम में आयोजित की गई थी।कांस्य पदक जीत कर घर वापसी के बाद उसके माता पिता का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। शनिवार को केंद्रीय विद्यालय बेला के प्राचार्य शिवा कुमार ने दीपेश व उसकी मां कविता शर्मा को विद्यालय में बुलाकर सम्मानित किया और बधाई दी।दीपेश नयागांव के बरियारचक का रहने वाला है।उसने बताया कि वह अगली बार विद्यालय के लिए गोल्ड मेडल जीत कर लाएगा।उसने अपनी जीत का श्रेय प्राचार्य शिवा कुमार व वरीय शिक्षक रामानुज कुमार को दिया।

सांसद सिग्रीवाल ने जमनपुरा गांव में किया छठ घाट का उद्घाटन

■ सांसद ने कहा; नवनिर्मित छठ घाट से व्रतियों को पूजा-अनुष्ठान में होगी सहूलियत

प्रातः किरण संवाददात

एकमा/रसूलपुर। प्रखंड के देवपुरा ग्राम पंचायत के जमनपुरा गांव में सांसद निधि की राशि लगभग 15 लाख की राशि से नवनिर्मित छठ घाट का शनिवार को महाराजगंज के भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने विधि-विधान से गज-गणेश सहित देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद उद्घाटन किया।इस अवसर पर श्री सिग्रीवाल ने देवपुरा पंचायत के टेसुआर, देवपुरा व जमनपुरा गांव व क्षेत्र के विभिन्न समुदायों व समाज के गणमान्य लोगों, शिक्षा प्रेमियों, भाजपा नेताओं व कार्यकताओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेंद्रनाथ सिंह, मंच संचालन अविनाश चंद्र उपाध्याय, आगत अतिथियों का स्वागत अरविंद कुमार सिंह व संयोजन मुकेश कुमार सिंह ने किया।इस दौरान जन सभा को संबोधित करते हुए सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि जमनपुरा गांव में नये छठ घाट का निर्माण कार्य होने से भगवान भास्कर व छठी माता की उपासना के लोक आस्था के महापर्व छठ में व्रतियों को पूजा व उपासना सहित भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने में अब काफी सहुलियत मिलेगी। उन्होंने लोक आस्था के महापर्व छठ की महत्ता बताते हुए छठी मईया व सूर्य देवता की कृपा व दयालुता का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सच्चे मन से श्रद्धा पूर्वक छठ व्रत का अनुष्ठान करने वाले को सुख-समृद्धि व आरोग्यता प्रदान करती हैं। वहीं जानबूझ कर गलती करने वाले को इसके लिए दंड भी देती हैं।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अमृत सरोवर योजना के तहत देश भर के तालाबों का जीर्णोद्धार व कायाकल्प कराया गया है। इसी क्रम में सांसद निधि से महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के सैकड़ों छठ घाटों का नवनिर्माण व जलाशयों का कायाकल्प कराया जा रहा है।

आयुक्त मयंक वरवड़े के निर्देश पर पटना शहर में आठवें दिन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, शनिवार, दिनांक 26.10.2024: आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना श्री मयंक वरवड़े के निदेश पर पटना शहर में आज आठवें दिन अतिक्रमण उन्मूलन मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान चलाया गया । विभिन्न नगर निकायों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस पर आयुक्त लगातार नजर रखे हुए हैं एवं नियमित समीक्षा कर रहे हैं। प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशाम, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी अतिक्रमण हटाओ अभियान में शामिल हैं। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार आज नगर परिषद, दानापुर में दस बजे पूर्वाह्न से चार बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ रूपसपुर फ्लाई ओवर के नीचे से नहर रोड खगौल रोड से मंदिर तक अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान 87 अवैध पोस्टर/बैनर हटाया गया एवं बाँस, बल्ला जप्त किया गया। आज इस अंचल में अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान में 5,000/- जुमार्ना वसूला गया। बांकीपुर अंचल में दस बजे पूर्वाह्न से दो बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ कदमकुआँ से भीखना पहाड़ी नाला रोड तक अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन के दौरान एक ठेला जप्त किया गया।

कंकड़बाग अंचल में दस बजे पूर्वाह्न से तीन बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ कॉलोनी मोड़ से करबिगहिया होते हुए बस स्टैण्ड तक अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। इस अंचल में अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान के दौरान सात ठेला एवं एक स्टॉल जप्त किया गया। आज इस अंचल में अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान में 11,100/- जुमार्ना वसूला गया। बाटलिपुत्र अंचल में दस बजे पूर्वाह्न से दो बजे अपराह्न तक अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाया गया। आज यहाँ नेहरू पथ म्यूजियम के सामने से हाईकोर्ट तक अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान पाँच चार चक्का ठेला एवं एक गुमटी जप्त किया गया। आज इस अंचल में अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान में 1,05,000/- जुमार्ना वसूला गया।

आज के अतिक्रमण उन्मूलन अभियान में विभिन्न अंचलों में 1,21,100/- जुमार्ना वसूला गया।

आयुक्त के निदेश पर यातायात पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

आयुक्त ने कहा कि एन्टी-इंक्रोचमेंट ड्राईव नियमित तौर पर चलाया जाएगा।आयुक्त के निर्देश पर संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों के नेतृत्व में फॉलोअप टीम लगातार सक्रिय है। जहां-जहां अतिक्रमण हटाया गया है वहां यह टीम पुनः अतिक्रमण की घटना से सख्ती से निपटेगी।

बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार के द्वारा नोटरी पदाधिकारियों का किया गया बैठक

आरा:आरा सिविल कोर्ट के बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार के नोटरी पदाधिकारियों की बैठक एडवोकेट एसोसिएशन आरा के प्रांगण में निरज शरण श्रीवास्तव नोटरी पब्लिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नोटरी एक्ट में निर्धारित नोटिस शुल्क लेने का अनुपालन किया जाएगा एवं बिना आधार कार्ड या बिना किसी आ-ईडी प्रूफ के किसी प्रकार का शपथ एकरारनामा एवं अन्य नोटेरियल कार्य का निष्पादन नोटरी पब्लिक द्वारा नहीं किया जाएगा बैठक में निर्णय लिया गया कि भोजपुर जिला नोटरी संघ द्वारा जिला अधिकारी भोजपुर आरा को ज्ञापन सौप कर नोटरियों द्वारा निष्पादित शपथ पत्र को सभी अंचल एवं प्रखंड कार्यालय द्वारा अक्षरतःपालन करने के लिए जिलाधिकारी भोजपुरी के समक्ष ज्ञापन दिया जाएगा बैठक में नोटरी पब्लिक आदरणीय श्री ईश्वर चंद महेंद्र प्रसाद सिन्हा प्रमोद राय अजीत रंजन कुमार मनोज कुमार दुर्गविजय सिह अजय कुमार पाण्डेय अनिल कुमार सिन्हा रवि बगिचा एवं अन्य सभी नोटरी पदाधिकारीयों ने भाग लिया।

मढ़ौरा थाना परिसर में जनता दरबार का किया गया आयोजन

मढ़ौरा थाना परिसर में लगाया गया जनता दरबार शनिवार को लगे जनता दरबार में जमीन संबंधी पांच मामलों की सुनवाई की गई। थानाध्यक्ष प्रशिक्षु डीएसपी राहुल कुमार और राजस्व अधिकारी रूपम शर्मा के द्वारा लगाए गए इस जनता दरबार में शनिवार को कुल पांच मामले की सुनवाई के लिए आए। सुनवाई के दौरान दो मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया जबकि तीन अन्य मामलों में अगली तिथि निर्धारित की गई। यह जनता दरबार हर शनिवार को थाना परिसर में सीओ व थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में लगाई जाती है जिसमें जमीन से संबंधित मामलों का निवारण किया जाता है।

26 लिटर अंग्रेजी शराब के साथ दो को पुलिस ने किया गिरफतार

एकमा । स्थानीय थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के एकमा निवासी परमानंद प्रसाद के पुत्र प्रकाश प्रसाद एवं बस स्टैंड निवासी गौतम महतो के पुत्र कृष्णा महतो को अंग्रेजी शराब के 180 एमएल के 144 पीस के साथ दोनों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया।

पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों से शराब कांड के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

एकमा । स्थानीय थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के एकारी गांव निवासी सुरेश यादव के पुत्र सुजीत यादव एवं हंस राजपुर बलुआ गांव निवासी शिवदयाल यादव के पुत्र सुनील यादव को गिरफ्तार को जेल भेज दिया इस संबंध में थाना पुलिस ने बताया कि दोनों पर पूर्व के शराब कांड के नामजद अभियुक्त थे वे दोनों विगत दिनों से फरार चल रहे थे।

कार्यकर्ता जनकल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाये

प्रातः किरण संवाददात

गडहनी। नगर पंचायत गडहनी के सब्जी मंडी स्थित ठाकुर बाडी के प्रांगण मे जनता दल (यू.) प्रखंड गड़हनी के प्रखंड कार्यकारणी की सांगठनिक बैठक प्रखंड अध्यक्ष अमरीश सिंह की अध्यक्षता में ठाकुरबाड़ी के प्रांगण में आयोजित की गई।बैठक का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों एवं कार्यकताओं का अंगवस्त्र व फूलमाला से सम्मानित कर किया गया।संचालन अति पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रखंड अध्यक्ष सह गड़हनी उप प्रमुख प्रतिनिधि संजीत कुमार चंद्रवंशी ने किया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश नामित विधानसभा प्रभारी बद्री भगत, जिला नामित विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार राम, जदयू जिला प्रवक्ता शंभु प्रसाद सोनी, जिला उपाध्यक्ष जियाउल वारसी, जिला महासचिव मदन यादव और युवा नेता पवन कुशवाहा, सोशल मीडिया सह सूचना प्रौद्योगिकी सेल प्रभारी मो. इमरान अहमद उर्फ सोनू ने अपनी बातों को रखते हुए दल की मजबूती एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में चल रहे सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर पर घर - घर जाकर समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओ का लाभ पहुंचाने के संबंध मे विस्तार से चर्चा किया गया।इस मौके पर वरिष्ठ नेता प्रमोद चौबे, अख्तर हुसैन, पिंटू रजक, दीपक सिंह,रामप्रवेश कुशवाहा, नगर पंचायत अध्यक्ष सुधीर चंद्रवंशी, शंभु गोस्वानी, अक्षयबार ओझा, सियाधार कुशवाहा, देवकुमार कुशवाहा, उमाशंकर साह और श्यामनंदन सिंह सहित दल के सम्मानित साथी उपस्थित थे।

छपरा सारडोनिक्स स्कूल में मनाया गया संपूर्ण श्रद्धा,सादगी, हर्षोल्लास के साथ दिवाली व छठ पूजा महोत्सव

प्रातः किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] निः संदेह अब तक विश्व क्षितिज पर भारत की जो स्वर्णिम पहचान बनी है उसके पीछे उसका गौरवशाली इतिहास तथा समृद्ध अतीत का भी समुचित योगदान रहा है । इसी तथ्य को रेखांकित करते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित सीबीएसई नई दिल्ली ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी-2020 तथा एनसीएफ-2023 के तहत समय-समय पर जारी गाइडलाइन के मद्देनजर स्कूल में बच्चों को शनिवासरीय बैगलेस डे मनाकर बच्चों को आनंददाई एवं स्वस्थ मनोरंजक शिक्षा देने के उद्देश्य से भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली तथा प्रेरणादाई इतिहास से शानदार शिक्षा ग्रहण करने की अद्वितीय भरपूर पुरजोर वकालत कर बता दिया कि आजका हमारा ये कार्यक्रम असत्य पर सत्य की विजय, अधर्म पर धर्म की स्थापना का प्रतीक दीपों का त्योहार दीपावली की शुभ बेला में दीपोत्सव पूरे विद्यालय परिवार में वसुधैव कुटुंबकम का संदेश प्रदान करते हुए प्रतिबिंबित हुआ कि ऐ मेरे भारतियों आएं हम सब मिलकर राग - द्वेष, ईर्ष्या से ऊपर उठकर एक दीप जलाएं, प्रेम का, अहिंसा का, धर्म का जिसमें अन्याय ,अत्याचार, भ्रष्टाचार हिंसा- प्रतिहिंसा, प्रतिशोध सभी प्रकार की तामसिकताएं मिट जाएं और असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय , मृत्योर्मा अमृतगमय की पुनर्स्थापना संभव की जा सके । इसी परिपेक्ष्य में बच्चों ने मां काली की भी आराधना कर विभिन्न छवियों में उन्हें प्रतिबिंबित कर सुंदर गीत-संगीत की प्रस्तुतियों से वातावरण में ऐसा भक्ति का रंग चढ़ाया कि संपूर्ण विद्यालय परिवार मां काली की जय, छठ मैया की जय...जैसे भक्तिमय जयकारों से गूंजायमान हो उठा । इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के शुभ अवसर पर विद्यालय के निदेशक ने बताया कि ऐसे ही सशक्त कार्यक्रमों से भावी पीढ़ी में अपने पर्व -त्योहारों, संस्कारों को जानने, उन्हें समझने एवं इन श्रेष्ठ धरोहरों को सामाजिक समरसता के साथ अक्षुण्ण बनाए रखने की महत्वपूर्ण सीख, शिक्षा, प्रेरणा मिलती है ।

इसी प्रकार,बिहार राज्य का सबसे बड़ा राजकीय पर्व ही नहीं अपितु भारत सहित संपूर्ण विश्व का जहां भी बिहारी भारतीय प्रवासी निवास करते हैं;छठ की महिमा को स्थापित करते हुए इनकी रमणिक झांकियों के प्रस्तुतीकरण के फलस्वरुप इसे और प्रेम पूर्वक, श्रद्धा पूर्वक मनाने की इच्छा बलवती हो उठी !

इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिवार ने सबको दीपावली व छठ की अग्रिम बधाइयां भी दीं ,इस कामना के साथ कि सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः आज के इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर बच्चों के बीच रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया; जिसमें भिन्न-भिन्न शंकायों के बच्चों ने भाग लिया इसमें प्रथम नालंदा हाउस, द्वितीय विक्रमशिला हाउस, तृतीय मिथिला हाउस तथा चौथे पायदान पर तक्षशिला हाउस ने बाजी मार कर सबको विस्मित कर डाला । वाकई, आज का ये पावन पुलकित कार्यक्रम यादगार लम्हों में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जा सकेगा; ऐसा हम सभी का मानना है। कार्यक्रम का समापन बच्चों को प्रशस्ति-पत्र व मेडल देकर किया गया; ताकि प्रतिभागियों की हौसला - अफजाई में तनिक भी कमी ना रह जाए ।

समाजसेवी शालिग्राम सिंह का निधन, उनके पुत्र जेपी सिंह ने दी मुखाग्नि

माँझी। शुक्रवार को माँझी प्रखंड के टेघडा गाँव निवासी एवम हिमाचल प्रदेश पुलिस के शिमला में पदस्थापित आईजी जय प्रकाश सिंह के पिता तथा प्रसिद्ध समाजसेवी शालिग्राम सिंह 85 वर्ष का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर पाकर पूरे गाँव में मातम पसर गया तथा परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। शनिवार को माँझी के ड्यूमाइगढ घाट पर सरयु नदी के किनारे श्री सिंह का दाह संस्कार सम्पन्न हो गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र एवम आईजी जय प्रकाश सिंह ने दी। इससे पहले शिमला से अपने पैतृक आवास टेघडा पहुँचे आईजी जय प्रकाश सिंह अपने पिता को देखते ही शव से लिपट कर फफक कर रोने लगे जिससे वहाँ का माहौल गमगीन हो गया। बाद में निकली शवयात्रा में पूर्व मंत्री गौतम सिंह, पूर्व उप प्रमुख रामकृष्ण सिंह, पूर्व मुखिया आदिथे।

निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददात

पानापुर (सारण) शनिवार को वीरगाथा 4.0 के अन्तर्गत उ म वि-भोरहां सह उ मा वि भोरहां में निबंध प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता व मल्टीमीडिया प्रस्तुती का आयोजन किया गया। जिसमें चार ग्रुप में छात्र छात्राओं वर्ग 3-5,6-8,9-10 एवं 11-12 ने भाग लिया। वर्ग 6-8निबंध में प्रथम स्थान पूजा कुमारी यादव,दुसरा स्थान अमित कुमार,9-10 वर्ग में प्रथम स्थान अर्चना कुमारी, द्वितीय स्थान रानी कुमारी, वर्ग 11-12 में प्रथम स्थान नीलम कुमारी,दूसरा स्थान अंजलि कुमारी ने हासिल किया। वहीं पेंटिंग में वर्ग 11-12 में साक्षी कुमारी ने प्रथम तो वर्ग 9-10 में श्रेया व अर्चना, वर्ग 6-8 में वंदना कुमारी तथा मुस्कान खातुन, वर्ग 3-5 में सुचेता लक्ष्मी व

अदील अली ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान हासिल किया।इससे पहले चेतना सत्र में सभी छात्र छात्राओं को एक पेड़ मां के नाम लगाने को संकल्प लिया गया तथा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर इसकी शुरूआत की गई।कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक अभिमन्यु सिंह,सारिक खां, कृष्ण कुमार, वकार युनूस,सानू शुभांगी, अंकिता कुमारी,आरती देवी सहित सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं ने सहयोग किया।

कैसे जीतेंगे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी !

मोहम्मद शमी भी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर

मुंबई, एजेंसी। सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति ने आगामी 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर टीम के लिए एक मजबूत टीम की घोषणा की है जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति चर्चा का कारण बन गई है। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरूआत 22 नवंबर से पर्थ में होनी है। चयनकर्ताओं ने इंडियन प्रीमियर लीग के स्टार नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को रेड-बॉल सीरीज में पहला मौका दिया है। शमी जो पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप फाइनल में चोट के बाद सर्जरी के बाद से एक्शन से बाहर हैं, को अभी भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है। इससे उनके भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। शमी की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने युवा प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा पर भरोसा जताया है जोकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप के तेज गेंदबाजी आक्रमण को सहयोग करेंगे। बताया जा रहा है कि शमी के ठीक होने में अभी समय लगगा। ऐसे में चयनकर्ताओं ने कोई जोखिम न लेने का फैसला किया है और उन्हें जल्दबाजी में कार्रवाई करने के बजाय, ऑस्ट्रेलिया के लिए टीम से बाहर कर दिया। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, नवदीप सैनी और खलील अहमद 5 मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व यात्रा करेंगे।

बीसीसीआई सचिव जय ने कहा कि कुलदीप यादव ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज की समाप्ति के बाद उनकी बाईं कमर की समस्या के दीर्घकालिक समाधान के लिए उन्हें बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में भेजा गया था। बहरहाल, रोहित शर्मा टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला के लिए उप-कप्तान बनाए गए जसप्रीत बुमराह उप-कप्तान बने रहेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

रिजर्व- मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का शैड्यूल

22 से 26 नवंबर 2024 ङ्क पहला टेस्ट, पर्थ स्टेडियम, पर्थ
06 से 10 दिसम्बर 2024 ङ्क दूसरा टेस्ट (दिन-रात), एडिलेड ओवल
14 से 18 दिसम्बर 2024 ङ्क तीसरा टेस्ट, गाबा, ब्रिस्बेन
26 से 30 दिसम्बर 2024 ङ्क चौथा टेस्ट, एमसीजी, मेलबर्न
03 से 07 जनवरी 2025 ङ्क 5वां टेस्ट, एससीजी, सिडनी

दूसरी पारी में 3 छक्के लगाकर यशस्वी ने की तेंदुलकर की बराबरी

भारत-न्यूज़ीलैंड टेस्ट

22 साल की उम्र में 11वीं बार किया ये खास कमाल

पुणे, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल की बल्लेबाजी देखने योग्य रहा। उन्होंने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर हावी होकर बल्लेबाजी की और मुश्किल पिच पर तेज गति से रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में 41 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर उन्होंने 65 गेंदों पर 77 रन बनाए और इस दौरान 3 छक्के और 9 चौके लगाए। यशस्वी ने इन 3 छक्कों की मदद से सचिन तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड की बराबरी की तो वहीं टेस्ट क्रिकेट में 22 साल की उम्र में 11वीं बार भारत के लिए खास कमाल किया।

यशस्वी ने की तेंदुलकर की बराबरी

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट की किसी पारी में 5वीं बार 3 या उससे ज्यादा छक्के लगाने का कमाल किया। भारत की तरफ से टेस्ट की एक पारी में 3 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में यशस्वी जायसवाल ने तेंदुलकर की बराबरी कर ली जिन्होंने 5 बार ऐसा किया था। टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा बार 3 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर ऋषभ पंत और रोहित शर्मा हैं जिन्होंने 11-11 बार ऐसा किया था।

एक कैलेंडर ईयर में यशस्वी ने जड़े 32 छक्के

टेस्ट प्रारूप में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर ब्रैंडन मैकुलम हैं जिन्होंने साल 2014 में 33 छक्के लगाए थे तो वहीं साल 2024 में यशस्वी ने टेस्ट में अब तक 32 छक्के लगाए हैं और दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में बेन स्टोक्स तीसरे नंबर हैं जिन्होंने साल 2022 में 26 छक्के लगाए थे।

एक कैलेंडर वर्ष में टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

33 - ब्रैंडन मैकुलम (2014)
32 - यशस्वी जायसवाल (2024)
26 - बेन स्टोक्स (2022)
22 - वीरेंद्र सहवाग (2008)
22 - एडम गिलक्रिस्ट (2005)

22 की उम्र में 11वीं बार खेली 50 प्लस की पारी

टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने 22 साल की उम्र में 11वीं बार 50 प्लस की पारी खेलने का कमाल किया। इस लिस्ट में पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 21 बार 22 की उम्र में टेस्ट में 50 प्लस की पारी खेली थी जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद रवि शास्त्री ने 12 बार ऐसा किया था।

भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट पारियों में 3 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

11 - ऋषभ पंत
11 - रोहित शर्मा
10 - एमएस धोनी
08 - वीरेंद्र सहवाग
06 - रवींद्र जडेजा
05 - यशस्वी जायसवाल
05 - सचिन तेंदुलकर

22 साल की उम्र में टेस्ट में भारत के लिए सर्वाधिक 50+ स्कोर

21 - सचिन तेंदुलकर
12 - रवि शास्त्री
11 - यशस्वी जयसवाल
09 - सुनील गावस्कर

इंडिया टीम कॉलिंग

रमनदीप, विजय कुमार और दयाल की लगी लॉटरी, द. अफ्रीका जाएंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्यक्रम के बल्लेबाज रमनदीप सिंह और तेज गेंदबाज विजयकुमार वैश्य को दक्षिण अफ्रीका में 8 नवंबर से डरबन में शुरू होने वाली 4 मैचों की टी20 सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल, जो हाल ही में भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, को भी टीम में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर एक बार फिर से सूर्यकुमार यादव के हाथ में भारतीय टीम की कमान होगी।

जानें कौन है रमनदीप सिंह ?

इस साल की शुरुआत में आईपीएल खिताब के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स की तूफानी दौड़ में रमनदीप की अंतिम ओवरों की हिटिंग एक महत्वपूर्ण थी। उन्होंने टूर्नामेंट में केवल 62 गेंदों का सामना किया और 201.61 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। यह पूरे सीजन में कम से कम 50 गेंदों का सामना करने वाले सभी बल्लेबाजों में चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। रमनदीप एक मध्यम गति के गेंदबाज के रूप में भी काम कर सकते हैं और एक गन आउटफील्डर हैं। इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के दौरान उन्होंने बाऊंड्री पर बेहतरीन कैच लिया था, जो इसका उदाहरण है।

जानें कौन है विजयकुमार वैश्य ?

कर्नाटक और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज विशाक पिछले कुछ महीनों में राष्ट्रीय चयन के कगार पर रहे हैं, और बीसीसीआई से तेज गेंदबाजी अनुबंध हासिल करने वाले पांच उभरते खिलाड़ियों में से एक थे। वह सफेद गेंद वाले क्रिकेट में अपनी गति विविधताओं के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने हाल ही में दलीप ट्रॉफी के दौरान 24.90 की औसत से 10 विकेट लेकर लाल गेंद प्रारूप में भी प्रभावित किया है।

जानें कौन है यश दयाल ?

मूल रूप से भारत ए टीम का हिस्सा थे जो सीनियर टेस्ट टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के छाया दौरे पर जा रही है। हालांकि, उन्हें उस दौरे से हटा दिया गया है और इसके बजाय वह दक्षिण अफ्रीका में टी20 टीम का हिस्सा होंगे। भारत ए टीम में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मिली है, जिन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में भी जगह मिली है। भारत को दक्षिण अफ्रीका में डरबन (8 नवंबर), ग्वेबरहा (10 नवंबर), सेंचुरियन (13 नवंबर) और जोहान्सबर्ग (15 नवंबर) में 4 टी20 मैच खेलने हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, अवेश खान, यश दयाल।

43 साल के धोनी आईपीएल खेल सकते हैं, कहा- कुछ और साल क्रिकेट एंजॉय करना चाहता हूं, मुझे 9 महीने फिट रहना पड़ता है

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया पूर्व कप्तान एमएस धोनी (43) ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग खेलने के संकेत दिए हैं। धोनी ने कहा कि वे कुछ और साल इस खेल को एंजॉय करना चाहते हैं। हालांकि, अभी तक धोनी ने अपनी अवेलिबिलिटी के बारे में कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया है। धोनी को सीएसके मैनेजमेंट की 29-30 अक्टूबर को होने वाली मीटिंग में शामिल होना है, लेकिन उनके शामिल होने को लेकर आधिकारिक बयान नहीं आया है। आईपीएल के लिए रिटेंशन लिस्ट देने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर है। सीएसके मैनेजमेंट की मीटिंग में ही धोनी पर फैसला होना है। एमएस धोनी आईपीएल के पहले सीजन से ही चेन्नई से खेल रहे हैं। उन्होंने अब कप्तानी छोड़ दी है। पिछले सीजन में ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके की कप्तानी की थी, लेकिन टीम प्ले ऑफ में जगह नहीं बना पाई थी। धोनी की कप्तानी में सीएसके 5 खिताब जीत चुकी है। धोनी बोले- प्रोफेशनल क्रिकेट मुश्किल धोनी ने शुक्रवार को एक प्रमोशनल इवेंट में कहा- बचपन में हम शाम 4 बजे खेलने के लिए बाहर जाते थे और खेल का आनंद लेते थे, लेकिन जब आप प्रोफेशनल स्पोर्ट खेल रहे होते हैं, तो क्रिकेट को एक खेल के तौर पर इंजॉय करना कठिन हो जाता है। मैं यही करना चाहता हूं। यह कठिन नहीं है। इमोशन होंगे, पर वहां कमिटमेंट भी होगा। मैं इस खेल को कुछ साल और इंजॉय करना चाहता हूं। मुझे खुद को 9 महीने तक फिट रखना पड़ता है, ताकि ढाई महीने आईपीएल खेल सकूं। इसके लिए प्लान करना जरूरी होता है। साथ ही थोड़ा समय शांत भी रहना होता है।

भारत 12 साल बाद घर में टेस्ट सीरीज हारा

न्यूजीलैंड ने 113 रन से जीता दूसरा मैच, 2-0 की बढ़त, सैंटनर को 6 विकेट

पुणे, एजेंसी। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हार गई है। टीम इंडिया को पुणे में खेल गए दूसरे टेस्ट में कीवियों ने 113 रन से हराया। इस जीत से कीवियों ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। आखिरी मुकाबला एक नवंबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने 12 साल के बाद घरेलू मैदान पर कोई टेस्ट सीरीज गंवाई है। टीम को पिछली हार 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली थी। शनिवार को मुकाबले के तीसरे दिन 359 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम दूसरी पारी में 245 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बनाए। पहली पारी में कीवियों ने 259 और भारत ने 156 रन का स्कोर बनाया। मिचेल सैंटनर ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए।

पाकिस्तान ने 2021 के बाद घर में सीरीज जीती

साजिद खान को मैच में 10 विकेट, शकील का शतक

रावलपिंडी, एजेंसी। रावलपिंडी टेस्ट में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 9 विकेट हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने 2021 के बाद घर पर सीरीज (2-1) से जीत ली है। मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी 112 रन पर बिखर गई हैं। टीम ने पाकिस्तान को 36 रन का टारगेट दिया। जिसे टीम ने 3.1 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान शान मसूद ने 6 बॉल पर 23 रन की पारी खेली। उन्होंने सिक्स लगाकर मैच जिताया।

शनिवार को इंग्लैंड ने अपने कल के स्कोर 24/3 से आगे खेलना शुरू किया। टीम से जो रुट ने 33 और हैरी ब्रूक ने 26 रन की पारी खेली। पाकिस्तान से साजिद खान ने मैच में 10 विकेट लिए। जबकि नोमान अली को 9 विकेट मिले। सऊद शकील ने 134 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया

पाकिस्तानी स्पिनर्स का दबदबा

तीसरे दिन पाकिस्तान के गेंदबाजों ने शानदार बॉलिंग की। लेफ्ट ऑर्म स्पिनर नोमान अली ने 5 विकेट लिए। उन्होंने जैक क्रॉले को 2 रन, ओली पोप को 1 रन, जो रुट 33 रन, हैरी ब्रूक 26 रन और कप्तान बेन स्टोक्स को 3 रन पर आउट कर दिया। नोमान ने 18.2 ओवर में 42 रन देकर 6 विकेट लिए। स्पिनर साजिद खान ने 4 विकेट लिए। स्पिनर साजिद खान ने 18 ओवर में 69 रन पर 4 विकेट लिए।

नेपाल प्रीमियर लीग से जुड़े लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच जोंटी रोड्स

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर जोंटी रोड्स नेपाल प्रीमियर लीग में पोखरा एवेंजर्स के सलाहकार होंगे. वहीं, इससे पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच संदीप पाटिल पोखरा एवेंजर्स के सलाहकार थे. पोखरा एवेंजर्स के मालिक सुबोध त्रिपाठी ने इस बात की जानकारी दी. सुबोध त्रिपाठी ने कहा कि जोंटी रोड्स के साथ आने से हम बेहद खुश हैं. हमें पूरा भरोसा है कि जोंटी रोड्स नेपाल प्रीमियर लीग में पोखरा एवेंजर्स को बेहतर बनाने में मदद करेंगे और अपने अनुभव से युवा खिलाड़ियों के टैलेंट को निखारने का काम करेंगे.

पोखरा एवेंजर्स के सलाहकार बनने पर जोंटी रोड्स ने क्या कहा ?

इससे पहले आईपीएल में जोंटी रोड्स मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जॉयंट्स के साथ काम कर चुके हैं. इन दोनों टीमों के साथ जोंटी रोड्स का सफर शानदार रहा. वहीं, जोंटी रोड्स ने नेपाल प्रीमियर लीग में पोखरा एवेंजर्स के सलाहकार बनने पर अपनी खुशी जाहिर की. जोंटी रोड्स ने कहा कि मैं सलाहकार के तौर युवा खिलाड़ियों के साथ अपना अनुभव साझा करूंगा, ताकि युवा खिलाड़ियों के खेल को निखारा जा सके. मुझे उम्मीद है कि हेड कोच राजीव कुमार के साथ मिलकर बेहतर परिणाम देने में सफल रहूंगा. इसके अलावा ऑन द फील्ड और ऑफ द फील्ड खिलाड़ियों को बेहतर बनाने पर कान करूंगा.

ऐसा रहा है जोंटी रोड्स का करियर

जोंटी रोड्स नवंबर के पहले सप्ताह में पोखरा एवेंजर्स के साथ जुड़ जाएंगे. बताते चलें कि जोंटी रोड्स ने 52 टेस्ट मैचों के अलावा 245 वनडे मैचों में साउथ अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है. जोंटी रोड्स क्रिकेट इतिहास के सबसे बेहतरीन फील्डरों में गिने जाते हैं. जोंटी रोड्स ने क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद कोचिंग में अपना करियर बनाया. इस साउथ अफ्रीकी दिग्गज ने कई नेशनल टीमों के अलावा फ्रेंचाइज क्रिकेट में कोचिंग के तौर पर काम किया. आईपीएल में जोंटी रोड्स लंबे वक्त तक मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े रहे. मुंबई इंडियंस के बाद जोंटी रोड्स ने लखनऊ सुपर जॉयंट्स के साथ काम किया. वहीं, अब नेपाल प्रीमियर लीग में पोखरा एवेंजर्स के सलाहकार होंगे.

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल प्रदेश में दीवाली के जश्न में मौसम खलल नहीं डालेगा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में शुष्क मौसम का दौर जारी है। पिछले एक महीने से राज्य में बादल नहीं बरसे हैं। आगामी एक हफ्ते भी मौसम साफ बना रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी पूर्वानुमान के मुताबिक 31 अक्टूबर तक राज्य में कहीं भी बारिश-बर्फबारी नहीं होगी। दिवाली का त्यौहार भी 31 को ही है। ऐसे में दीवाली के जश्न में मौसम खलल नहीं डालेगा। शुष्क मौसम के कारण राज्य के औसतन अधिकतम और न्यूनतम तापमान में खास गिरावट नहीं आएगी। हालांकि जनजातीय इलाकों लाहौल-स्पीति और किन्नौर में पारे के लुढ़कने के आसार हैं। लाहौल-स्पीति में पिछले कुछ दिनों से रात का पारा जमाव बिंदु से नीचे बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश का मौसम बदलने के साथ ही यहां प्राकृतिक जलस्रोतों, नदी-नालों व झरनों का पानी जमना शुरू हो गया है। शुक्रवार को लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -1.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया और यह सबसे ठंडा स्थल रहा। लाहौल-स्पीति के ही कुकुमसेरी में पारा 1.1 डिग्री, केलंग में 1.9 डिग्री और समधो में 5.1 डिग्री सेल्सियस रहा। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री और रिकांगपिओ में 7.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हिल्स क्वीन शिमला की रातें मैदानी इलाकों से गर्म बनी हुई हैं। शिमला में न्यूनतम पारा 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री ज्यादा है। मैदानी इलाकों में शिमला से ज्यादा ठंड है। ऊना में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री, सुंदरनगर में 9.9 डिग्री, सोलन में 10, कांगड़ा व पालमपुर में 11.5 डिग्री, मंडी में 12.7 डिग्री, बिलासपुर में 13.2 डिग्री, हमीरपुर में 11.9 डिग्री सेल्सियस रहा। अपने शहरों की बात करें तो चंबा में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री, डलहौजी में 16.3 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 14.8 डिग्री, कुफरी में 12.1 डिग्री, नारकंडा में 9.8 डिग्री भरमौर में 11.1 डिग्री, कसौली में 16.9 डिग्री और पांवटा साहिब में 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के मैदानी हिस्सों में सुबह व शाम में ठिठुरन बढ़ गई है और लोगों ने गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं। पर्यटन स्थलों डल्हौजी, चायल, शिमला और मनाली में दिन में भी पर्यटक व स्थानीय लोग गर्म कपडों में देखे जा रहे हैं।

55 लाख की ज्वेलरी, 62 लाख का कर्ज, कितनी है फडणवीस की संपत्ति

5 साल में कितना हुआ इजाफा

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट से छठी बार चुनावी मैदान में उतरते हुए नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान दाखिल हलफनामे में उन्होंने अपनी संपत्ति का खुलासा किया। फडणवीस ने कुल 13.27 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है, जिसमें 7.63 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 5.64 करोड़ रुपये

की अचल संपत्ति शामिल है। उनके व्यक्तिगत संपत्तियों में 56.07 लाख रुपये की चल संपत्ति और 4.68 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है, जबकि उनके ऊपर 62 लाख रुपये का कर्ज भी है। फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस के पास 6.96 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 95.29 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। दिलचस्प बात यह है कि अमृता पर किसी भी प्रकार का कर्ज नहीं है। हलफनामे के मुताबिक, फडणवीस दंपत्ति के पास 98.55 लाख रुपये की सोने की ज्वेलरी भी है, जबकि संयुक्त संपत्ति में उनके आश्रितों की 10.22 लाख रुपये की संपत्ति भी शामिल है। फडणवीस ने हलफनामे में चार लंबित एफआईआर का भी खुलासा किया है। हालांकि, इनमें से किसी में भी उन्हें दोषी ठहराया नहीं गया है। 54 वर्षीय देवेंद्र फडणवीस का राजनीतिक करियर काफी लंबा और प्रभावशाली रहा है, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद का कार्यकाल भी शामिल है। उनकी शैक्षिक योग्यता में एलएलबी की डिग्री और मैनेजमेंट में डिप्लोमा है। गौरतलब है कि फडणवीस परिवार की संपत्ति में पिछले 5 वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

बलरामपुर में हिरासत में युवक की मौत पर बवाल

भीड़ का थाने पर हमला; महिला एएसपी घायल

बलरामपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में गुरुवार को थाने में पुलिस हिरासत में युवक की मौत के बाद भारी बवाल हो गया। उग्र भीड़ ने थाने पर हमला कर जमकर पथराव और तोड़फोड़ की। इस हमले में महिला एएसपी घायल हो गईं। पुलिस ने आंसू गैस छोड़ भीड़ को बलपूर्वक खदेड़ा।

कोतवाली थाना में स्वास्थ्यकर्मी गुरुचंद मंडल की मौत के मामले में फिर से बड़ा बवाल हो गया। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में शुक्रवार को मृतक के शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था, तभी ग्रामीणों ने जोरदार विरोध जताया और पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस हिंसा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) निमिशा पांडे को चोट लगी है। वहीं पुलिस के अधिकारी मौके पर उग्र भीड़ को समझाने में जुटे हुए थे। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात हैं।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमले का एक वीडियो ट्वीट कर लिखा, ठीक उस समय जब देश की महामहिम राष्ट्रपति छत्तीसगढ़ में हैं, उस समय बलरामपुर से आ रहे ये चिंताजनक दृश्य छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था के अंतिम संस्कार का आधिकारिक ऐलान

कर रहे हैं। पुलिस कस्टडी में हुई मौत के बाद युवक की लाश ले जाने के दौरान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। हालात यह हैं कि नागरिकों और पुलिस के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है। जनता पुलिस पर भरोसा नहीं कर रही है, हालात बेकाबू हैं।

पुलिस हिरासत में एक व्यक्ति ने की खुदकुशी, दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

भाषा के अनुसार, बलरामपुर जिले में एक महिला के लापता होने के संबंध में पूछताछ के लिए बुलाए गए उसके पति द्वारा हिरासत में कथित तौर पर खुदकुशी किए जाने के मामले में थाना प्रभारी सहित दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गुरुचंद मंडल ने गुरुवार को बलरामपुर थाने के शौचालय के भीतर अपने गमछे से कथित तौर पर फंदा लगा लिया था। अधिकारी ने बताया कि मंडल की पत्नी पिछले माह लापता हो गई थी, जिसके बाद उसने 29 सितंबर को बलरामपुर थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। निलंबन आदेश में कहा गया, ''मंडल को संदेह और सबूतों के आधार पर थाने बुलाया गया था और लापता होने के मामले में पुलिस हिरासत में उससे पूछताछ की जा रही थी, तभी उसने आत्महत्या कर ली। प्रथम दृष्टया निरीक्षक एवं बलरामपुर थाना प्रभारी प्रमोद रूसिया और आरक्षक अजय यादव की ओर से लापरवाही पाई गई, ऐसे में दोनों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जाता है।'' घटना की न्यायिक जांच के आदेश प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार साहू ने घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

एनएचएम कर्मचारी संघ ने सीएम और गृहमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

वार्ता के अनुसार, घटना के दूसरे दिन शुक्रवार को भी बलरामपुर के लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच, छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के नाम चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। संघ का कहना है कि मांगों पर कार्रवाई न करने पर समस्त कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त रहेगा, जिसके लिए संघ न्याय पाने हेतु सड़क की लड़ाई लड़ने पर विवश हो जाएगा। संघ ने दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने बात कही है। संघ ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं की गई तो संघ न्याय पाने के लिए सड़क की लड़ाई लड़ने पर विवश हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के नाम लिखे ज्ञापन में कहा, बलरामपुर जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय अंतर्गत कार्यरत गुरुचंद मंडल की पुलिस हिरासत में मृत्यु का प्रकरण सामने आया है। मृतक कर्मचारी की पत्नी गुमशुदा थी, जिसकी तलाश करने के स्थान पर पुलिस मृतक पर ही संदेह कर उसे और उसके परिजन को बार-बार थाने बुलाती रही तथा दबाव बनाती रही। यह भी बताया गया है कि उनके साथ अत्यधिक मारपीट भी की गई। इस प्रकार की मृत्यु मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। संघ ने कहा कि पुलिस हिरासत में मौत का यह प्रकरण अत्यंत गंभीर है और संबंधित पुलिस कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर शक पैदा करता है जिसके लिए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

राज्य के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की तथा घटना की जांच के लिए आठ सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम गठित की है। यह टीम घटनास्थल का दौरा रिपोर्ट पार्टी को सौंपेगी। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार में राज्य में कानून नहीं बल्कि जंगल राज कायम हो गया है। बैज ने कहा है कि बलरामपुर में स्थिति तनावपूर्ण है, स्थानीय लोगों ने थाने पर पथराव किया, जिसके लिए राज्य सरकार और प्रशासन जिम्मेदार है। हम घटना की निंदा करते हैं और इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं।

ईरान पर हमले के बाद इजराइल बोला- हमारे विमान सुरक्षित लौटे

मध्यपूर्व में बढ़ा खतरा

दुबई, एजेंसी। इजराइल के ईरान पर हमले ने पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है. यह पहली बार है कि इजराइल ने खुलेआम ईरान पर हमला किया है. ईरान पर 1980 के बाद किसी भी देश ने सीधा हमला नहीं किया है. इजराइल ने देर रात हमला शुरू किया और सूर्योदय होने से ठीक पहले इसे रोक दिया. इजराइली सेना ने कहा कि उसके सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं. सेना ने कहा कि उसने उन जगहों को निशाना बनाया है, जहां पर ईरान मिसाइल निर्माण कर रहा है, और इन्हीं मिसाइलों से ईरान ने इजराइल पर हमला किया था.

इजराइली सेना ने बताया कि उसने ईरानी हवाई क्षमता पर भी आक्रमण किया. इस हमले से पहले ऐसा माना जा रहा था कि इजराइल ईरान की परमाणु क्षमता पर हमला कर सकता है. हालांकि, इजराइल ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि वह परमाणु सुविधाओं और तेल प्रतिष्ठानों पर हमले नहीं करेगा. यहां आपको बता दें कि ईरान ने एक अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था. उसने 180 से अधिक मिसाइल छोड़े थे. ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री आवास पर भी हमला किया था.

इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल ने कहा, ईरान सात अक्टूबर से लगातार इजराइल पर हमला कर रहा है, जिसमें ईरानी धरती से सीधे हमले भी शामिल हैं. इसलिए दुनिया के हर दूसरे संप्रभु देश की तरह, इजराइल को भी जवाब देने का अधिकार है और यह उसका अपने देश के प्रति कर्तव्य भी है. हालांकि, इस हमले के बाद अमेरिका ने इजराइल को चेतावनी दी है कि वह आगे और हमले न करे.

ईरान की सरकारी मीडिया ने इन धमाकों की पुष्टि की है. हालांकि, उसने कहा कि इससे उसे बहुत अधिक

नुकसान नहीं पहुंचा है. धमाकों की आवाज ईरान में भी सुनाई दे रही थी. एयर डिफेंस सिस्टम पर हमले की कोशिश की गई है. ईरान की सेना ने कहा कि हमलों में इलम, खुजेस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है और इससे बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ है. मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले की खबर के तुरंत बाद सामान्य खबरें दिखाई जाने लगीं. एपी न्यूज एजेंसी ने बताया है कि एक स्थानीय नागरिक ने सात विस्फोट सुने जाने को लेकर जानकारी दी है. सरफेस टू एयर मिसाइलों को स्पॉट किया गया. शहर में कई जगहों पर आग की ऊंची-ऊंची लपटें देखी गईं. ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं.

अमेरिका चाहता है कि इस युद्ध का दायरा और अधिक न बढ़े. अमेरिका राष्ट्रपति को पल-पल की सूचना दी जा रही है. मेजर जनरल पैट राइडर ने शुक्रवार देर रात कहा कि अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने ईरान में सैन्य ठिकानों पर इजराइल के हमलों के बारे में अपने इजराइली समकक्ष योव गैलेंट से बात की.

ईरान पर हमले के बाद अमेरिका ने ठोकी इजरायल की पीठ, नसीहत भी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने कहा है कि ईरान पर इजराइल के हमलों से हिसाब बराबर हो चुका है और अब दोनों शत्रु देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद होने चाहिए। अमेरिका ने ईरान को अब इजराइल पर जवाबी हमले करने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके प्रशासन को लगता है कि इजराइली (सैन्य) अभियान के उपरांत अब दोनों देशों के बीच सीधे सैन्य हमले बंद होने चाहिए और उसने कहा कि अन्य सहयोगी देश भी इससे सहमत हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने शुक्रवार को पूरे दिन अभियान के बारे में जानकारी दी। वाइट हाउस के नियमों के अनुसार नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि इजराइली अभियान ''व्यापक, सटीक और लक्षित'' था। उन्होंने कहा कि अमेरिका की इस हमले में कोई संलिप्तता नहीं है।

गाजियाबाद में ठेली हटाने के विवाद में चले लाठी-डंडे

1 दर्जन लोगों पर एफआईआर

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र में अर्थला में शुक्रवार रात ठेली हटाने को लेकर पार्षद समेत दो पक्षों में झगड़ा हो गया। इस बीच, 20 से 25 लोग लाठी-डंडे लेकर आपस में मारपीट करने लगे। मामला दो अलग-अलग सम्प्रदायों का होने के चलते इलाके मैं तनाव फैल गया और कई दुकानदार अपनी दुकान बंद कर भाग गए। झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मारपीट करने वालों को खदेड़ दिया। साथ ही पार्षद समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अर्थला पड़ाव पर रहने वाले शाहिद आलम के घर के बाहर एक खाली ठेली खड़ी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार रात साढ़े नौ बजे पार्षद मनोज पाल वहां पहुंचे और उन्होंने ठेली हटाने को कहा। इसको लेकर विवाद हो गया और फिर मनोज ने ठेली पलट दी। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई और 20-25 लोग लाठी-डंडे लेकर मारपीट करने लगे।

सड़क पर सरेआम इतनी बड़ी संख्या में लोगों के एक दूसरे पर हमला करने और दो अलग-अलग सम्प्रदायों का मामला होने के चलते आसपास के दुकानदार अपनी दुकानों के शटर गिराकर भाग गए।? इसके अलावा लोगों ने अपने मकानों क के दरवाजे भी बंद कर लिए।

झगड़े की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दारोगा सचिन ने थाना साहिबाबाद में शाहिद आलम, शाहजहां, नसीम, अरसद, आमिर, भोंदू उर्फ इसरार, इकबाल, फरमान, अफजाल, मनोज पाल, रमेश चौधरी, प्रवेश पाल, धीरज पाल और दीपक पाल समेत कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

एसीपी साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि झगड़े की सूचना पर वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को चेतावनी देकर शांत कराया। पुलिस ने मौके से पार्षद मनोज पाल, रमेश, नसीम व इसरार को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

पैगंबर पर विवादित बयान वाले यति नरसिंहानंद बोले- कोर्ट को बतानी है पूरी बात

योगी जी नजरबंदी हटवा दीजिए

गाजियाबाद, एजेंसी। विवादास्पद संत यति नरसिंहानंद गिरि ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर योगी आदित्यनाथ सरकार से उन्हें अवैध हिरासत से रिहा करने की मांग की, ताकि वह अपने खिलाफ दायर जनहित याचिका का जवाब दे सके। महाराष्ट्र स्थित हजरत ख्वाजा गरीब नवाज वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद यूसुफ ने दो दिन पहले उनके खिलाफ एक जनहित याचिका दायर की थी।

यह वीडियो यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन की महासचिव डॉ. उदिता त्यागी ने मीडिया के साथ शेयर किया है। नरसिंहानंद ने वीडियो में दावा किया कि उनकी हत्या प्रशिक्षित हत्यारों द्वारा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मरने से पहले वह पैगंबर पर दिए अपने बयान को स्पष्ट करना चाहते है और इसके लिए उन्हें प्रामाणिक इस्लामी पुस्तकों से सबूत इकट्ठा करने की जरूरत है।

नरसिंहानंद पर इस महीने की शुरुआत में 29 सितंबर को गाजियाबाद में एक कार्यक्रम में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए घृणास्पद भाषण देने का मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ था। मुंबई निवासी मोहम्मद यूसुफ और जाकिर हुसैन मुस्तफा शेख द्वारा दायर जनहित याचिका में नरसिंहानंद के घृणास्पद भाषण को सभी सोशल मीडिया मंचों से हटाने की मांग की गई है। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद के खिलाफ एक जनहित याचिका दायर कर अदालत से यति को पैगंबर मोहम्मद और कुरान के खिलाफ टिप्पणी करने से रोकने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, यति माहौल को खराब कर रहे हैं।

अनिल विज पर भड़क उठे भूपिंदर हुड्डा, स्पीकर से बोले- दो आदमियों को कसके रखना

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में भाजपा की नई सरकार बनने के बाद पहली बार विधानसभा सत्र का आयोजन हुआ। पहले ही दिन सदन में दिलचस्प बहस देखने को मिली तो एक बार को माहौल थोड़ा उग्र भी हो गया। वरिष्ठ मंत्री अनिल विज और पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा में तीखी बहस हो गई। प्रोटेम स्पीकर रघुवीर कादियान ने विधायकों को शपथ दिलाई। इस के बाद विधानसभा सत्र हुआ तो कांग्रेस और भाजपा विधायकों में बहस होने लगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अभिभाषण पढ़ा तो पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि यह तो सरकार का भाषण सदन में पढ़ दिया। मेरे पास बहुत है बोलने को, मगर मैं बोलूंगा नहीं।

इस पर मंत्री अनिज विज ने कहा कि हुड्डा साहब, जो आपके पास था हरियाणा की जनता ने उस पर काटा लगा दिया है। इस पर हुड्डा तैश में आ गए और स्पीकर से कहा कि ये भाषा और तरीका गलत है। मैं अपने विधायक सदन से बाहर ले जाता हूं। मंत्री अनिज विज ने कहा कि जनता बड़ी होती है।

दो आदमियों को कस के रखना सदन अच्छा चलेगा : हुड्डा

इस विवाद में जब मंत्री महिपाल ढांडा कूदे तो बेरी से विधायक डॉ. रघुवीर कादियान ने उन्हें टोका। तब ढांडा ने कहा कि मामा बैठ जा, हर बात ना टोका कर। रघुवीर कादियान ने कहा कि ढांडा मेरा भांजा लगता है। मैं इसको बचपन से जानता हूं। तब भी यह उछला करता था, आज भी उछलता है। इस पर रामकुमार गौतम ने कहा कि रघुवीर बुड्ढा हो गया है। भांजे से कभी नहीं लड़ा जाता। इसका बुढ़ापे में दिमाग सठिया गया है। हुड्डा ने कहा कि स्पीकर महोदय, दो आदमियों को कस के रखना, सदन अच्छा चलेगा। एक महीपाल ढांडा और दूसरा अनिल विज स्पीकर ने दोनों को समझाते हुए मामले को शांत किया।

यदि कोई सदस्य नियमों का उल्लंघन करे तो उसे टोकें : मुख्यमंत्री

नायब सैनी ने कहा कि हमारा सदन भवन एवं सभागार नहीं है। यह पौने 2 करोड़ जनता की आकांशाओं का केंद्र है। 15वीं विधानसभा में 40 नए सदस्य चुनकर आए हैं। नए सदस्यों की ऊर्जा पुरानों के काम आएगी और पुराने का अनुभव काम आएगा। नए सदस्य सदन के नियमों का गहन अध्ययन करेंगे।

ईरान ने किया कबूल: इजराइल ने 3 प्रांतों में सैन्य ठिकाने को बनाया निशाना

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना ने शनिवार सुबह कहा कि इजराइल ने उसके इलाम, खुजस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए, जिनमें ''सीमित क्षति हुई। ईरान के सशस्त्र बलों का यह बयान सरकारी टेलीविजन चैनल पर पढ़ा गया, लेकिन इस दौरान हमलों में हुए नुकसान से जुड़ी कोई तस्वीर नहीं दिखाई गई। ईरान की सेना ने दावा किया कि उसकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ने हमलों से होने वाले नुकसान को सीमित कर दिया, हालांकि उसने इस संबंध में कोई अतिरिक्त सबूत नहीं दिया। उधर, दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर सीरिया, इराक और ईरान ने अगली सूचना तक सभी उड़ानों को स्थगित कर दिया है।

इजराइल ने कहा कि उसने देश में मिसाइल निर्माण संयंत्रों और अन्य स्थलों को निशाना बनाकर हमले किए। उसने कहा कि ईरान में हमले करने के बाद उसके विमान ''सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसके विमानों ने ''उन मिसाइल निर्माण संयंत्रों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल उन मिसाइलों को बनाने के लिए किया जाता था जिन्हें ईरान ने पिछले साल इजराइल पर दागा था। सेना ने कहा, ''ये मिसाइल इजराइल के नागरिकों के लिए सीधा और तत्काल खतरा पैदा करती हैं। उसने कहा कि उसने ''सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और उन अतिरिक्त ईरानी हवाई क्षमताओं पर भी हमला किया, जिनका उद्देश्य ईरान में इजराइल की हवाई संचालन स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना था।

बता दें कि इजरायल ने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन का नाम पश्चाताप का दिन रखा है। इजरायली ऑपरेशन में दर्जनों लड़ाकू विमान, ईंधन भरने वाले विमान और जासूसी प्लेन शामिल थे। इन विमानों ने इजरायल से 1600 किमी दूर हमलों को अंजाम दिया है। इजरायल की सेना ने कहा कि जटिल ऑपरेशन के बाद सभी विमान सुरक्षित वापस लौट चुके हैं। इजरायल ने कहा कि वायुसेना को ईरान पर हमले की खुली छूट दी गई है। उसके पास ईरानी टारगेट की सूची है।

वायुसेना भविष्य के ऑपरेशन में जरूरत पड़ने पर इन ठिकानों पर हमला कर सकती है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129